Follow us on: @TheDailyPioneer facebook.com/dailypioneer instagram.com/dailypioneer/

RNI NO.UPHIN/2010/36547
वर्ष 15 अंक 189
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 1 मई 2025
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ, नगर संस्करण

पायनियर

Established 1865

लखनऊ, नई दिल्ली और रायपुर से प्रकाशित

www.dailypioneer.com

आभ्यन्तर

राष्ट्रीय-10

786 पाकिस्तानी भारत से गए, 1465 भारतीय पाकिस्तान से स्वदेश लौटे

अगली जनगणना में जातिगत गणना भी शामिल होगी

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

एक बड़े फैसले में सरकार ने बुधवार को घोषणा की कि अगली जनगणना में जाति गणना को पारदर्शी तरीके से शामिल किया जाएगा और जाति सर्वेक्षण को राजनीतिक उपकरण के रूप में इस्तेमाल करने के लिए विपक्षी दलों की आलोचना की। राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति द्वारा लिए गए निर्णय की घोषणा करते हुए केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि जनगणना केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आती है, लेकिन कुछ राज्यों ने सर्वेक्षण के नाम पर जाति गणना 'गैर-पारदर्शी' तरीके से की है, जिससे समाज में संदेह पैदा हुआ है।

यह उल्लेख करते हुए कि स्वतंत्रता के बाद से किए गए सभी जनगणना कार्यों में जाति को शामिल नहीं किया गया था, वैष्णव ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकारों ने हमेशा जाति जनगणना का विरोध किया है और पार्टी ने इस मुद्दे का इस्तेमाल राजनीतिक उपकरण के रूप में किया है। उन्होंने कहा, 'इन सभी तथ्यों पर विचार करते हुए तथा यह सुनिश्चित करने के लिए कि राजनीति के कारण सामाजिक ताना-बाना प्रभावित न हो, सर्वेक्षणों के बजाय जाति गणना को पारदर्शी तरीके से जनगणना में शामिल किया जाना चाहिए।' उन्होंने कहा कि इससे हमारे समाज का सामाजिक और आर्थिक ढांचा मजबूत होगा और राष्ट्र निरंतर प्रगति करता रहेगा। मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों ने राजनीतिक कारणों से जाति सर्वेक्षण किए हैं और इस बात पर जोर दिया कि मोदी सरकार ने आगामी अखिल भारतीय जनगणना प्रक्रिया में जाति गणना को पारदर्शी रूप से शामिल करने का संकल्प लिया है। वैष्णव ने कहा कि जनगणना केंद्र के अधिकार क्षेत्र में आती है, लेकिन कुछ राज्यों ने सर्वेक्षण के नाम पर जाति गणना 'गैर-पारदर्शी' तरीके से की है, जिससे समाज में संदेह पैदा हुआ है।

कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल पूरे देश में जाति आधारित जनगणना की जोरदार मांग कर रहे हैं और इसे एक बड़ा चुनावी मुद्दा बना रहे हैं। बिहार, तेलंगाना और कर्नाटक जैसे कुछ राज्यों ने ऐसे सर्वेक्षण कराए भी हैं। सरकार का यह निर्णय बिहार में विधानसभा चुनावों से पहले आया है, जहां भाजपा के कुछ सहयोगी दलों सहित कई पार्टियां जाति जनगणना के समर्थन में सामने आ रही हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि कांग्रेस और उसके सहयोगियों ने सत्ता में रहते हुए दशकों तक जाति जनगणना का विरोध किया और विपक्ष में रहते हुए इस पर राजनीति की। उन्होंने हिंदी में लिखा, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में आज हुई सीसीपीए की बैठक में आगामी जनगणना में जाति जनगणना को शामिल करने का निर्णय लेकर सामाजिक समानता और हर वर्ग के अधिकारों के प्रति दृढ़ प्रतिबद्धता का

बुधवार को कैबिनेट के फैसलों पर केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने मीडिया को जानकारी दी।

संदेश दिया गया है। शाह ने कहा, यह निर्णय सभी आर्थिक और सामाजिक रूप से पिछड़े वर्गों को सशक्त करेगा, समावेशिता को बढ़ावा देगा और वंचितों की प्रगति के लिए नए रास्ते प्रशस्त करेगा।

विपक्षी भारतीय धड़े ने हाल के चुनावों में जाति जनगणना को एक प्रमुख चुनावी मुद्दा बनाया था, जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने लोगों को उनकी जनसंख्या के आधार पर प्रतिनिधित्व देने का वादा किया था। कांग्रेस महासचिव (संचार प्रभारी) जयराम रमेश ने सरकार की घोषणा पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए एक्स पर एक पोस्ट में कहा, देर आए दुरुस्त आए। उन्होंने कहा कि पार्टी ने सामाजिक न्याय पर अपने प्रस्ताव में इस मुद्दे को उठाया था, जिसे 9 अप्रैल, 2025 को अहमदाबाद में पारित किया गया था, और उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को 16 अप्रैल, 2023 को लिखा गया पत्र भी साझा किया, जिसमें उन्होंने मांग की थी कि दशकीय जनगणना की जाए और व्यापक जाति जनगणना को इसका हिस्सा बनाया जाए।

पिछली राष्ट्रीय जनगणना 2011 में पूरी हुई थी और अगली दशकीय जनगणना अप्रैल 2020 में शुरू होनी थी, लेकिन कोविड महामारी के कारण इसमें देरी हो गई। यद्यपि गृह मंत्री अमित शाह ने पिछले वर्ष कहा था कि जनगणना बहुत जल्द कराई जाएगी, लेकिन अभी तक यह स्पष्ट नहीं है कि यह कार्य वास्तव में कब कराया जाएगा। वैष्णव ने कहा कि 2010 में तत्कालीन प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने लोकसभा को आश्वासन दिया था कि जाति जनगणना के मामले पर कैबिनेट में विचार किया जाना चाहिए। अधिकांश राजनीतिक दलों द्वारा जाति जनगणना की सिफारिश किये जाने के बाद इस पर विचार करने के लिए मंत्रियों का एक समूह गठित किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया, इसके बावजूद कांग्रेस सरकार ने जाति जनगणना के बजाय केवल सर्वेक्षण कराने का फैसला किया। उस सर्वेक्षण को SECC के नाम से जाना जाता है। यह अच्छी तरह से समझा जा सकता है कि कांग्रेस और उसके गठबंधन सहयोगियों ने जाति जनगणना का इस्तेमाल केवल एक राजनीतिक उपकरण के रूप में किया है। स्वतंत्र भारत में पहली जाति गणना 2011 में की गई थी और इसे सामाजिक आर्थिक और जाति जनगणना 2011 के नाम से जाना जाता था।

ब्रिटिश शासन के दौरान 1881 से 1931 के बीच की जनगणना में जाति गणना शामिल थी, लेकिन स्वतंत्रता के बाद सरकार ने 1951 में अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों को छोड़कर, जनगणना में जाति को शामिल न करने का निर्णय लिया। वैष्णव ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 246 के तहत जनगणना विषय संघ सूची में प्रविष्टि 69 के तहत सूचीबद्ध है और संविधान के अनुसार जनगणना एक संघ का विषय है। उन्होंने कहा कि कुछ राज्यों ने जातियों की गणना के लिए सर्वेक्षण कराए हैं। कुछ राज्यों ने यह काम अच्छी तरह से किया है, जबकि कुछ अन्य ने इस तरह के सर्वेक्षणों को विशुद्ध रूप से राजनीतिक दृष्टिकोण से अपारदर्शी तरीके से आयोजित किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह के सर्वेक्षणों से समाज में संदेह पैदा हुआ है। मंत्री ने कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के नेतृत्व में, राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने आज (30 अप्रैल 2025) निर्णय लिया है कि आगामी जनगणना में (शेष पृष्ठ 9)

एनएसएबी का पुनर्गठन, पूर्व रॉ प्रमुख ने कार्यभार संभाला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को यहां सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीएस) की बैठक में पहलगाम आतंकवादी हमलों के मद्देनजर सुरक्षा स्थिति के सम्पूर्ण परिदृश्य की समीक्षा की। 22 अप्रैल के नृशंस कृत्य के बाद यह दूसरी सीसीएस बैठक थी। उच्च स्तरीय सुरक्षा बैठक के साथ-साथ दो अतिरिक्त समिति बैठकें - राजनीतिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीपीए) और आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) भी प्रधानमंत्री आवास पर बुलाई गईं।

इस बीच, सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) का पुनर्गठन किया है - यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ऐसी अटकलें लगाई जा रही थीं कि सीमा पार संबंधों के मद्देनजर पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत जवाबी कार्रवाई कर सकता है। रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख आलोक जोशी को एनएसएबी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। एनएसएबी एक सलाहकार निकाय है जो राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय को जानकारी प्रदान करता है। संयोग से, सीसीएस की नवीनतम बैठक ऐसे समय में हुई है, जब एक दिन पहले ही प्रधानमंत्री ने मंगलवार को यहां शीर्ष सैन्य अधिकारियों के साथ बैठक की थी और 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले के बाद भारत की प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय पर सशस्त्र बलों को परिचालन संबंधी स्वतंत्रता प्रदान की थी। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे।

23 अप्रैल को पहली बैठक में, सीसीएस ने पाकिस्तान के खिलाफ कई दंडात्मक उपायों का निर्णय लिया, जिसमें सिंधु जल संधि को निलंबित करना, अटारी में एकमात्र भूमि सीमा पार संचालन को बंद करना तथा हमले के सीमा पार संबंधों के मद्देनजर राजनयिक संबंधों को कम करना शामिल था। जवाब में, पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइनों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया तथा तीसरे देशों के माध्यम से होने वाले व्यापार सहित भारत के साथ सभी प्रकार के व्यापार को निलंबित कर दिया। पाकिस्तान ने भारत द्वारा सिंधु जल संधि को निलंबित करने के फैसले को खारिज कर दिया और कहा कि पानी के प्रवाह को रोकने के किसी भी कदम को युद्ध की कार्रवाई के रूप में देखा जाएगा।

सरकारी सूत्रों ने बताया कि मंगलवार को रक्षा अधिकारियों के साथ उच्च स्तरीय बैठक में मोदी ने कहा कि सशस्त्र बलों को भारत की प्रतिक्रिया के तरीके, लक्ष्य और समय पर निर्णय लेने की पूर्ण परिचालन स्वतंत्रता है। बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल, प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान और तीनों सेनाओं के प्रमुख शामिल हुए। सरकारी सूत्रों ने बताया कि प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि आतंकवाद को करारा झटका देना हमारा राष्ट्रीय संकल्प है।(शेष पृष्ठ 9)

भारत ने पाकिस्तान के लिए हवाई क्षेत्र बंद किया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पहलगाम हमले के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ता जा रहा है, तथा इस्लामाबाद द्वारा अपने हवाई क्षेत्र में भारतीय एयरलाइनों को प्रवेश से रोकने के निर्णय के बाद जवाबी कदम उठाते हुए भारत, पाकिस्तानी एयरलाइनों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद करने का निर्णय लिया है। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद नई दिल्ली द्वारा अपने पड़ोसियों के खिलाफ उठाए गए कदमों के बाद पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइनों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। इस निर्णय के बाद पाकिस्तानी एयरलाइनों को कुआलालंपुर जैसे दक्षिण-पूर्व एशियाई गंतव्यों तक पहुंचने के लिए अपनी उड़ानों का मार्ग चीन या श्रीलंका से होकर बदलने के लिए बाध्य होना पड़ेगा। 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद नई दिल्ली द्वारा अपने पड़ोसियों के खिलाफ उठाए गए कदमों के बाद पाकिस्तान ने भारतीय एयरलाइनों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे, जिनमें से अधिकतर पर्यटक थे। सरकार भारतीय बंदरगाहों पर पाकिस्तानी जहाजों पर प्रतिबंध लगाने पर भी विचार कर रही है।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) दक्षिण पूर्व एशिया के कई गंतव्यों तक पहुंचने के लिए भारतीय हवाई क्षेत्र का उपयोग करती है, जिसमें सिंगापुर और थाईलैंड के अलावा कुआलालंपुर और मलेशिया के अन्य शहर भी शामिल हैं। भारतीय हवाई क्षेत्र के बंद होने से एयरलाइन की सेहत पर असर पड़ सकता है क्योंकि इससे विमानों को लंबा रास्ता तय करना पड़ेगा। पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद पाकिस्तान ने भारतीय उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था, जिससे उसके पड़ोसी देश के विमानन क्षेत्र को नुकसान पहुंचने की आशंका थी। यद्यपि इस कदम का उद्देश्य भारत को परेशान करना था, लेकिन वास्तव में इससे पाकिस्तान को विमानन राजस्व में लाखों डॉलर का नुकसान हो सकता है।

प्रतीकात्मक चित्र

पाकिस्तान कथित तौर पर बोइंग 737 के लिए लगभग 580 डॉलर का ओवरफ्लाइट शुल्क लेता है - जो शायद भारतीय एयरलाइनों द्वारा संचालित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय एयरलाइनों में सबसे छोटा है। दरें अधिकतम उड़ान भार और उड़ान की दूरी के आधार पर बदलती हैं, तथा बड़े विमानों के लिए शुल्क और भी अधिक होता है। भारतीय एयरलाइन्स पर हाल ही में लगाए गए प्रतिबंध के कारण प्रतिदिन कम से कम 58,000 डॉलर का नुकसान हो रहा है। हालांकि यह ध्यान रखना प्रासंगिक है कि भारत कई बड़े विमानों का भी संचालन करता है - जिसमें बोइंग 777 भी शामिल है, जिसका अधिकतम टेकऑफ़ भार बोइंग 737 के भार से लगभग 2.5 से 3 गुना अधिक है। विमान के भार के अनुपात में ओवरफ़्लाइट शुल्क की गणना करने पर इसका अर्थ प्रति उड़ान 1,200 से 1,700 डॉलर का शुल्क हो सकता है। भारतीय एयरलाइनों द्वारा संचालित वर्तमान अंतरराष्ट्रीय बेड़े पर आधारित अनुमान बताते हैं कि पाकिस्तान को अब प्रतिदिन लगभग 120,000 डॉलर का नुकसान हो रहा है।

रिपोर्टों के अनुसार, जुलाई 2019 में पाकिस्तान को लगभग 100 मिलियन डॉलर का नुकसान हुआ था, जब उसने पुलवामा हमले और उसके बाद बालाकोट हवाई हमलों के बाद लगभग पांच महीने तक अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था। उस दौरान हर दिन लगभग 400 उड़ानें प्रभावित हुईं, जिससे पाकिस्तान के नागरिक उड्डयन प्राधिकरण (सीएए) और पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस (पीआईए) को भारी नुकसान हुआ। 1971 में जब भारत ने पाकिस्तानी एयरलाइन्स के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद कर दिया था, तब अपने विमानों का मार्ग बदलकर श्रीलंकाई हवाई क्षेत्र कर दिया था। इस बीच, भारतीय एयरलाइनों को उत्तर भारतीय शहरों से संचालित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 77 करोड़ रुपये का अतिरिक्त साप्ताहिक व्यय उठाना पड़ सकता है, क्योंकि हवाई क्षेत्र पर प्रतिबंध के कारण ईंधन की खपत बढ़ जाएगी और उड़ान की अवधि भी लंबी हो जाएगी। विदेशी उड़ानों की संख्या के विश्लेषण और बढ़ी हुई उड़ान अवधि तथा अनुमानित व्यय (शेष पृष्ठ 9)

संघर्ष विराम उल्लंघन के लिए भारत ने पाकिस्तान को चेतावनी दी

भाषा। नई दिल्ली

भारत ने जम्मू-कश्मीर में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर पाकिस्तान की ओर से बिना उकसावे के की गई गोलीबारी को लेकर चेतावनी दी है। पहलगाम आतंकवादी हमले को लेकर बढ़ते तनाव के बीच भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियानों के महानिदेशकों ने हॉटलाइन पर बातचीत की। सैन्य सूत्रों के अनुसार, पाकिस्तान शुक्रवार रात से नियंत्रण रेखा पर भारतीय सीमा में संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन करते हुए गोलीबारी कर रहा है और भारतीय सेना ने इसका उचित जवाब दिया है। सैन्य अभियानों के महानिदेशकों (डीजीएमओ) ने मंगलवार को यह बातचीत की। यह बातचीत ऐसे समय में हुई है जब भारत 22 अप्रैल को पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का जवाब देने के लिए अपने विकल्पों पर विचार कर रहा है। इस हमले में 26 लोग मारे गए थे। डीजीएमओ वार्ता से परिचित लोगों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना को बिना उकसावे के गोलीबारी के खिलाफ चेतावनी दी गई है। हालांकि, सूत्रों ने हॉटलाइन पर हुई बातचीत को नियमित बताया और कहा कि यह डीजीएमओ के बीच साप्ताहिक बातचीत थी जो हर मंगलवार को होती है।

सूत्रों ने बताया कि भारतीय डीजीएमओ ने पाकिस्तानी सेना द्वारा संघर्ष विराम उल्लंघन का मामला जोरदार तरीके से उठाया। तनाव कम करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, 25 फरवरी, 2021 को भारतीय और पाकिस्तानी सेनाओं ने घोषणा की थी कि वे 2003 के युद्धविराम समझौते के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराते हुए नियंत्रण रेखा पर गोलीबारी बंद कर देंगे। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी सेना ने मंगलवार रात को भी बारामूला और कुपवाड़ा जिलों तथा परगवाल सेक्टर में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पार अपनी चौकियों से छोटे हथियारों का इस्तेमाल करते हुए बिना उकसावे के गोलीबारी की।

चेतावनी के बावजूद उकसा रहा पाकिस्तान

मोहित कंधारी। जम्मू

पहलगाम नरसंहार का जवाब देने के लिए भारत द्वारा अपने सशस्त्र बलों को खुली छूट देकर एक कड़ा और कठोर संदेश भेजे जाने के बाद, पाकिस्तान में सैन्य और राजनीतिक नेतृत्व हर गुजरते घंटे के साथ घबराया हुआ होता जा रहा है। यह बात मंगलवार को स्पष्ट हो गयी। भारत और पाकिस्तान के सैन्य अभियान महानिदेशकों (डीजीएमओ) द्वारा 22 अप्रैल से पाकिस्तान द्वारा किए जा रहे अकारण संघर्ष विराम उल्लंघन पर चर्चा करने के लिए एक-दूसरे से बात करने के मात्र कुछ ही घंटों बाद, पाकिस्तानी सैनिकों ने एक बार फिर मंगलवार देर रात जम्मू के परगवाल सेक्टर में, पिछले एक सप्ताह में पहली बार, अंतरराष्ट्रीय सीमा पर सीमा पार से गोलीबारी की। बढ़ते तनाव के बीच भारत ने इस अवसर का उपयोग पाकिस्तान को अकारण उल्लंघन के खिलाफ चेतावनी देने के लिए किया, लेकिन जमीनी स्तर पर पाकिस्तानी सैनिकों ने बिना किसी रोक-टोक के संघर्ष विराम समझौते का उल्लंघन किया। जम्मू सीमा के अग्रिम गांवों को हाई अलर्ट पर रखा गया है तथा ग्रामीणों ने अपनी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए वैकल्पिक व्यवस्थाएं करनी शुरू कर दी हैं। कुछ स्थानों पर ग्रामीणों ने आपातकालीन स्थिति के दौरान उपयोग के लिए सामुदायिक बंकरों की सफाई कर दी है। किसान नुकसान से बचने के लिए फसल की कटाई के चरम मौसम में जल्दबाजी कर रहे हैं। मंगलवार को भी पाक सेना ने नियंत्रण रेखा पर कई स्थानों पर गोलीबारी की, जिससे पाकिस्तानी सेना द्वारा सीमा पार से गोलीबारी का यह लगातार छठा दिन रहा।

अंतरराष्ट्रीय सीमा पर परगवाल सेक्टर में गोलीबारी के बाद, अतिरिक्त बीएसएफ जवानों को तैनात किया गया तथा भारतीय सैनिकों ने पाकिस्तानी गोलीबारी का त्वरित एवं संतुलित तरीके से जवाब दिया। नियंत्रण रेखा पर राजौरी जिले के नौशेरा और सुंदरबनी सेक्टरों के साथ-साथ जम्मू के अखनूर सेक्टर और(शेष पृष्ठ 9)

कोलकाता के होटल में आग, 14 मरे

कोलकाता (भाषा)। मध्य कोलकाता स्थित बड़ बाजार के मछुआपट्टी इलाके में एक होटल में भीषण आग लगने से 14 लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि घटना में मारे गए अधिकतर लोगों की जान दम घुटने के कारण गई और आग लगने की घटना में 13 अन्य घायल हो गए। घटना को लेकर राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया और इसमें जवाबदेही की मांग की जा रही है।

अधिकारियों ने कहा कि छह मंजिला ऋतुराज होटल में आग मंगलवार शाम करीब 7:30 बजे लगी और देखते ही देखते पूरी इमारत इसकी चपेट में आ गई। आग लगने की घटना के समय होटल में 42 कमरों में 88 मेहमान ठहरे हुए थे। अग्निशमन एवं आपात सेवा विभाग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, जान गंवाने वाले अधिकतर लोग अंदर फंस गए थे और घने धुएं के कारण बाहर नहीं निकल सके। ज्यादातर मामलों में मौत का कारण दम घुटना है, जबकि

कोलकाता में ऋतुराज होटल अग्निकांड में मारे गए अपने रिश्तेदार के शव की पहचान करने के बाद एक महिला को सांत्वना देते रिश्तेदार। पीटीआई

कुछ लोग घबराहट में होटल की ऊपरी मंजिलों से कूदने के कारण मारे गए। पुलिस ने बताया कि घटना में मारे गए 14 लोगों में 11 पुरुष, एक महिला और दो बच्चे शामिल हैं। बुधवार को घायलों से मिलने के बाद महापौर फरहाद हकीम ने बताया कि सभी 14 शवों की पहचान हो गई है। उन्होंने कहा कि शवों को (शेष पृष्ठ 9)

कहानी, प्रौद्योगिकी और संस्कृति का मिलन होगा वेव्स में

दीपक कुमार झा। मुंबई

मुंबई का आकाश हमेशा की तरह धूसर और नमीयुक्त छाया में है, लेकिन जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर (जेडब्ल्यूसीसी) के बाहर इस सप्ताहांत तक कुछ असाधारण घटित हो रहा है। जेडब्ल्यूसीसी का विशाल अग्रभाग स्पॉटलाइट और विशाल एलईडी डिस्प्ले के नीचे चमक रहा है, जिस पर वेव्स शिखर सम्मेलन का लोगो चमक रहा है। सुरक्षा दल पूरी तत्परता से आगे बढ़ते हैं, क्रेनें अंतिम उपकरणों को ऊपर उठाती हैं, और कैमरा दल फुटपाथों पर दौड़ते हैं, उनके लेंस हर गतिविधि पर केन्द्रित होते हैं। हवा में वॉकी-टॉकी, मचानों की खनक और रिहर्सल की धीमी लेकिन निरंतर

आवाजें गूंज रही हैं। प्रथम वेव्स शिखर सम्मेलन की पूर्व संध्या पर, जेडब्ल्यूसीसी रचनात्मकता के एक कोलिजियम में परिवर्तित हो गया है, जो शक्ति, जुनून और वादे के साथ प्रत्याशा का एक केंद्र है। पूरे शहर में भी, संकेत स्पष्ट हैं। बैनर लहरा रहे हैं, होटल पूरी तरह से बुक हैं, और मुंबई की सांस्कृतिक धड़कनें रचनात्मकता और नवीनता के एक ऐतिहासिक उत्सव की तैयारी में जोर से धड़क रही हैं

जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी गुरुवार को वेव्स शिखर सम्मेलन का उद्घाटन करने के लिए आगे आएंगे, तो यह महज एक आयोजन के उद्घाटन से कहीं अधिक का संकेत होगा। यह वैश्विक वार्तालाप का नेतृत्व करने के लिए भारत के साहसिक कदम को प्रतिबिंबित करेगा जहां कहानी, प्रौद्योगिकी और संस्कृति का मिलन होगा। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय द्वारा आयोजित चार दिवसीय शिखर सम्मेलन, जो 1 मई से 1-4 मई तक मुंबई में चलेगा, का उद्देश्य सिनेमा और टेलीविजन से लेकर एआई, इमर्सिव रियलिटी, गेमिंग और डिजिटल मीडिया तक, सभी उद्योगों में भारत को एक रचनात्मक और तकनीकी शक्ति के रूप में स्थापित करना है। यह रचनाकारों, नवप्रवर्तकों और निवेशकों के लिए मनोरंजन के भविष्य को आकार देने के लिए एक शक्तिशाली मंच प्रदान करता है।

इस असाधारण शिखर सम्मेलन का मुख्य आकर्षण भारत मंडप है, जो 1,470 वर्ग मीटर में फैला है, तथा कला से कोड तक थीम के अंतर्गत भारत की गतिशील विरासत को प्रदर्शित करता है। प्रधानमंत्री मोदी द्वारा उद्घाटन किए जाने वाले इस मंडप में आगंतुकों को भारतीय कहानी कहने की कला के विकास की एक गहन यात्रा पर ले जाया जाएगा, (शेष पृष्ठ 9)

मई में अधिक पड़ेगी गर्मी लेकिन बारिश देगी राहत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बुधवार को कहा कि भारत के अधिकांश भागों में मई में सामान्य से अधिक तापमान रहने की संभावना है, लेकिन कई बार गरज के साथ हल्की बारिश होने से गर्मी पिछले वर्ष के गंभीर स्तर तक नहीं पहुंच पाएगी। आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्र ने कहा कि राजस्थान, हरियाणा, पंजाब, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड, पश्चिम बंगाल के गंगा के इलाकों में उष्ण लहर वाले दिनों की संख्या सामान्य से एक से चार दिन अधिक रहने की उम्मीद है।

गुजरात, ओडिशा, छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र, समीपवर्ती तेलंगाना और उत्तरी कर्नाटक के कुछ क्षेत्रों में भी उष्ण लहर के

दिन सामान्य से अधिक रहने की संभावना है। सामान्यत: दक्षिण-पश्चिमी प्रायद्वीपीय भारत को छोड़कर देश के विभिन्न भागों में मई में एक से तीन दिन तक उष्ण लहर चलती है। महापात्र ने कहा कि उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वोत्तर भारत के कुछ क्षेत्रों को छोड़कर देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से अधिक वर्षा होने की संभावना है। उत्तर भारत में वर्षा सामान्य से अधिक रहने की उम्मीद है, जो 64.1 मिमी की दीर्घकालिक औसत से 109 प्रतिशत ज्यादा होगी है। उन्होंने कहा कि मई में गरज के साथ हल्की बारिश होने की संभावना है जिससे तापमान मई 2024 के स्तर तक पहुंचने से रुकेगा। आईएमडी महानिदेशक ने बताया कि अप्रैल में देश में 72 उष्ण लहर वाले दिन दर्ज किए गए। राजस्थान और गुजरात में सामान्य से अधिक उष्ण लहर वाले दिन (6 से 11 दिन) दर्ज किए गए। जबकि पूर्वी मध्य प्रदेश और विदर्भ में इनकी संख्या (4 से 6 दिन) सामान्य दो से तीन दिन से अधिक रही। पूर्व-मध्य भारत, महाराष्ट्र और उत्तरी प्रायद्वीपीय भारत केसमीपवर्ती भागों में एक से तीन दिन तक उष्ण लहर दर्ज की गई, जो सामान्य दो से तीन दिनों से थोड़ी कम थी।

ग्लोबल रैंकिंग हासिल करने की कार्ययोजना बनाए गोरखपुर विश्वविद्यालय

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

विश्वविद्यालय के हीरक जयंती समारोह में शामिल हुए मुख्यमंत्री

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अपनी 75 वर्ष की शानदार यात्रा का मूल्यांकन करते हुए गोरखपुर विश्वविद्यालय को अब शताब्दी वर्ष अर्थात आगामी 25 वर्षों की कार्ययोजना बनानी चाहिए। इस कार्ययोजना में उन बातों का जरूर ध्यान रखना होगा जिससे हमारा विश्वविद्यालय अच्छी ग्लोबल रैंकिंग वाले विश्वविद्यालय के रूप में अपनी पहचान वैश्विक बना सके।

सीएम योगी बुधवार अपराह्न दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हीरक जयंती समारोह को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने हीरक जयंती वर्ष के लिए विश्वविद्यालय परिवार को बधाई देते हुए कहा कि एक मई 1950 को स्थापित इस विश्वविद्यालय की 75 वर्ष की यात्रा के विराम के बाद कल एक मई से अमृतकाल की यात्रा शुरू होगी। शताब्दी महोत्सव में गोरखपुर विश्वविद्यालय कहां होगा, इसकी कार्ययोजना आगामी छह माह से एक साल के भीतर बना लेनी होगी। और, फिर बिना रुके, बिना डिगे उस कार्ययोजना पर प्रयास करने की जरूरत होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि निश्चित ही विश्वविद्यालय ने अपनी अब तक की यात्रा में अनेक उपलब्धियां हासिल की हैं लेकिन अब अच्छी और उल्लेखनीय ग्लोबल रैंकिंग हासिल करने की दिशा में बढ़ने के लिए स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से जुड़ना होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की आगामी कार्ययोजना में सरकार हर संभव सहयोग करने को तत्पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आगामी 25 वर्षों की कार्ययोजना में विश्वविद्यालय को विशिष्टता के क्षेत्र में प्रयास करने चाहिए। इस दौरान ढेर सारे अवसर आएंगे। उन अवसरों को अपने अनुरूप जोड़ना और सामयिक निर्णय लेना होगा। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति या संस्था के लिए प्रत्येक क्षेत्र में आगे होना संभव नहीं है। इसलिए कोई एक ऐसा क्षेत्र चुना जाना चाहिए जिसमें कुछ विशिष्टता प्राप्त हो सके और उससे नई पहचान मिल सके। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय की स्थापना के लिए अपने दो डिग्री कॉलेज देने वाले महंत दिग्विजयनाथ, कल्याण के संपादक भाईजी हनुमान प्रसाद पोद्दार, सरदार सुरेंद्र सिंह मजीठिया, तत्कालीन जिलाधिकारी सुरति नारायण मणि त्रिपाठी, मधुसूदन दास डॉ. एनके लाहिड़ी, पीसी चाको, पहले कुलपति प्रो. बीएन झा के योगदान को याद करते हुए उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि भी दी।

महंत दिग्विजयनाथ प्रेक्षागृह का किया शिलान्यास

दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के हीरक जयंती समारोह में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ प्रेक्षागृह का शिलान्यास किया। उनकी स्मृति में बनने वाले प्रेक्षागृह के निर्माण पर 43 करोड़ 10 लाख रुपये की लागत आएगी। प्रेक्षागृह की क्षमता 1500 लोगों की होगी। प्रेक्षागृह में दो कॉन्फ्रेंस हाल और एक प्रदर्शनी हाल भी होगा। महंत दिग्विजयनाथ प्रेक्षागृह का शिलान्यास करने के बाद मुख्यमंत्री ने इसके लेआउट और ड्राइंग मैप का अवलोकन किया। उन्होंने कार्यदायी संस्था के अधिकारियों से निर्माण कार्य की समय सीमा के बारे में जानकारी ली। अधिकारियों ने कहा कि 24 माह में प्रेक्षागृह बन जाएगा।

हीरक जयंती द्वार का भी शिलान्यास

हीरक जयंती समारोह के उपलक्ष्य में मुख्यमंत्री ने गोरखपुर विश्वविद्यालय के हीरक जयंती द्वार का शिलान्यास तथा हीरक जयंती स्पोर्ट्स स्टेडियम के शिलापट्ट का अनावरण भी किया। हीरक जयंती के अवसर पर मुख्यमंत्री के हाथों विश्वविद्यालय की 75 वर्ष की प्रगति यात्रा वर्णित करने वाली विशेष स्मारिका का विमोचन किया।

इस अवसर पर उन्होंने 35 ग्राम के एक विशेष स्मृति सिक्के, डाक विभाग के सहयोग से निर्मित विशेष डाक टिकट और कवर का विमोचन तथा विश्वविद्यालय के सूचना, प्रकाशन एवं जनसंपर्क केंद्र की ओर से तैयार कराई गई डॉक्युमेंट्री व थीम सांग का भी लोकार्पण किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के हाथों डॉ. अमित कुमार उपाध्याय, डॉ. कुशल नाथ तिवारी व यशवंत सिंह राठौड़ की पुस्तकों और अधिष्ठाता छात्र कल्याण की पुस्तिका संवाद का विमोचन भी हुआ।

कब्जामुक्त कराएं जमीन, दबंगों को सिखाएं सबक: मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ गोरखपुर

● जनता दर्शन में सीएम योगी ने सुनीं 200 लोगों की समस्याएं

गोरखपुर प्रवास के दौरान बुधवार को आयोजित जनता दर्शन में सीएम योगी ने करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं और सभी समस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के लिए अफसरों को निर्देशित किए। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि गरीबों की जमीन पर यदि किसी ने कब्जा किया है तो तत्काल जमीन को कब्जा मुक्त कराने के साथ दबंगों को सबक सिखाया जाए। किसी की जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले, कमजोरों को उजाड़ने वाले बख्शे न जाएं। उनके खिलाफ कानून सम्मत सख्त एक्शन लिया जाए। गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति भवन के बाहर लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनने के दौरान एक महिला ने जमीनी विवाद से जुड़ी समस्या मुख्यमंत्री को बताई। इस पर सीएम ने मौके पर मौजूद अधिकारियों को त्वरित कार्यवाही का निर्देश देते हुए महिला को भरोसा दिया कि उनके साथ अन्याय नहीं होने दिया जाएगा। मुख्यमंत्री का यह आश्वासन सुनते ही महिला ने भारी मन से एक और पीड़ा बता दी। कहा कि घर वापस जाने के लिए किराया नहीं है। महिला की यह बात सुन सीएम योगी ने कहा, परेशान मत होइए, घर जाने का किराया भी मिल जाएगा। इतना कहते ही उन्होंने मंदिर प्रबंधन से जुड़े लोगों से महिला को किराए की रकम देने का निर्देश दिया। मुख्यमंत्री के इस भावपूर्ण व्यवहार पर महिला करबद्ध होकर कृतज्ञता जताने लगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है।

राजस्व व पुलिस से जुड़े मामलों को उन्होंने पूरी पारदर्शिता वह निष्पक्षता के साथ निस्तारित करने का निर्देश देते हुए कहा कि किसी के साथ भी अन्याय नहीं होना चाहिए। हर पीड़ित के साथ संवेदनशील व्यवहार अपनाते हुए उसकी मदद की जाए। हर बार की भांति इस बार के जनता दर्शन में कुछ लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की गुहार लेकर पहुंचे थे। मुख्यमंत्री ने उन्हें आश्वस्त किया कि सरकार इलाज के लिए भरपूर मदद करेगी।

60 वर्ष से अधिक के आयु के ट्रांसजेंडर को मिलेगी वृद्धाश्रम की सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पेंशन व आयुष्मान कार्ड जैसी सुविधाएं भी होगी उपलब्ध

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार ने उत्तर प्रदेश में सामाजिक समरसता और समावेशी विकास की दिशा में एक और ऐतिहासिक कदम उठाया है। अब राज्य में 60 वर्ष से अधिक आयु के ट्रांसजेंडर व्यक्तियों को वृद्धाश्रम की सुविधा प्रदान की जाएगी, जिससे उन्हें न केवल आश्रय मिलेगा, बल्कि एक सम्मानजनक और सुरक्षित जीवन जीने का अवसर भी मिलेगा। इसके साथ ही उन्हें पेंशन, आयुष्मान भारत कार्ड, स्वास्थ्य जांच, भोजन और मानसिक स्वास्थ्य काउंसलिंग जैसी आवश्यक सेवाएं भी दी जाएंगी। ट्रांसजेंडर वरिष्ठ नागरिकों के लिए यह सुविधा एक संवेदनशील और दूरदर्शी सोच का प्रतीक है, जो समाज के ऐसे वर्ग के लिए है, जिसे दशकों तक उपेक्षा और भेदभाव का सामना करना पड़ा। योगी सरकार ने यह सुनिश्चित किया है कि प्रदेश में ट्रांसजेंडर समुदाय को समान अधिकार, गरिमा और अवसर मिलें। प्रदेश में ट्रांसजेंडरों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने के लिए उनका पंजीकरण भी किया जा रहा है। ट्रांसजेंडर समुदाय की सुरक्षा और समस्याओं के त्वरित समाधान हेतु प्रदेश सरकार ने हर जनपद में ट्रांसजेंडर सुरक्षा सेल की स्थापना की है। जिलाधिकारी देखरेख में इस सेल संचालित की जा रही है, जिससे इनकी कार्यप्रणाली प्रभावी और उत्तरदायी बनी रहे। इसके अतिरिक्त, राज्य स्तर पर भी ट्रांसजेंडर प्रोटेक्शन सेल का गठन किया गया है जो समग्र निगरानी और नीति-निर्माण में सहयोग करता है। प्रमुख सचिव, समाज कल्याण एल. वेकेंटेश्वर लू ने कहा कि आने वाले समय में ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए और योजनाएं लाई जाएंगी।

सपा का कृत्य दलित समाज की भावनाओं के साथ खिलवाड़: चौधरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी का इतिहास दलितों के विश्वासघात से भरा है: विजय लक्ष्मी गौतम

समाजवादी पार्टी के पोस्टर एवं होर्डिंग में बाबा साहब डॉ. भीमराव अम्बेडकर जी चित्र से आधा चेहरा हटाकर पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव का चेहरा जोड़ने से आक्रोशित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं ने बुधवार को समाजवादी पार्टी द्वारा किए गए बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर के अपमान के विरोध में पूरे प्रदेश में विरोध प्रदर्शन किया। राजधानी लखनऊ में अटल चौक, हजरतगंज स्थित बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन में राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम, प्रदेश महामंत्री गोविन्द नारायण शुक्ला, राज्यसभा सांसद बृजलाल, सदस्य विधान परिषद लाल जी निर्मल, मुकेश शर्मा, लखनऊ महानगर अध्यक्ष आनंद द्विवेदी व जिला अध्यक्ष विजय मौर्या सहित बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि व कार्यकर्ता उपस्थित रहे। प्रदेश के सभी जिला मुख्यालयों पर कार्यकर्ताओ ने अनुसूचित मोर्चा के नेतृत्व में बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की प्रतिमा के समक्ष विरोध प्रदर्शन कर समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव द्वारा किए गए बाबा साहब के अपमान के विरोध में प्रदर्शन किया। पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र सिंह चौधरी ने कहा कि भारत रत्न बाबा साहेब डॉ. भीमराव आम्बेडकर ने शिक्षा, समानता और संवैधानिक मूल्यों के लिए जीवनभर संघर्ष किया। लेकिन अपने पूरे जीवन में सिर्फ परिवारवाद की राजनीति करने वाले सपा प्रमुख अखिलेश यादव बाबा साहब के बराबर खड़े होने का दुस्साहस कर रहे है। उन्होंने कहा सपा की होर्डिंगों और पोस्टरों में बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर की आधी तस्वीर काटकर उसमें अखिलेश यादव का चित्र जोड़ना बाबा साहब का अपमान है।

प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि क्या समाजवादी पार्टी और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को यह नही पता कि संविधान शिल्पी बाबा साहब डॉ. भीमराव आम्बेडकर न किसी जाति के थे, ना किसी पार्टी केवे विचारधारा थे। सपा प्रमुख अखिलेश यादव को उनके समक्ष प्रस्तुत करना सीधे तौर पर दलितों, वंचितों के संघर्ष का अपमान है। उन्होंने कहा कि बाबा साहब का पूरा जीवन समाजिक न्याय और अधिकारों की लड़ाई में बीता जबकि अखिलेश यादव का पूरी राजनीति अपने पिता द्वारा दी गई कुर्सी बचाने में लगी रही।

सुप्रीम कोर्ट ने मुख्तार की मौत की जांच से जुड़ी एफआईआर व एसआईटी की मांग ठुकराई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ/ दिल्ली

उत्तर प्रदेश में संगठित अपराध के खिलाफ योगी सरकार की 'जीरो टॉलरेंस' नीति को एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट से मजबूती मिली है। कुख्यात माफिया और विधायक रह चुके मुख्तार अंसारी की जेल में हुई मौत की जांच के लिए एफआईआर दर्ज करने और एसआईटी गठित किए जाने की मांग को लेकर उनके बेटे उमर अंसारी द्वारा दाखिल की गई रिट याचिका को सुप्रीम कोर्ट ने खारिज कर दिया है।

कोर्ट ने साफ किया कि यह सुप्रीम कोर्ट के हस्तक्षेप का मामला नहीं है और इस आधार पर याचिका को खारिज कर दिया। यह फैसला न केवल प्रदेश सरकार की सशक्त और तथ्यों पर आधारित पैरवी की जीत है, बल्कि संगठित अपराधियों के विरुद्ध उठाए गए कठोर कदमों की भी पुष्टि करता है। यह फैसला इस बात का संकेत है कि उत्तर प्रदेश अब अपराधियों के लिए सुरक्षित पनाहगाह नहीं, बल्कि कानून का सख्त पालन कराने वाला राज्य बन चुका है। मुख्तार अंसारी, जो कि गाजीपुर जनपद के कस्बा मोहम्मदाबाद का निवासी था, पर हत्या, अपहरण, वसूली, गैंगस्टर एक्ट, एनएसए समेत 65 से अधिक आपराधिक मुकदमे दर्ज थे। वर्ष 1986 से अपराध जगत में सक्रिय मुख्तार ने साधु सिंह गैंग से मिलकर कई बड़े अपराध किए और राजनीति के माध्यम से भी अपनी आपराधिक गतिविधियों को संरक्षण देने की कोशिश की। उसके खिलाफ रूगटा हत्याकांड, जेलर हत्या मामला और कृष्णानंद राय की हत्या जैसे कई सनसनीखेज मामले दर्ज हैं। मुख्तार अंसारी की 28 मार्च 2024 को बांदा जेल में इलाज के दौरान मृत्यु हो गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में राज्य सरकार की स्पष्ट नीति और अभियोजन विभाग की मजबूत पैरवी के चलते अंसारी को अब तक आठ मामलों में सजा दिलाई जा चुकी है। इसमें 5 वर्ष, 5 वर्ष 6 माह, 7 वर्ष, 3 में 10 वर्ष और 2 में आजीवन वर्ष समेत अर्थदंड की सजा दी गई है। उस पर दर्ज 65 अभियोग गाजीपुर, वाराणसी, चंदौली, दिल्ली, सोनभद्र, आगरा, लखनऊ, मऊ, आजमगढ़, पंजाब, बाराबंकी और बांदा में पंजीकृत हैं।

आतंकी हमले के खिलाफ केन्द्र सरकार कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे: अखिलेश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कश्मीर के पहलगाम में पर्यटकों पर आतंकी हमले के खिलाफ केन्द्र सरकार कड़ी से कड़ी कार्रवाई करे। सरकार ठोस कदम उठाये। समाजवादी पार्टी केन्द्र सरकार के साथ है। अखिलेश यादव ने कहा कि पहलगाम में जो पर्यटक शहीद हुए हैं सरकार उनकी मदद करे। हमारी मांग है कि शहीद परिवारों को सरकार दस-दस करोड़ रूपये देकर मदद करे। पीड़ित परिवारों को सरकारी नौकरी दे। घटना में मरने वाले पर्यटकों को सरकार शहीद का दर्जा दे। अखिलेश यादव ने कहा कि पहलगाम में जो घटना हुई है, उसकी कल्पना नहीं की जा सकती है। वहां सुरक्षा में चूक हुई। इंटेलिजेंस फेलियर था। सरकार विश्व में डंका बजने का दावा करती है आखिरकार आतंकी यहां कैसे आ गये। निर्दोष पर्यटकों की जान लेकर वापस चले गये। सरकार अमृतकाल की बात करती है लेकिन पहलगाम में घायलों को डेढ़ घंटे तक इलाज की सुविधा नहीं मिली। अखिलेश यादव ने कहा कि कानपुर और गुजरात के पीड़ित परिवार ने पहलगाम में हुई घटना के बारे में जो बताया है उसे पूरे देश ने देखा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा हमेशा से दलितों के खिलाफ रही हैं। देश में सबसे ज्यादा दलितों के साथ अपराध की घटनाएं उत्तर प्रदेश में हो रही है। सत्ता के समर्थक समाजवादी पार्टी के सांसद रामजी लाल सुमन और हमें जान से मारने की धमकियां दे रहे थे। सड़कों पर टायर फेंक रहे थे। लेकिन हम लोग डरने वाले नहीं है। ये लोग रामजी

ईआरओ व बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिए दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारम्भ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने बुधवार को नई दिल्ली स्थित भारत अंतर्राष्ट्रीय लोकतंत्र एवं निर्वाचन प्रबंधन संस्थान में बिहार के निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारियों और बूथ लेवल अधिकारियों तथा हरियाणा, राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली और उत्तर प्रदेश के ईआरओ और बीएलओ पर्यवेक्षकों के लिए दो दिवसीय क्षमता-निर्माण प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन किया। उत्तर प्रदेश के संयुक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी विनय कुमार पाठक ने बताया कि इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के गाजियाबाद, गौतमबुद्ध नगर, मेरठ, बुलंदशहर, हापुड़ तथा मथुरा जनपद सहित कुल 6 निर्वाचन रजिस्ट्रीकरण अधिकारी ने प्रतिभाग किया। इसी तरह गाजियाबाद के 5, गौतमबुद्ध नगर से 3, मेरठ से 7, बुलंदशहर से 7, हापुड़ से 3 तथा मथुरा से 5 सहित कुल 30 बीएलओ सुपरवाइजर ने प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम आगामी विधान सभा के आम चुनावों के लिए भारत निर्वाचन आयोग की चल रही तैयारियों का हिस्सा है। इस मिश्रित-बैच वाले प्रशिक्षण कार्यक्रम में कुल 369 जमीनी स्तर के चुनाव पदधारी भाग ले रहे हैं। अपने उद्घाटन अभिभाषण में मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री ज्ञानेश कुमार ने कहा कि बूथ लेवल एजेंट के साथ-साथ बीएलओ और ईआरओ सही और अद्यतन निर्वाचक नामावली सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार हैं और उन्हें लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1950, निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण नियम, 1960 और निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर जारी अनुदेशों के अनुसार कड़ाई से काम करना है। इसी महीने के प्रारंभ में, 10 मान्यताप्राप्त राजनीतिक दलों से संबंधित बिहार के लगभग 280 बीएलए को भी आईआईआईडीईएम में प्रशिक्षित किया गया था।

इजरायली तकनीक से सब्जियों का होगा उत्पादन हर जिले में दो हाईटेक नर्सरी की होगी स्थापना

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में योगी सरकार खेती-किसानी को नई ऊंचाइयों पर ले जाना चाहती है। सरकार की योजना प्रदेश में सब्जी उत्पादन को तकनीकी सहायता से सशक्त बनाने की है। इसके लिए इजरायली तकनीक की मदद ली जा रही है। इसके तहत, कौशाम्बी में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर फ्रूट्स और चंदौली में सेंटर ऑफ एक्सीलेंस फॉर वेजीटेबल्स की स्थापना की जा रही है। इसके साथ ही, किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में 150 हाईटेक नर्सरियों का जाल बिछाया जा रहा है, जिससे उन्हें उच्च गुणवत्ता वाले पौधे और आधुनिक तकनीक सुलभ हो सकेगी। प्रदेश के उद्यान, कृषि विपणन, कृषि विदेश व्यापार तथा कृषि निर्यात विभाग के राज्य मंत्री दिनेश प्रताप सिंह ने बताया कि योगी सरकार का लक्ष्य है कि इजरायली तकनीक की मदद से किसानों की आमदनी को दोगुना किया जाए। इसके तहत 26 करोड़ पौध को तैयार करने की योजना बनाई गई है। इन पौध से सब्जियों के उत्पादन में गुणात्मक और मात्रात्मक सुधार आएगा, जिससे बाजार में अच्छी कीमत मिल सकेगी। बता दें कि प्रदेश में 150 हाईटेक नर्सरियों की स्थापना की जा रही है। इन केंद्रों के माध्यम से किसानों को आधुनिक खेती की जानकारी, बीज, पौध और प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। यह पहल प्रदेश के हर जिले में सब्जी उत्पादन को बढ़ावा देगी और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती देगी।

प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम वीडियो कांन्फ्रेंसिंग के माध्यम से निवेशकों को जागरूक करेंगे

लखनऊ। पर्यटन विभाग उत्तर प्रदेश पर्यटन नीति-2022 का लाभ प्रत्येक निवेशकों तक पहुंचाने के लिए हरसंभव उपाय किया जा रहा है। इसके लिए वृहद स्तर पर जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में प्रदेश के प्रत्येक जिले में कैंप लगाया जाएगा, जिसे प्रमुख सचिव पर्यटन एवं संस्कृति मुकेश कुमार मेश्राम वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करेंगे। इस बारे में पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि पर्यटन के क्षेत्र में उत्तर प्रदेश बहुत ही तेजी से विकास करने वाला राज्य है। बीते वर्ष यहां लगभग 65 करोड़ श्रद्धालु पहुंचे थे। अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज सहित अन्य स्थलों पर प्रतिवर्ष श्रद्धालुओं की संख्या में बेतहाशा वृद्धि हो रही है। इसको देखते हुए बड़ी संख्या में पर्यटक सुविधाओं की आवश्यकता है। इसके दृष्टिगत पर्यटन विभाग का प्रयास है कि गंतव्यस्थलों के साथ-साथ एनएच, एसएच सहित अन्य प्रमुख मार्गों के किनारे आधुनिक सुविधाओं से सुसज्जित वे साइड एमिनिटीज जैसे ढाबा, होटल, मोटल में भव्य पर्यटक सुविधाएं उपलब्ध हों, ताकि मार्ग में पड़ने वाली इन इकाइयों में पर्यटक उच्चस्तरीय सुविधाओं का लाभ ले सकें।

ई-नीलामी सूचना (3,860 सीमेंट बैग के वैट क्षतिग्रस्त स्टॉक)

मेसर्स डालमिया सीमेंट भारत लिमिटेड (सर्वेक्षण एब्सोल्यूट आईएस एंड एलए प्राइवेट लिमिटेड द्वारा किया गया) के लगभग 3,860 सीमेंट बैग के क्षतिग्रस्त साल्वेज जल क्षतिग्रस्त स्टॉक के लिए, "जैसा है जहां है" के आधार पर, 'प्रति बैग आधार' पर, इच्छुक खरीदारों से ई-नीलामी फॉर्म आमंत्रित किए जाते हैं। उपर्युक्त सामग्रियों के साल्वेज का निरीक्षण खाता सं. -01589, ग्राम-भैसहा, परगना-हवेली, तहसील चौरी चौरा, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश में श्री नितिन-8810331841 से पूर्व नियुक्ति लेने के बाद 01.05.25 से 05.05.25 के बीच किया जा सकता है। ई-नीलामी 06.05.25 को होगी। ई-नीलामी फॉर्म के लिए सुश्री खुशी से मोबाइल:- 9990857386 पर संपर्क करें।

साल्वर सेटलर्स प्राइवेट लिमिटेड (नीलामीकर्ता) पता:- 203, द्वितीय तल, उषा किरण बिल्डिंग, आजादपुर कमर्शियल कॉम्प्लेक्स, आकाश सिनेमा के पास, दिल्ली-110033

या वेबसाइट: www.salvorsettlers.com से डाउनलोड करें।
ई-नीलामी फॉर्म जमा करने की अंतिम तिथि 06.05.25 दोपहर 12.30 बजे से पहले

वातानुकूलित बसों में लगभग 10 प्रतिशत कम किराया का लाभ उठाएं यात्री: दयाशंकर सिंह

लखनऊ। परिवहन राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) दयाशंकर सिंह ने बताया कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम द्वारा संचालित समस्त वातानुकूलित बसों के किराए में की गई लगभग 10 प्रतिशत की कमी को 30 सितम्बर तक बढ़ा दिया गया है। उन्होंने बताया कि यह कमी परिवहन निगम के लाभ की स्थिति को देखते हुए और यात्रियों को बेहतर सेवाएं मुहैया कराने के लिए की गई है। इससे यात्री कम किराए में वातानुकूलित बसों में सफर का आनंद उठा सकते हैं। परिवहन मंत्री ने बताया कि प्रदेश सरकार का उद्देश्य यात्री सुविधाओं को बढ़ावा देना है। और परिवहन निगम सरकार की इसी मंशा को मजबूती से आगे बढ़ा रही है। उन्होंने बताया कि वातानुकूलित बसों यथा जनरथ, पिंक, शताब्दी हाई एंड बसों (वोल्वो) वातानुकूलित शयनयान में यह छूट प्रदान की गई है। उन्होंने बताया कि वातानुकृत किराया 1.45 प्रति किलोमीटर, 1.60 रुपए प्रति किलोमीटर हाई एंड बसों (वोल्वो) 2.30 रूपए एवं वातानुकूलित शयनयान का किराया 2.10 रुपए होगा।

143 करोड़ की लागत से जर्जर कोर्ट परिसरों व जजों के रिहाइशी भवनों का होगा कायाकल्प

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के जजों के लिए हनीमैन क्रासिंग के समीप 25 भवनों का होगा निर्माण

सरकार प्रदेश में न्यायिक प्रणाली से जुड़े इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर विशेष तौर पर फोकस कर रही है। प्रदेश में विभिन्न जिलों में पुराने-जर्जर कोर्ट परिसरों तथा जजों के रिहाइशी भवनों का भविष्य की जरूरतों के अनुसार कायाकल्प, नवनिर्माण व विकास का कार्य जारी है। इसी क्रम में, इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच के जजों के लिए गोमतीनगर स्थित हनीमैन क्रासिंग से समीप 25 रिहाइशी भवन तथा प्रयागराज में इलाहाबाद हाईकोर्ट के जजों के लिए क्लाइव रोड के प्लॉट नंबर-19 पर 14 बंगलों के निर्माण व विकास की प्रक्रिया जल्द शुरू की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि इस कार्य को पूरा करने के लिए 143 करोड़ रुपए की लागत आएगी तथा 18 महीने की समयावधि में निर्माण व विकास कार्यों को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। इस विषय में नियोजन विभाग के टेक्निकल सेल द्वारा एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार की गई है जिसके आधार पर निर्माण व विकास कार्यों को प्रगति दी जा रही है। योजना के अनुसार, हाईकोर्ट के जजों के लिए लखनऊ,प्रयागराज में बन रहे रिहाइशी भवन भविष्य आधारित आधुनिक सुविधा युक्त होंगे। इनमें जजों के रिहाइशी खंडों के साथ ही गेस्ट हाउस, गार्ड रूम, वॉच टावर व डॉर्मेटरी जैसी सुविधाएं होंगी तथा परिसरों को सीसीटीवी सर्विलांस सिस्टम व सौर ऊर्जा चालित संयंत्र समेत विभिन्न प्रकार की सुविधाओं से लैस किया जाएगा। नियोजन विभाग के टेक्निकल सेल द्वारा तैयार की गई योजना के अनुसार, लखनऊ बेंच के जजों के लिए गोमतीनगर स्थित हनीमैन क्रॉसिंग के समीप 25 रिहाइशी भवन तैयार किए जाएंगे। यह भूतल समेत एक मंजिला परिसर होगा और इसे विभिन्न प्रकार की सुविधाओं से युक्त किया जाएगा। परिसर में इन रिहाइशी भवनों के साथ ही भूतल समेत 2 मंजिला गेस्ट हाउस का निर्माण होगा। साथ ही, 2 डॉर्मेटरी, 3 सिक्योरिटी डॉर्मेटरी, 3 गार्ड रूम, 4 वॉच टावर, पंप रूम, इलेक्ट्रिक सब स्टेशन, डीजी सेट, सीसीटीवी सिस्टम, लिफ्ट, सीसी रोड, पार्किंग, डिवाइडर, ग्रीनरी बेल्ट, सोलर फोटोवोल्टिक पावर प्लांट तथा बाउंड्री वॉल समेत विभिन्न प्रकार की सुविधाओं का निर्माण व विकास होगा।

प्रदेश के सभी मंडलों में स्थापित होगी फूड एंड ड्रग टेस्टिंग लैब

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश में खाद्य सुरक्षा और दवा गुणवत्ता को मजबूत बनाने के लिए एक विशेष पहल की है। जिसके तहत, प्रदेश के सभी 18 मण्डलों में फूड एंड ड्रग लैब स्थापित की जा रही हैं, जिसमें से 12 मण्डलों के मुख्यालयों पर नई लैब बनाई जा रही हैं। इनमें से लखनऊ, कानपुर, सहारनपुर, अयोध्या, अलीगढ़ और गोरखपुर में नई बिल्डिंग का निर्माण कार्य लगभग पूरा हो चुका है, जहां जुलाई माह तक टेस्टिंग का कार्य शुरू हो जाएगा। साथ ही इन लैबों में उच्च तकनीकि क्षमता युक्त टेस्टिंग मशीनें लगाई जा रहीं हैं, जो प्रदेश की फूड और ड्रग सैंपल की टेस्टिंग की गुणवत्ता और क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि लाएगा। सीएम योगी का यह प्रयास दवाओं और खाद्य पदार्थों में होने वाली मिलावट को दूर कर जन स्वास्थ्य की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा।

HDFC BANK
We understand your world

कानूनी प्रकोष्ठ, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, दूसरी मंजिल, एक्सपीरियो बिल्डिंग, विभूति खंड गोमती नगर लखनऊ, उत्तर प्रदेश-226010

परिशिष्ट IV-A [नियम 8(6) के परंतुक देखें]
(अचल संपत्ति की बिक्री हेतु बिक्री सूचना)

प्रतिभूतिहित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) के परन्तुक के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 के अधीन, अचल संपत्ति की बिक्री हेतु बिक्री सूचना

आम जनता को और विशेष रूप से कर्जदार(रों) और गारंटर(रों) को यह नोटिस दिया जाता है कि नीचे वर्णित अचल सम्पत्ति जो प्रतिभूत लेनदार के पास बंधक/प्रभारित है, का भौतिक कब्जा एचडीएफसी बैंक लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा लिया गया है, के कर्जदार (1) **मैसर्स शक्ति इंडस्ट्रीज इसके प्रोपराईटर श्री आनन राज सिंह (उधारकर्ता), (।।) श्री आनन राज सिंह पुत्र श्री घनश्याम सिंह (सह-उधारकर्ता) और (।।।) श्री मुरलीधर सिंह पुत्र स्वर्गीय बृंदा सिंह (सह-उधारकर्ता एवं बंधककर्ता)** से एचडीएफसी बैंक लिमिटेड प्रतिभूत लेनदार की बकाया राशि रु. **10,92,077/-** दिनांक 06.09.2021 तक और साथ में भविष्य का ब्याज एवं लागू प्रभार इत्यादि की वसूली हेतु "जहाँ है, जैसा है और जो कुछ भी है" के आधार पर दिनांक **30.05.2025** को बेचा जाएगा। आरक्षित मूल्य रु. **19,65,600/-** और जमा धरोहर राशि रु **1,96,560/-** होगी।

अचल सम्पत्ति का विवरण

यूनिट नं.ए1/301, टाइप ग्रेट, ब्लॉक नं. ए1 की तीसरी मंजिल पर, सहारा सिटी होम्स, हरदोई बाईपास रोड पर स्थित, लखनऊ के पास, लगभग 74.21 वर्ग मीटर का सुपर एरिया, तहसील बख्शी का तालाब, जिला लखनऊ

बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए, कृपया एचडीएफसी बैंक लिमिटेड, सुरक्षित ऋणदाता की वेबसाइट https://www.hdfcbank.com/personal/resources/Important-notices में दिए गए लिंक को देखें।

दिनांक: 01.05.2025, स्थान: लखनऊ प्राधिकृत अधिकारी, एचडीएफसी बैंक लिमिटेड

सीआईएससीई में चमके शहर के मेधावी टॉप 3 रैंक में 43 छात्र शामिल

- आईएससी में 8 छात्रों के 99.75 प्रतिशत अंक आईसीएसई में 2 छात्रों के 99.60 प्रतिशत अंक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशंस (सीआइएससीई) और इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (आइसीएसई) इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकेंडरी एजुकेशन (आइसीएसई) बोर्ड ने बुधवार को आईएससी (12वीं) और आईसीएसई (10वीं) का परीक्षा परिणाम जारी कर दिया है। जारी परिणाम में शहर के मेधावियों ने जगह बनाते हुए अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है। परिणाम में राजधानी स्थित एक निजी स्कूल के छात्र-छात्राओं ने टॉप रैंक पर जगह बनायी है। इसमें इंटर के आठ विद्यार्थियों ने 99.75 प्रतिशत अंक अर्जित किये। वहीं, दसवीं में के दो छात्रों ने 99.60 प्रतिशत अंक, छह छात्रों ने 99.40 प्रतिशत अंक, 10 छात्रों के 99.20 प्रतिशत अंक और आठ छात्रों के 99 प्रतिशत अंक हासिल किये है।

छात्रों ने अपनी सफलता का श्रेय अपने अभिभावक और स्कूल के शिक्षकों को दिया है। मेधावियों ने डाक्टर, इंजीनियर, आईएएस और आईपीएस बनने की बात कहीं। इसके अलावा राजधानी के अन्य कालेजों सेंट जोजफ कालेज, रानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल कालेज, कैरियर कान्वेंट स्कूल, एसकेडी एकेडमी के छात्र-छात्राओं का भी बेहतर प्रदर्शन रहा। सभी कालेजों का रिजल्ट शत-प्रतिशत रहा। इस दौरान इन कालेजों में भी खुशी माहौल देखने को मिला। मेधावी छात्रों में आईएससी (कक्षा-12) बोर्ड परिणाम में 99.75 प्रतिशत तक अंक अर्जित करने वाले 8 मेधावी छात्रों में वेदिका वत्स, त्वेशा गर्ग, समर्थ द्विवेदी, प्रणव सूरी, आशीष शुक्ला, श्रेया वर्मा, गौरिका लूथरा एवं आरुषी सिंह चौहान शामिल हैं। इसी प्रकार, आईसीएसई (कक्षा-10) की बोर्ड परीक्षा में 99.60 प्रतिशत अंक अर्जित करने वाले छात्रों में आद्या चौहान एवं पलक राय शामिल हैं। आईएससी में 46 छात्रों ने जबकि आईसीएसई में 26 छात्रों ने 99 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किये हैं। इस वर्ष कुल 6856 छात्रों ने आईएससी एवं आईसीएसई बोर्ड में प्रतिभाग किया, जिसमें से 3920 (57.2 प्रतिशत) छात्रों ने 90 प्रतिशत से अधिक जबकि 1555 छात्रों (22.7 प्रतिशत) ने 95 प्रतिशत से अधिक अंक अर्जित किये हैं।

सेंट जोसेफ की जाह्नवी तिवारी को मिली ऑल इंडिया चौथी रैंक

सीतापुर रोड स्थित सेंट जोसेफ कालेज की आईएससी बारहवीं में जाह्नवी तिवारी 99 प्रतिशत अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक चौथीं हासिल कर इतिहास रचा है। वही आकांक्षा सिंह 98.25 प्रतिशत के साथ दूसरे व 98.00 प्रतिशत के साथ शुभी यादव विद्यालय में तीसरे स्थान पर रही। इस बार के परीक्षा परिणामों में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने 95वें प्रतिशत अंक और उससे अधिक अंक प्राप्त कर विद्यालय समूह का नाम रोशन किया। सभी शाखाओं में शत-प्रतिशत परीक्षाफल के साथ आईसीएसई में राजाजीपुरम शाखा की अदिति टंडन ने 97.4 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सेट जोसेफ की टॉपर बनी व बीबी हफसा 97.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर दूसरे स्थान पर रही। इस अवसर पर सेंट जोसेफ समूह की संस्थापक अध्यक्ष पुष्पलता अग्रवाल ने सभी छात्र-छात्राओं, अभिभावकों तथा शिक्षक-क्षिक्षिकाओं को सफलता की हार्दिक शुभकामनायें देते हुए कहा कि जीवन में लक्ष्य की प्राप्ति के लिए चुनौतियों का सामना पड़ता है।

कैरियर कान्वेंट कालेज के छात्र छात्राओं ने भी बनाया रिकार्ड

कैरियर कान्वेंट गर्ल्स कालेज व कैरियर कान्वेंट कालेज के छात्र-छात्राओं ने एक बार फिर आईसीएसई एवं आईएससी परीक्षा में शानदार प्रदर्शन करते हुए विद्यालय की गौरवशाली परंपरा को कायम रखा है। आईसीएसई की तरफ से घोषित दसवीं के परिणाम में काव्या वर्मा को 95 फीसद, इंशा बानो को 93 फीसद, अंशिका सिंह को 92 फीसद, शिफा मरियम को 92 फीसद, आरती कश्यप को 90 फीसद और अमीरा को 89 फीसद अंक मिले हैं। वहीं आईएससी 12वीं के नतीजों में रूमाना इमरान को 95 फीसद, आर्वी श्रीवास्तव को 94 फीसद, तस्वीर वर्मा को 91 फीसद, मारिया सदफ को 90 फीसद, सरोजिनी राना को 88 फीसद, बुशरा को 87 फीसद अंक मिले हैं। वहीं कैरियर कान्वेंट कालेज के आईएससी 12वीं में लोकेश मिश्रा ने 95 फीसद, हर्षवर्धन तिवारी को 95 फीसद, सुवेक्षा पाण्डेय को 92 फीसद, गुरु पवन को 92 फीसद, अरविंद गिरी को 91 फीसद और आईसीएसई दसवीं में बलिना सुहैल को 97 फीसद, अमरा परवेज को 94 फीसद, आर्यन यादव को 94 फीसद, सबा मसूद को 91 फीसद, संस्कार सिंह को 90 फीसद और आरूष राजपूत को 90 फीसद अंक प्राप्त हुए हैं।

आरएलबी के मेधावियों ने लहराया सफलता का परचम

आईएससी व आईसीएसई परीक्षा परिणामों में रानी लक्ष्मीबाई मेमोरियल स्कूल सेक्टर-6 विकास नगर शाखा के मेधावियों ने इस वर्ष भी सफलता का परचम लहराया है। 12वीं की परीक्षा में शामिल हुए विद्यालय के 56 विद्यार्थियों में आठ मेधावियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ सफलता हासिल की। 97.5 प्रतिशत अंक हासिल कर अंश सिंह ने प्रथम, आयुष श्रीवास्तव ने 95.75 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय, आशुतोष पाण्डेय ने 93.25 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय व इशांत गुप्ता ने 92.5 प्रतिशत अंकों के साथ चतुर्थ स्थान हासिल किया। वहीं, 10वीं की परीक्षा में शामिल हुए विद्यालय के 101 विद्यार्थियों में 19 मेधावियों ने 90 प्रतिशत से अधिक अंकों के साथ सफलता हासिल की। 97.4 प्रतिशत अंक हासिल कर आयुष कृष्णा ने प्रथम, अर्पित यादव, देवांश सिंह ने 96.2 प्रतिशत अंकों के साथ द्वितीय, रौनित कुमार ने 96 प्रतिशत अंकों के साथ तृतीय स्थान हासिल किया।

संस्कृत शिक्षा परिषद की 10वीं की परीक्षा में विधांशु और 12वीं में भूमिका ने किया टॉप

- पूर्व मध्यमा में 92.58 फीसद, उत्तर मध्यमा प्रथम में 92.08 फीसद और उत्तर मध्यमा द्वितीय में 87.82 फीसद अभ्यर्थी हुए पास

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद द्वारा वर्ष 2025 की पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा 10), उत्तर मध्यमा प्रथम एवं उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा 12) की परीक्षाओं का परिणाम बुधवार को घोषित कर दिया गया। पूर्व मध्यमा में 92.58 फीसद छात्र सफल रहे, जबकि उत्तर मध्यमा प्रथम के परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 92.08 फीसद रहा। इसी तरह, उत्तर मध्यमा द्वितीय के परीक्षार्थियों का उत्तीर्ण प्रतिशत 87.82 फीसद है।

पूर्व मध्यमा द्वितीय (कक्षा 10) में ज्ञानोदय संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय मऊ के विधांशु शर्मा ने 93.42 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया है। जबकि उत्तर मध्यमा द्वितीय (कक्षा 12) में अंबाजी आश्रम माध्यमिक संस्कृत विद्यालय जौनपुर की भूमिका ने 85.21 प्रतिशत अंकों के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। परीक्षा परिणाम परिषद की आधिकारिक वेबसाइट पर उपलब्ध हैं।

247 परीक्षा केंद्रों पर संपन्न हुई थी परीक्षा

माध्यमिक शिक्षा निदेशालय के निदेशक डॉ महेंद्र देव और माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद के सचिव शिव लाल ने परीक्षाफल की घोषणा की। उन्होंने बताया कि इस वर्ष परीक्षा में 8708 अधिक छात्रों की भागीदारी दर्ज की गई, जो संस्कृत शिक्षा के प्रति बढ़ते रुझान का संकेत है। कुल 1265 संस्कृत माध्यमिक विद्यालयों में से 1075 विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने परीक्षा में हिस्सा लिया। इन परीक्षाओं के लिए 247 परीक्षा केंद्र निर्धारित किए गए थे। पूर्व मध्यमा द्वितीय में कुल 13,574 छात्र प्रथम श्रेणी, 1,330 छात्र द्वितीय श्रेणी में पास हुए। वहीं, उत्तर मध्यमा द्वितीय में 5160 छात्र प्रथम, 4101 छात्र द्वितीय और 287 छात्र तृतीय श्रेणी में पास हुए।

परीक्षाफल एक नजर में

पूर्व मध्यमा द्वितीय

इस परीक्षा में 18,107 परीक्षार्थी सम्मिलित हुए, जिनमें से 14,916 उत्तीर्ण हुए। कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 92.58 फीसद रहा। बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 92.62 फीसद तथा बालिकाओं का 92.45 फीसद रहा।

उत्तर मध्यमा प्रथम

15,645 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए, जिनमें से 13,365 सफल हुए। कुल उत्तीर्ण प्रतिशत 92.08 फीसद रहा। बालकों का उत्तीर्ण प्रतिशत 92.51 फीसद जबकि बालिकाओं का 90.87 फीसद दर्ज किया गया।

उत्तर मध्यमा द्वितीय

11,488 परीक्षार्थियों में से 9,561 सफल हुए। यहां उत्तीर्ण प्रतिशत 87.82 फीसद रहा। बालिकाओं ने 89.50 फीसद सफलता के साथ बालकों (87.18 फीसद) से बेहतर प्रदर्शन किया।

कैंसर संस्थान में पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप की परीक्षा सम्पन्न

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कल्याण सिंह सुपर स्पेशियलिटी कैंसर इंस्टिट्यूट में दो दिवसीय एक वर्षीय पोस्ट डॉक्टोरल फेलोशिप इन ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल ऑन्कोसर्जरी की समापन (एग्जिट) परीक्षा बुधवार को सफलता पूर्वक सम्पन्न हो गई। परीक्षा में थ्योरी और प्रैक्टिकल दोनों खंडों में फेलोज़ की सर्जिकल दक्षता, केस मैनेजमेंट कौशल और अकादमिक ज्ञान का मूल्यांकन किया गया। संस्थान के निदेशक प्रो. एम.एल.बी. भट्ट ने बताया कि ओरल एंड मैक्सिलोफेशियल ऑन्कोसर्जरी एक विशेषीकृत और चुनौतीपूर्ण क्षेत्र है, जहाँ उच्च प्रशिक्षित सर्जनों की आवश्यकता होती है। यह फेलोशिप हमारे देश में सिर और गर्दन के कैंसर के उपचार की दिशा में एक अहम कदम है। संस्थान में निकट भविष्य में कैंसर चिकित्सा से जुड़े कई अन्य सुपर स्पेशियलिटी कोर्स भी शुरू किए जाएंगे। विभागाध्यक्ष डॉ. गौरव सिंह ने बताया कि यह हमारे संस्थान के लिए एक मील का पत्थर है, क्योंकि यह पहला अकादमिक कोर्स है जो पूर्ण हुआ है। परीक्षा परिणाम मई 2025 के प्रथम सप्ताह में घोषित किए जाएंगे।

ड्यूटी नशा करने के आरोप में मऊ के डॉक्टर निलंबित, 14 अन्य पर कार्रवाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

- यूपी के 15 डॉक्टरों पर गिरी कार्रवाई की गाज

ड्यूटी के समय नशा करने व राष्ट्रीय कार्यक्रमों में दिलचस्पी न दिखाने समेत अन्य आरोपों में मऊ स्थित सीएचसी रतनपुरा स्थानान्तरणाधीन सीएचसी मझवारा के अधीक्षक डॉ. भैरव कुमार पाण्डेय को निलंबित कर दिया गया है। इसके अलावा 14 अन्य डॉक्टरों पर भी कार्रवाई की गई है। डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई की गई है।

डॉ. भैरव पांडेय द्वारा कार्यालय समय में नशा करने, राष्ट्रीय कार्यक्रमों में दिलचस्पी न लेने, अधीनस्थ कर्मचारियों व अन्य लोगों से अभद्रता तथा उच्च स्तर से बैठकों में हिस्सा न लेने के मामले को गंभीरता से लिया गया है। जांच के बाद डॉ. भैरव को निलंबित कर दिया गया है। उन्हें आजमगढ़ के अपर निदेशक मंडल कार्यालय से संबद्ध किया गया है। भदोही के ज्ञानपुर स्थित महाराजा चेत सिंह जिला चिकित्सालय में तैनात फिजीशियन डॉ. प्रदीप कुमार यादव के खिलाफ प्राइवेट प्रैक्टिस की शिकायत मिली थी।

मामले में जांच कराई गई और जांच में प्राइवेट प्रैक्टिस के आरोपों की पुष्टि हुई। डॉ. प्रदीप की दो वेतनवृद्धियों स्थायी रूप से रोक दी गई है। परिनिन्दा का दण्ड भी दिया गया है। वहीं, स्वास्थ्य महानिदेशालय में संयुक्त निदेशक डॉ. सुनील वर्मा पर वित्तीय अनियमित्ता के गंभीर आरोप लगे हैं। यह आरोप औरैया में चिकित्साधिकारी रहते हुए लगे हैं। इस संबंध में निदेशक (प्रशासन) को जांच के आदेश दिए गए हैं। साथ ही आरोप पत्र देकर विभागीय कार्यवाही किये जाने के निर्देश प्रमुख सचिव को दिये गये हैं। इसके अलावा पांच अन्य चिकित्साधिकारियों के खिलाफ भी डिप्टी सीएम द्वारा प्रमुख सचिव को विभागीय कार्रवाई के आदेश दिए हैं। इन डॉक्टरों पर रोगियों की चिकित्सा में लापरवाही, अनधिकृत रूप से अनुपस्थिति, अनुशासनहीनता शामिल है। इन चिकित्सकों में कुशीनगर कप्तानगंज सीएचसी के डॉ. रितेश कुमार सिंह, कानपुर नगर स्थित केपीएम नगरीय प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र में तैनात डॉ. दीप्ती गुप्ता, गोरखपुर गोला सीएचसी के डॉ. तनवीर असलम अंसारी, मैनपुरी बरनाहल सीएचसी की दंत शल्यक डॉ. अकांक्षा पनवार व हरदोई कछौना सीएचसी की डॉ. रखशिंदा नाहिद शामिल हैं। डिप्टी सीएम ने दो लापरवाह चिकित्साधिकारियों से स्पष्टीकरण तलब करने के निर्देश दिए गए हैं। इसमें ललितपुर के जखौरा सीएचसी के अधीक्षक डॉ. समीर प्रधान और बुलंदशहर सीएमओ के अधीन डॉ. पूनम सिंह शामिल हैं। बांदा राजकीय मेडिकल कॉलेज के दो डॉक्टरों पर भी कार्रवाई की तलवार लटक रही है।

इसमें सर्जरी विभाग के 2 सहायक आचार्यों डॉ. अनूप कुमार सिंह एवं डॉ. सोमेश त्रिपाठी शामिल हैं। जबकि कुशीनगर स्वशासी मेडिकल कॉलेज में गायनी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. रूचिका सिंह के विरूद्ध विभागीय कार्यवाही किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। उधर, शाहजहांपुर स्वशासी मेडिकल कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य डॉ. अभय कुमार सिन्हा और वर्तमान प्रधानाचार्य डॉ. राजेश कुमार विरुद्ध विभागीय कार्यवाही होगी। इन पर सेवा प्रदाता फर्म से साठगांठ करके अनुचित रूप से लाभ दिये जाने के आरोप हैं।

सचिवालय प्रशासन में स्थानान्तरण नीति ताक पर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सचिवालय प्रशासन में स्थानान्तरण नीति को ताक पर रख दिया गया है। आरोप है कि सचिवालय प्रशासन अनुभाग-1 नियमों का उल्लंघन कर मनचाही पोस्टिंग दी जा रही है। दरअसल, सचिवालय में अनुभाग अधिकारी (लेखा) पद पर पदोन्नति पाए अधिकारी प्रणव कुमार को नियमों की अनदेखी करते हुए उसी अनुभाग में तैनात कर दिया गया। जबकि वे पिछले 6 वर्षों से अधिक समय से उसी अनुभाग—इरला वेतन पर्ची में कार्यरत हैं। वहीं इस पद पर मात्र छह माह पहले तैनात एक अन्य अनुभाग अधिकारी को हटा दिया गया, ताकि प्रणव कुमार की पुन: तैनाती की जा सके। वहीं सूत्रों की मानें तो सचिवालय प्रशासन द्वारा कुछ अधिकारियों को नियमों से परे जाकर विशेष सुविधाएँ दी जा रही हैं। जैसे कार्यालय उपस्थिति से छूट, मनचाही पोस्टिंग और पदोन्नति के बाद भी उसी अनुभाग में बने रहना। इससे अन्य कर्मचारियों में असंतोष फैल रहा है और प्रशासन की कार्यशैली पर सवाल खड़े हो रहे हैं। इस पूरे मामले में जब प्रमुख सचिव, सचिवालय प्रशासन से संपर्क किया गया तो उन्होंने स्वीकार किया कि प्रणव कुमार की उसी अनुभाग में पुन: तैनाती नियमों से इतर हो सकती है, लेकिन इसका उद्देश्य कार्य प्रभावित होने से बचाना था। उन्होंने कहा कि हमारे पास कई कर्मचारियों की शिकायतें आई थीं कि अनुभवी व्यक्ति को हटाने से कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है। इसलिए यह निर्णय कार्य संतुलन बनाए रखने के लिए लिया गया। बता दें कि 16 अप्रैल 2018 को सचिवालय प्रशासन अनुभाग-1 द्वारा जारी शासनादेश में स्पष्ट किया गया था कि समीक्षा अधिकारी और अनुभाग अधिकारी को एक ही अनुभाग में अधिकतम 5 वर्षों तक तैनात किया जा सकता है।

इंडियन इकोनॉमी से जुड़े आंकडों की तलाश अब होगी आसान: डॉ. मंजूषा सेनापति

- आरबीआई डाटा ऐप से यूजर्स इंडियन इकोनामी से जुड़े 11000 से ज्यादा सीरीज के इकोनामिक डाटा देख पाएंगे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

डिजीटलाइजेशन से लोगों के काम करने का जो प्रॉसेस है, वो आसान बना है। रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया ने आरबीआई डाटा ऐप लांच कर डेटा अट्रैक्टिव तरीके से प्रस्तुत किया है। इससे बैंकिंग सिस्टम को समझने और सिस्टम के बीच ट्रांसपेरेंसी को लेकर चीजे ज्यादा क्लियर रहेंगी। जो फ्रॉड होते हैं उनमें भी कमी आएगी। आरबीआई डाटा ऐप का मकसद इंडियन इकोनामी से जुड़े अहम आंकड़ों को इजी और आम लोगों के लिए उपलब्ध कराना है।

उक्त बातें अर्थशास्त्र विभाग, लखनऊ विश्वविद्यालय एवं रर्बन एग्रीप्रेन्योर्स इन्कुयुबेशन फाउन्डेशन (रैफ) द्वारा कौटिल्य हॉल में आयोजित भारतीय अर्थव्यवस्था पर डेटाबेस और भारतीय रिजर्व बैंक के मोबाइल एप्लिकेशन आरबीआई डेटा पर केंद्रित डेटा उपयोगकर्ता कार्यशाला की मुख्य अतिथि भारतीय रिज़र्व बैंक, मुंबई की डेटा प्रबंधन और प्रसार प्रभाग कि निदेशिका डॉ. मंजूषा सेनापति ने कही। उन्होंने आगे कहा कि भारतीय रिजर्व बैंक ने आर्थिक आंकड़ों तक आसान पहुंच के लिए आरबीआई डाटा ऐप लॉन्च किया है। आरबीआई डाटा ऐप भारतीय अर्थव्यवस्था से संबंधित व्यापक आर्थिक और वित्तीय आँकड़े उपयोगकर्ता के अनुकूल और आकर्षक प्रारूप में प्रदान करता है। यह पहल वित्तीय पारदर्शिता को बढ़ाती है और नीति निर्माताओं, शोधकर्ताओं और जनता को 11,000 से अधिक आर्थिक डेटा श्रृंखलाओं तक सहज पहुंच प्रदान करती है। कार्यशाला में विशिष्ट अतिथि भारतीय रिज़र्व बैंक मुंबई के प्रबंधक सृजन हजरा ने मोबाईल, टैब और कंप्यूटर पर ओनलाईन एवं ऑफलाइन डाटा उपयोग की ऑन-हैंड ट्रेनिंग प्रदान करते हुए कहा कि भारतीय अर्थव्यवस्था के सभी महत्वपूर्ण आयामों को शामिल करते हुए सात व्यापक श्रेणियों से डेटा को कवर करता है। इसमें रियलिटी सेक्टर में जीडीपी, औद्योगिक उत्पादन, कृषि, बुनियादी ढांचे और कीमतों पर डेटा शामिल है। वित्तीय सेक्टर में बैंकिंग, सांख्यिकी, मौद्रिक ब्याज दरें शामिल हैं। कार्यशाला की अध्यक्षता करते हुए कला संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो अरविन्द मोहन ने कहा कि आरबीआई का यह इनिसिएटिव निश्चित ही शोध क्षेत्र में सकारात्मक परिवर्तन लायेगी। कार्यशाला के संयोजक एवं अर्थशास्त्र के विभागाध्यक्ष प्रो विनोद सिंह ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय आर्थिक डेटाबेस भारत के आर्थिक डेटा इंफ्रास्ट्रक्चर में एक आधारशिला है, जो शोध और नीति निर्माण के लिए महत्वपूर्ण मैक्रोइकॉनोमिक, वित्तीय और सामाजिक डेटा श्रृंखला का विस्तृत और व्यापक संग्रह प्रदान कर रहा है।

कार्यशाला की प्रस्तावना रखते हुए अर्थशास्त्र विभाग के वरिष्ठ प्रो. एम.के. अग्रवाल ने कहा कि वैश्विक परिवर्तनों के साथ-साथ भारत भी बदल रहा है।

शोध में हो रही गलतियों की छात्रों को मिली जानकारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा संकाय में बुधवार को ब्लूप्रिंट आफ नालेज: डिजाइनिंग इफेक्टिव रिसर्च विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में प्रोफ़ेसर डी. एन. संसनवाल (पूर्व विभागाध्यक्ष एवं अधिष्ठाता, शिक्षा विभाग, देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर) उपस्थित रहें ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष प्रोफ़ेसर दिनेश कुमार ने की। सत्र का प्रारम्भ पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. आकांक्षा सिंह ने वक्ता का स्वागत करते हुए किया, प्रो. किरणलता डंगवाल ने वक्ता का परिचय दिया। डॉ. संसनवाल ने जर्क तकनीकी का इस्तेमाल करते हुए शोधार्थियों के कौतूहल को बढ़ाया एवं शोध में हो रही गलतियों तथा शोध के सही उपागम को बताया। समस्या कथन तथा शोध के विभिन्न सोपानों की व्याख्या करते हुए शोधार्थियों को शोध प्रक्रिया में आने वाली सामान्य गलतियों और उनसे बचने के उपाय बताये। सत्र के अंत में शोधार्थियों ने अपने प्रश्न पूछे और चर्चा में भाग लिया। कार्यक्रम का समापन विभागाध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार द्वारा धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ। विभाग के प्राध्यापक डॉ. देवेंद्र कुमार यादव, प्रो. मुनेश कुमार, डॉ. अर्पणा गोडबोले एवं डॉ. संजय सिंह यादव उपस्थित रहे।

उत्तराधिकारी के अधिकारों को प्रभावित नहीं कर सकता नॉमिनी

हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत मिले अधिकार इंश्योरेंस एक्ट से प्रबल: हाईकोर्ट

विधि संवाददाता। लखनऊ

हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक महत्वपूर्ण निर्णय देते हुए यह स्पष्ट किया है कि इंश्योरेंस एक्ट के तहत पॉलिसी में दर्ज नॉमिनी हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम के तहत कानूनी उत्तराधिकारी के अधिकार को प्रभावित नहीं कर सकता। पीठ ने कहा है कि ऐसे मामलों में हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम के प्राविधान इंश्योरेंस एक्ट पर प्रबल होंगे।

जस्टिस पंकज भाटिया की एकल पीठ ने यह आदेश कुसुम की याचिका को खारिज करते हुए दिया है। इनका कहना था कि उसने अपनी बेटी रंजीता के नाम से 15 जीवन बीमा पॉलिसी ले रखी थी। बाद में उसकी शादी हो गई और दुर्भाग्य से एक सितंबर 2021 को उसकी मौत हो गई। पीठ ने पाया कि मृत्यु के समय रंजीता की बेटी 11 माह की थी। कुसुम का कहना था कि पॉलिसी में वह नॉमिनी थी लेकिन उसके दामाद ने अपने व उसकी नातिन की ओर से सिविल वाद दाखिल करते हुए पॉलिसीज पर उत्तराधिकार का दावा किया। बाद में मामला लोक अदालत में चला गया और दामाद व मृतका की पुत्री के पक्ष में मामले को निस्तारित कर दिया गया। इसके विरुद्ध उसने पुनरीक्षण प्रार्थना पत्र दाखिल किया। लेकिन पुनरीक्षण अदालत ने उक्त बीमा पॉलिसियों की रकम को उसकी मृतका की पुत्री के नाम से उसके 18 वर्ष का होने तक के लिए फिक्स डिपॉजिट करने का आदेश दिया। कुसुम ने इस आदेश को चुनौती देते हुए कहा था कि उक्त पॉलिसियों में नॉमिनी होने के कारण इंश्योरेंस एक्ट के प्राविधानों के तहत रकम का अधिकार उसे मिलना चाहिए। एकल पीठ ने इस तर्क को अस्वीकार करते हुए कहा कि नॉमिनी पॉलिसी से प्राप्त रकम का स्वामी नहीं होता। ऐसे विवाद की स्थिति में हिन्दू उत्तराधिकार अधिनियम के प्राविधान इंश्योरेंस एक्ट पर प्रबल होंगे।

रॉबर्ट वाड्रा के खिलाफ एसआईटी गठित कर जांच कराने की मांग, याचिका पर सुनवाई दो मई को

विधि संवाददाता। लखनऊ

पहलगाम की आतंकी घटना के बाद कांग्रेस नेता रॉबर्ट वाड्रा द्वारा दिए गए कथित विवादास्पद बयान के खिलाफ हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ में एक याचिका दाखिल की गई है। याचिका में केंद्र सरकार को निर्देश देने की मांग की गई है कि वह इस मामले में एसआईटी बनाकर रॉबर्ट वाड्रा द्वारा दिए गए उस बयान की जांच कराए जो उन्होंने पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद दिया था। यह याचिका हिन्दू फ्रंट फॉर जस्टिस व अन्य की ओर से दाखिल की गई है। बुधवार को जस्टिस राजन रॉय एवम जस्टिस ओम प्रकाश शुक्ल की पीठ के समक्ष याचिका सुनवाई के लिए सूचीबद्ध थी लेकिन समयाभाव के चलते सुनवाई नहीं हो सकी। अब इस याचिका पर शुक्रवार को सुनवाई होगी। याचिका में यह भी मांग की गई है कि भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न प्राविधानों के तहत भी वाड्रा पर कार्यवाही का आदेश दिया जाए।

बीबीएयू और गोमती टास्क फोर्स के मध्य हुआ एमओयू

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय में बुधवार को विवि और गोमती टास्क फोर्स के मध्य गोमती नदी के कायाकल्प को सकारात्मक दिशा में बदलने हेतु समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये गये। इस अवसर पर विवि कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल, पर्यावरण विज्ञान विभाग के प्रो. वेंकटेश दत्ता एवं गोमती टास्क फोर्स कंपनी के कमांडर मेजर के.एस. नागी मौजूद रहे।

कुलपति प्रो. राज कुमार मित्तल ने इस पहल की सराहना और पारिस्थितिक बहाली के लिए विश्वविद्यालय की अटूट प्रतिबद्धता पर जोर देते हुए कहा कि यह साझेदारी एक साफ, स्वस्थ गोमती के लिए हमारी साझा दृष्टि को दर्शाती है। यह सर्वेक्षण तो केवल शुरुआत है जबकि हमारा उद्देश्य संयुक्त अनुसंधान का विस्तार करना, नागरिक एजेंसियों के बीच क्षमता का निर्माण करना है और गोमती टास्क फोर्स के साथ एक औपचारिक ज्ञापन (एमओयू) के माध्यम से संस्थागत सहयोग को सुनिश्चित करना है। मेजर के.एस. नागी ने सार्वजनिक समझौते में टास्क फोर्स की सक्रिय भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हम संधारणीय अभ्यास के बारे में जागरूकता बढ़ाने, प्लास्टिक के उपयोग को हतोत्साहित करने और नागरिकों के बीच शून्य कचरे की संस्कृति को प्रेरित करने के लिए नदी के प्रमुख हिस्सों के साथ सूचनात्मक साइनेज स्थापित करने की दिशा में कार्य करने का प्रयास करेंगे।

सिसोदिया-सत्येंद्र के खिलाफ भ्रष्टाचार का मामला दर्ज

- एसीबी कक्षाओं के निर्माण में हुए अनियमितता को लेकर करेगी जांच
- जांच एजेंसी ने घोटाले की राशि 2000 करोड़ आंकी है

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली सरकार की भ्रष्टाचार निरोधक शाखा (एसीबी) ने बुधवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व पीडब्ल्यूडी मंत्री सत्येंद्र जैन के खिलाफ कक्षाओं के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर प्राथमिकी दर्ज की। एसीबी के अनुसार, कथित घोटाला, जिसकी राशि करीब 2,000 करोड़ रुपये आंकी गई है, 12,748 कक्षाओं और संबंधित इमारतों के निर्माण से संबंधित है और इसमें अत्यधिक बढ़ी हुई दरों पर ठेके दिए गए थे, जिसमें कथित तौर पर सरकारी स्कूलों में प्रत्येक कक्षा का निर्माण 24.86 लाख रुपये में किया गया था, जो आप सरकार के कार्यकाल के दौरान सामान्य लागत से लगभग पांच गुना अधिक है।

वर्तमान में आप के दोनों नेता फिलहाल अलग-अलग मामलों में जमानत पर हैं। सिसोदिया पर 2021-22 की दिल्ली आबकारी नीति में कथित अनियमितताओं से संबंधित एक मामले में और जैन पर मनी लॉन्ड्रिंग के एक मामले में मामला दर्ज किया गया है। भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17-ए के तहत सक्षम प्राधिकारी से आवश्यक मंजूरी मिलने के बाद एसीबी ने मामला दर्ज किया। यह परियोजना कथित तौर पर आम आदमी पार्टी से जुड़े ठेकेदारों को दी गई थी, जब सिसोदिया शिक्षा मंत्री और जैन पीडब्ल्यूडी मंत्री थे।

एसीबी अधिकारियों के अनुसार, इस परियोजना में राष्ट्रीय राजधानी में लगभग 12,748 कक्षाओं और स्कूल भवनों का निर्माण शामिल था, जिसमें महत्वपूर्ण वित्तीय अनियमितताएं, विचलन और लागत में वृद्धि देखी गई। इस परियोजना को शुरू में इस शर्त के साथ स्वीकृत लागत पर मंजूरी दी गई थी कि इसे जून 2016 तक पूरा किया जाएगा और भविष्य में इसमें वृद्धि की कोई गुंजाइश नहीं होगी। हालांकि, भ्रष्टाचार विरोधी निकाय ने बयान में आरोप लगाया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर एक भी काम पूरा नहीं हुआ।

भाजपा नेताओं हरीश खुराना, कपिल मिश्रा और नीलकंठ बख्शी से कथित घोटाले के बारे में शिकायतें प्राप्त हुई थीं। यह आरोप लगाया गया कि परियोजना पर कुल व्यय 2,892 करोड़ रुपये था, जिससे प्रति कक्षा लागत 24.86 लाख रुपये हो गई, जबकि मानक मानदंडों के तहत प्रति कमरा अनुमानित लागत 5 लाख रुपये थी। जांच से पता चला कि परियोजना 34 ठेकेदारों को दी गई थी, जिनमें से अधिकांश कथित तौर पर आप से जुड़े हुए हैं।

निर्माण में अर्ध-स्थायी संरचनाएं (एसपीएस) शामिल थीं, जिनकी अपेक्षित आयु 30 वर्ष थी, फिर भी लागत प्रबलित सीमेंट कंक्रीट (आरसीसी) संरचनाओं के बराबर थी, जो आमतौर पर 75 वर्ष तक चलती हैं। बयान में कहा गया है, अधिकारियों ने पाया कि एसपीएस निर्माण को अपनाने से कोई वित्तीय लाभ नहीं हुआ।

एसीबी ने आगे दावा किया कि परियोजना के लिए सलाहकार और वास्तुकार को उचित प्रक्रिया का पालन किए बिना नियुक्त किया गया था। केंद्रीय सतर्कता आयोग (सीवीसी) के मुख्य तकनीकी परीक्षक (सीटीई) ने अपनी रिपोर्ट में विभिन्न खंडों के गंभीर उल्लंघन को उठाया था, जिसमें सीपीडब्ल्यूडी वर्क्स मैनुअल 2014, जीएफआर 2017 और सीवीसी दिशानिर्देशों का घोर उल्लंघन उजागर हुआ था। हालांकि, इसमें आगे कहा गया कि रिपोर्ट को कथित तौर पर करीब तीन साल तक दबा कर रखा गया था।

एसीबी के अनुसार, सीटीई रिपोर्ट में पाया गया कि एसपीएस कक्षाओं की वास्तविक लागत अधिक विस्तृत विनिर्देशों को अपनाने के कारण स्थायी संरचनाओं के लगभग बराबर थी।

एसपीएस कक्षाओं के लिए प्रति वर्ग फुट लागत 2,292 रुपये आंकी गई थी, जबकि पक्के मॉडल स्कूलों के लिए यह 2,044-2,416 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। इसने एसपीएस के उपयोग से अपेक्षित किसी भी वित्तीय लाभ को नकार दिया। प्रारंभिक निविदा राशि 860.63 करोड़ रुपये थी, जो बाद में 17 प्रतिशत बढ़कर 90 प्रतिशत हो गई, जो 326.25 करोड़ रुपये हो गई।

भ्रष्टाचार निरोधक निकाय ने कहा कि इसमें से 205.45 करोड़ रुपये सीधे तौर पर अधिक विस्तृत विनिर्देशों के कारण थे, जो मूल निविदा मूल्य का लगभग 24 प्रतिशत था। सीवीसी दिशानिर्देशों के विपरीत, इन परिवर्तनों को दर्शाने के लिए कोई नई निविदा आमंत्रित नहीं की गई। पांच स्कूलों में 42.5 करोड़ रुपये का काम हुआ बयान में कहा गया है कि बिना उचित निविदाओं के मौजूदा अनुबंधों का उपयोग करके इसे अंजाम दिया गया। बयान में कहा गया है कि पूरी साजिश का पता लगाने और आप नेताओं, अज्ञात सरकारी अधिकारियों और ठेकेदारों की भूमिका और दोष तय करने के लिए एक व्यापक जांच शुरू की गई है।

आप पर दबाव बनाने की चाल: ढांडा

- बोले, भाजपा सरकार को आप पर आरोप लगाने के अलावा कोई काम नहीं

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (आप) ने बुधवार को कहा कि पार्टी नेताओं मनीष सिसोदिया और सत्एंद्र जैन को पंजाब पार्टी इकाई का प्रभारी और सह-प्रभारी नियुक्त किए जाने के मद्देनजर उन पर दबाव बनाने और डराने के लिए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने उनके खिलाफ मामला दर्ज किया है।

दिल्ली सरकार की एसीबी ने सरकारी स्कूलों के निर्माण में कथित भ्रष्टाचार को लेकर पूर्व उपमुख्यमंत्री और शिक्षा मंत्री सिसोदिया तथा पूर्व लोक निर्माण (पीडब्ल्यूडी) मंत्री जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एसीबी ने एक बयान में कहा कि यह घोटाला करीब 2,000 करोड़ रुपए का है और इसमें अत्यधिक बढ़ी हुई दरों पर ठेके दिए गए, जिनमें प्रत्येक कक्षा का निर्माण कथित तौर पर 24.86 लाख रुपए में किया गया, जो सामान्य लागत से लगभग पांच गुना अधिक है। इस घटनाक्रम पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कहा कि आप की पिछली सरकार के तहत दिल्ली में स्कूलों के निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ था। आप के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी अनुराग ढांडा ने संवाददाता सम्मेलन में आरोपों को खारिज कर दिया और कहा कि यह मामला सिसोदिया और जैन पर दबाव डालने और उन्हें डराने के लिए एक राजनीतिक कदम के तहत दर्ज किया गया है। ढांडा ने कहा, जिस तरह से सिसोदिया और अन्य नेताओं के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं, मुझे लगता है कि जल्द ही उनके खिलाफ मंत्री की कुर्सी पर कब्जा करने, दस्तावेज में अल्पविराम या पूर्ण विराम लगाना भूल जाने के मामले भी दर्ज किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के पास कोई काम नहीं है और हर मामले में वह आप नेताओं के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा देती है। ढांडा ने कहा, यह महज संयोग नहीं हो सकता कि इससे पहले पार्टी नेता दुर्गेश पाठक के खिलाफ मामला तब दर्ज किया गया था जब वह गुजरात के सह-प्रभारी बने थे। अब, सिसोदिया और सत्येंद्र जैन के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है जो आप की पंजाब इकाई के क्रमश: प्रभारी और सह-प्रभारी हैं।

इससे पहले मार्च में आप ने अपनी पंजाब इकाई का सिसोदिया को प्रभारी और पूर्व मंत्री जैन को सह-प्रभारी नियुक्त किया था। ढांडा ने कहा, भाजपा को यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिए कि आप नेता ईडी और सीबीआई जैसी उनकी एजेंसियों या ऐसी खोखली धमकियों से नहीं डरते।

केजरीवाल की भूमिका की भी जांच हो: सचदेवा

- बोले, विकास के नाम पर हुआ धोखा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा के अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने कहा है की निवर्तमान सरकार के भ्रष्टाचार के विरुद्ध दिल्ली वालों की लड़ाई में निर्णायक दिन है जब भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने शिक्षा एवं शिक्षा इन्फ्रास्ट्रक्चर सुधार के नाम पर क्लास रूम निर्माण में घोटाला करने के दोषी तत्कालीन मंत्रियों मनीष सिसोदिया एवं सत्येंद्र जैन पर पुलिस प्राथमिकी दर्ज कर जांच प्रारम्भ कर दी है। उन्होंने इस ममाले में केजरीवाल की भूमिका की जांच की मांग की। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की 2015-16 में केजरीवाल सरकार ने स्कूलों में 12748 क्लास रूम बनाने के लिए रुपये 2892 करोड़ का बजट आवंटन कर डाला। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष ने कहा है की हम आशा करते हैं अब शीघ्र मनीष सिसोदिया एवं सत्येंद्र जैन की भूमिका साफ होकर इनकी गिरफ्तारी होगी।

दिल्ली की जनता एवं भाजपा चाहते हैं कि भ्रष्टाचार निरोधक शाखा क्लास रूम घोटाले में मनीष सिसोदिया एवं सत्येंद्र जैन की भूमिका के साथ ही मुख्य मंत्री होने के नाते अरविंद केजरीवाल की भूमिका को भी जांचे।

कांग्रेस ने किया था घोटाला उजागर : देवेंद्र यादव

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष देवेन्द्र यादव ने बुधवार को कहा कि शराब घोटाले की तरह स्कूलों के क्लास रुम घोटाले को उजागर भी कांग्रेस पार्टी ने किया था। उन्होंने कहा कि आप सरकार द्वारा स्कूलों की बिल्डिंग और 12748 क्लास रुम के निर्माण में 2000 करोड़ रुपये के घोटाले के आरोप में भ्रष्टाचार निरोधक शाखा ने पूर्व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व पीडब्लूडी मंत्री सत्येन्द्र जैन के खिलाफ जांच करने के लिए एफआईआर दर्ज की है जिससे साबित हो गया है कि भ्रष्टाचार कभी न कभी उजागर होता है और न्याय अपना काम करता है। देवेन्द्र यादव ने कहा कि हम उम्मीद करते हैं कि भ्रष्टाचार अपराध शाखा (एसीबी) इस मामले में निष्पक्ष जांच करके जिन लोगों ने भ्रष्टाचार किया है उनको सजा दिलवाए ताकि दिल्ली की जनता तक यह संदेश जाए कि जो भ्रष्टाचार करेगा वो जेल जाएगा।

सीएम ने जल वितरण प्रणाली को जांचा

- रेखा गुप्ता और मंत्री प्रवेश वर्मा ने यमुना सफाई एक्शन प्लान की समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जल वितरण प्रणाली की जानकारी लेती मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता।

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बुधवार को दिल्ली जल बोर्ड के मुख्यालय में विभाग के कार्यप्रणाली और यमुना सफाई से संबंधित एक्शन प्लान को लेकर समीक्षा बैठक की।

बैठक में मुख्यमंत्री ने विभाग की कार्यप्रणाली, जल आपूर्ति एवं सीवरेज सिस्टम को लेकर कई अहम निर्देश दिए गए और विभाग द्वारा टैंकर प्रबंधन, शिकायत निवारण प्रणाली और डिजिटल मॉनिटरिंग व्यवस्था की गहन समीक्षा की गई। इस अवसर पर दिल्ली के कैबिनेट मंत्री प्रवेश साहिब सिंह भी मौजूद रहे।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने बताया कि गर्मी के मौसम में दिल्ली के सामने सबसे बड़ी चुनौती जल आपूर्ति की होती है। इसके साथ ही, राजधानी में सीवर व्यवस्था को दुरुस्त करना और यमुना सफाई—ये तीनों विषय भी एक-दूसरे से जुड़े हुए मुद्दे हैं। इन्हीं मुद्दों के समाधान को लेकर आज हमने डीजेबी के मुख्यालय में जलापूर्ति व्यवस्था, टैंकर संचालन और सीवर नेटवर्क की व्यापक समीक्षा की। उन्होंने बताया कि इस समीक्षा में टैंकर जलापूर्ति के लिए लागू की गई जीपीएस आधारित प्रणाली की कार्यप्रणाली को विस्तार से समझा गया। समीक्षा के बाद मुख्यमंत्री ने एसटीपी की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता अनिवार्य करने के लिए सीवर ट्रीटमेंट प्लांट्स (एसटीपी) की कार्यप्रणाली की सटीक रिपोर्ट प्रस्तुत करने और उसकी थर्ड पार्टी ऑडिट कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि एसटीपी की गुणवत्ता और कार्यकुशलता पर कोई समझौता नहीं किया जाएगा। इसी के तहत दिल्ली जल बोर्ड की कार्यप्रणाली में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित की जाएगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली के कई क्षेत्रों में आज भी सालों साल पुरानी जल और सीवर लाइनें उपयोग में हैं। सीएम ने कहा, राजधानी दिल्ली अब जर्जर बुनियादी ढांचों के भरोसे नहीं चल सकती और यही वजह है कि बार-बार जल संकट और सीवर जाम जैसी समस्याएं उत्पन्न होती हैं। उन्होंने बताया कि आज की समीक्षा बैठक में यह विस्तार से आकलन किया गया कि किन-किन इलाकों में पाइपलाइन और सीवर नेटवर्क को प्राथमिकता के आधार पर बदलने की जरूरत है। अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि फेज़-वाइज़ प्लानिंग के तहत इन सभी पुरानी लाइनों को आधुनिक तकनीक के साथ बदला जाए।

मुख्यमंत्री ने जानकारी दी कि दिल्ली में अब तक 1226 अनाधिकृत कॉलोनियों में सीवर लाइनों का निर्माण कार्य सफलतापूर्वक पूरा किया जा चुका है, जबकि 154 अनाधिकृत कॉलोनियों में सीवर का कार्य वर्तमान में प्रगति पर हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2028 तक राजधानी की सभी अनाधिकृत कॉलोनियों को सीवर नेटवर्क से जोड़ दिया जाए।

पहलगाम हमले का पाक को दें मुंहतोड़ जवाब : भारद्वाज

नई दिल्ली। पहलगाम आतंकी हमले के बाद से पूरा देश भारत सरकार और भारतीय सेना के साथ खड़ा है और सभी लोग यह चाहते हैं कि पहलगाम हमले का सरकार पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दिया जाए।

यह मांग आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष सौरभ भारद्वाज ने पार्टी पर आयोजित प्रेसवार्ता में यह मांग की। भारद्वाज ने कहा कि पूरा देश भारत सरकार व सेना के साथ है। उन्होंन कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री से मांग कर रहा है कि अब भारत सरकार पाकिस्तान से पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) को वापस लें। हमें अपनी भारतीय सेना के पराक्रम पर पूरा भरोसा है।

पुलिस हिरासत में युवक ने वाहन से लगाई छलांग, मौत

- परिजन ने किया सड़क जाम कर किया हंगामा, पुलिस पर मरने का लगाया आरोप

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली के दक्षिण-पश्चिम में वसंत कुंज उत्तर क्षेत्र में मंगलवार को चलती पुलिस गाड़ी से कथित रूप से कूदने के बाद हिरासत में लिए गए एक युवक की मौत हो गई तथा एक अन्य घायल हो गया।

पीड़ितों के परिजनों ने समालखा-कापसहेड़ा मार्ग को जाम कर दिया और पुलिस पर पथराव किया। उन्होंने हिरासत में मौत का आरोप लगाया। पुलिस ने कानूनी कार्यवाही शुरू कर दी है और युवक की मौत की न्यायिक जांच चल रही है।

दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने बुधवार को बताया कि दक्षिण-पश्चिम हिस्से के वसंत कुंज उत्तर क्षेत्र में पुलिस के चलते हुए वाहन से कथित तौर पर कूदने के कारण एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक अन्य घायल हो गया। पुलिस ने इन युवकों को हिरासत में लिया था। पीड़ितों के परिजनों ने हिरासत में मौत का आरोप लगाते हुए समालखा-कापसहेड़ा मार्ग को पूरी तरह से बाधित कर दिया और पुलिस पर पथराव किया। पुलिस की ओर से जारी किए गए बयान के अनुसार, यह घटना वसंत कुंज उत्तर थाने के पास उस समय हुई जब मंगलवार को हथियार और वाहन चोरी के एक मामले में गिरफ्तारी के बाद दोनों आरोपियों को हवालात ले जाया जा रहा था। पुलिस ने बताया कि अपराह्न करीब तीन बजे हेड कांस्टेबल बलबीर सिंह और कांस्टेबल नितेश यहां मोटरसाइकिल पर सवार होकर नियमित गश्त कर रहे थे, तभी उन्होंने एक मोटरसाइकिल पर सवार दो व्यक्तियों की संदिग्ध गतिविधियां देखी। दक्षिण-पश्चिम के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सुरेंद्र चौधरी ने बताया, जब उन्हें रुकने का इशारा किया गया तो दोनों ने भागने का प्रयास किया, लेकिन कुछ देर पीछा करने के बाद उन्हें पकड़ लिया गया। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान विकास उर्फ मजनू (28) और रवि साहनी उर्फ रवि कालिया (19) के रूप में हुई। दोनों दिल्ली के समालखा निवासी हैं।

डीसीपी ने कहा, विकास के पास से एक देसी पिस्तौल और एक कारतूस बरामद किया गया।कापसहेड़ा थाने में मामला दर्ज करने के बाद दोनों आरोपियों की मेडिकल जांच करवाई और उन्हें सरकारी वाहन से वसंत कुंज नॉर्थ हवालात ले जाया गया। इस बीच जब वाहन थाने के पास मोड़ा गया तो दोनों आरोपी भागने के प्रयास में धीमी गति से चल रही वैन से कूद गए।

किशोर ने बहन के साथी पर चाकू से किया हमला

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में अपने साथियों के साथ मिलकर एक किशोर ने 25 वर्षीय एक व्यक्ति के पेट में कथित रूप से चाकू घोंप दिया। आरोपी की बहन के साथ पीड़ित के कथित तौर पर संबंध थे।

घटना मंगलवार शाम करीब चार बजे उस समय हुई, जब तीन नाबालिगों ने समयपुर बादली इलाके में लविश की दुकान पर आकर उसपर हमला कर दिया। सीसीटीवी फुटेज भी ऑनलाइन सामने आया है। पुलिस ने बताया कि दिल्ली के राणा पार्क निवासी लविश को तुरंत बीएसए अस्पताल ले जाया गया। वह बदरपुर में एक बिल्डर के दफ्तर में काम करता है। पुलिस ने बताया कि प्रारंभिक जांच से पता चला है कि लविश के एक युवती के साथ संबंध थे। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, शालीमार बाग स्थित ब्लड बैंक सेंटर में काम करने वाली लड़की के दो भाई हैं, जो उसके रिश्ते का विरोध कर रहे थे। कुछ महीने पहले उसके बड़े भाई ने लविश को उससे दूर रहने की चेतावनी दी थी। पुलिस के अनुसार, मंगलवार को पीतमपुरा में 10वीं कक्षा का छात्र उस महिला का छोटा भाई अपने नाबालिग साथियों के साथ लविश की दुकान पर पहुंचा और उस पर चाकू से कई बार हमला कर दिया।

डीडीए खेल परिसरों में दिव्यांग बच्चों के समय आरक्षित हो : विजेंद्र गुप्ता

- विधानसभा अध्यक्ष ने उपराज्यपाल को पत्र लिखकर किया आग्रह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेन्द्र गुप्ता ने उपराज्यपाल वीके सक्सेना को पत्र लिखकर डीडीए के सभी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (खेल परिसरों) में दिव्यांग बच्चों और युवाओं के प्रशिक्षण के लिए विशेष समय आरक्षित करने का आग्रह किया। विधानसभा सचिवालय की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि गुप्ता ने उपराज्यपाल से दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) द्वारा संचालित सभी खेल परिसरों में ऐसे बच्चों और युवाओं के लिए सुविधाएं शुरू करने का भी अनुरोध किया है।

विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि समावेशी बुनियादी ढांचा न होने के कारण न केवल दिव्यांग बच्चों की क्षमता सीमित होती है, बल्कि खेलों में उनकी सक्रिय भागीदारी भी हतोत्साहित होती है। डीडीए खेल परिसरों के उच्च मानकों और व्यापक पहुंच को देखते हुए, उन्होंने कहा कि ये सुविधाएं समावेशिता की दिशा में बदलाव लाने के लिए आदर्श स्थिति में हैं।

गुप्ता ने भारत सरकार द्वारा स्पेशल ओलंपिक्स भारत के माध्यम से बौद्धिक नि:शक्तत वाले बच्चों और युवाओं के सशक्तिकरण की प्रतिबद्धता का उल्लेख करते हुए दिल्ली में समावेशी खेल ढांचे की आवश्यकता पर बल दिया। इस उद्देश्य को साकार करने के लिए गुप्ता ने प्रस्ताव दिया है कि डीडीए के सभी खेल परिसरों में दिव्यांग के लिए विशेष समय स्लॉट आरक्षित किए जाएं।

अक्षय तृतीया पर 21,000 शादियां, 1,000 करोड़ का कारोबार

- सोने चांदी में भारी तेजी की वजह से लाइट वेट जूलरी की बढ़ी डिमांड

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

अक्षय तृतीया के शुभ मुहूर्त पर दिल्ली में करीब 21,000 शादियां होने से शादी-विवाह से जुड़ा कारोबार एक दिन में ही1,000 करोड़ रुपए से अधिक होने की उम्मीद है। अक्षय तृतीया वैशाख महीने के शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाई जाती है, जो इस साल बुधवार को पड़ रही है।

उद्योग मंडल चैंबर ऑफ ट्रेड एंड इंडस्ट्री (सीटीआई) का कहना है कि अक्षय तृतीया के शादियों के लिए बेहद व्यस्त दिन होने से दिल्ली और आसपास के तमाम बैंक्वेट हॉल, होटल, कैटरर, सैलून, साज-सज्जा से जुड़े लोग, इवेंट मैनेजर और ऑर्केस्ट्रा सहित तमाम लोगों को फायदा होगा। सीटीआई ने अनुमान लगाया है कि बुधवार को दिल्ली में शादी-ब्याह से जुड़ा कुल कारोबार 1,000 करोड़ रुपए से अधिक हो सकता है। सीटीआई के चेयरमैन बृजेश गोयल ने कहा, अधिक मांग रहने से इस दिन बैंक्वेट हॉल और होटलों के किराए में ही 10-15 प्रतिशत की वृद्धि देखी गई है। सीटीआई के महासचिव और स्वर्ण व्यापारी गुरमीत अरोड़ा ने कहा कि अकेले सोने और चांदी में ही लगभग 200 करोड़ रुपए का कारोबार होने की उम्मीद है। हालांकि, सोने की कीमतें रिकॉर्ड ऊंचाई पर होने के कारण खरीदार हल्के वजन के आभूषणों में अधिक रुचि दिखा रहे हैं। अरोड़ा ने कहा, सोने की कीमत में काफी वृद्धि हुई है। पिछले साल अक्षय तृतीया पर 73,500 रुपए की तुलना में इस समय 10 ग्राम सोने की कीमत लगभग 97,000 रुपए है। इसकी वजह से व्यापारी ग्राहकों की मांग को पूरा करने के लिए छोटे, हल्के सोने और हीरे के आभूषणों पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। परिवार आम तौर पर शादी के बजट का लगभग 10 प्रतिशत कपड़ों पर, 15 प्रतिशत आभूषणों पर और पांच-पांच प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक्स, मिठाइयों और सूखे मेवों पर खर्च करता है। सीटीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक गर्ग ने कहा कि शादियों के दौरान उपहार में दी जाने वाली वस्तुओं पर लगभग चार प्रतिशत खर्च होता है। इसके अलावा परिवहन, फोटोग्राफी और संगीत से संबंधित सेवाओं पर भी कुल मिलाकर लगभग 15 प्रतिशत खर्च होता है। सीटीआई के वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक गर्ग और उपाध्यक्ष राहुल अदलखा, राजेश खन्ना के अनुसार, शादी के खर्च को सामान और सेवाओं के बीच विभाजित किया जाता है जिसमें मुख्य रूप से वस्त्र, साड़ियाँ, लहंगे, और अन्य परिधान पर 10 फीसदी, आभूषण 15 फीसदी, इलेक्ट्रॉनिक्स, बिजली उपकरण, और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 5 फीसदी, सूखे मेवे, मिठाइयाँ, और स्नैक्स 5 फीसदी, किराना और सब्जियाँ 5 फीसदी, उपहार आइटम्स 4 फीसदी तथा अन्य वस्तुओं पर 6 फीसदी का अमूमन खर्च होता है, दूसरी ओर शादियाँ सेवा क्षेत्र में बैंक्वेट हॉल, होटल, और शादी के स्थल 5 फीसदी, इवेंट मैनेजमेंट 3 फीसदी, टेंट सजावट 10 फीसदी, केटरिंग एवं सेवाएँ 10 फीसदी, फूल सजावट 4 फीसदी और साउंड 3 फीसदी तथा अन्य सेवाएं 7 फीसदी के खर्च के अंदाज़ से संपन्न होती हैं ।

नगर निगम के पार्कों की समस्याओं पर महापौर की बैठक

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम के पार्कों की बेहतर देखरेख और सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से, महापौर राजा इकबाल सिंह ने बुधवार को उप-महापौर एवं वरिष्ठ पार्षदों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में निगम के विभिन्न पार्कों से जुड़ी गंभीर समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई।

इस बैठक में प्रमुख रूप से टूटी हुई चारदीवारी, जर्जर वाक वे, अपर्याप्त प्रकाश व्यवस्था, सूखे पत्तों का ढेर, माली की कमी, वन विभाग से छंटाई की अनुमति में देरी तथा पानी के पंपों की खराब स्थिति जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। महापौर राजा इकबाल सिंह ने कहा, पार्कों का रखरखाव जनहित का विषय है और हम इन समस्याओं का शीघ्र समाधान सुनिश्चित करेंगे।

डीडीए ने यमुना बाढ़ क्षेत्र से 24 एकड़ भूमि अतिक्रमण मुक्त कराई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने राष्ट्रीय हरित अधिकरण (एनजीटी) को सूचित किया है कि उसने यमुना नदी के बाढ़ क्षेत्र को अतिक्रमणकारियों से मुक्त करने के उसके प्रयासों के तहत यमुना वनस्थली परियोजना क्षेत्र में जनवरी से अप्रैल तक 24 एकड़ भूमि को पुन: प्राप्त कर लिया है।

यमुना वनस्थली योजना, यमुना के पूर्वी तट पर बाढ़ क्षेत्र की बहाली की परियोजनाओं में से एक है, जो वजीराबाद बैराज से लेकर आईएसबीटी ब्रिज तक 236.5 हेक्टेयर क्षेत्र में फैली हुई है। डीडीए ने मंगलवार को अपनी रिपोर्ट में कहा, एनजीटी के निर्देशों के अनुपालन में डीडीए बाढ़ क्षेत्रों में अतिक्रमणकारियों से भूमि वापस लेने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। इस न्यायाधिकरण के अंतिम आदेश (16 जनवरी) के बाद से डीडीए ने हाल ही में यमुना वनस्थली परियोजना क्षेत्र में 24 एकड़ भूमि वापस ले ली है। रिपोर्ट में कहा गया है कि हालांकि डीडीए लगातार अतिक्रमण हटाने के प्रयास कर रहा है, लेकिन कभी-कभी ध्वस्तीकरण अभियान के बाद क्षेत्र की सुरक्षा या वहां बाड़ लगाना कठिन हो जाता है। रिपोर्ट में कहा गया है, इस प्रकार कुछ स्थानों पर पुन: अतिक्रमण हो जाता है, जिसे पुन: हटा दिया जाता है। डीडीए रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि प्राधिकारी जमीनी हकीकत जानने की प्रक्रिया पूरी करने में जुटे हैं।

आतंक के सर्वनाश के लिए भगवान परशुराम के आदर्शों का करना होगा अनुसरणः महेंद्र नाथ पांडेय

संवाददाता। सोनभद्र

श्रीरामपुरी तरावां में अक्षय तृतीया के मौके पर बुधवार को वैदिक मंत्रोच्चार, ऋचाओं की गूंज के बीच भगवान परशुराम के विग्रह के स्थापना के साथ ही, उसका अनावरण किया गया। बतौर मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेंद्र नाथ पांडेय ने कहा कि श्रीरामपुरी ने हमेशा से राष्ट्रवाद की सोच का साथ दिया है। समााजिक राजनीतिक दोनों गतिविधियों में यहां की बड़ी भूमिका रही है। स्थापित किए गए भगवान परशुराम का विग्रह ने भी यहां की धरती से बड़ा संदेश दिया है। उन्होंने कहा कि आतंकवाद को हमेशा के लिए समाप्त करना है तो उसके लिए भगवान परशुराम के आदर्शों का अनुसरण करना होगा।

पहलगाम में हुए आतंकी हमले का जिक्र करते हुए, कहा कि पीएम मोदी ने भी उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए, आतंकवाद के सर्वनाश का संकल्प ले रखा है। जल्द ही बड़ा परिणाम देखने को मिलेगा। राज्य के आयुष मंत्री दयाशंकर मिश्र दयालु ने कहा कि भगवान परशुराम मातृ-पितृ दोनों की भक्ति के अनुपम उदाहरण रहे हैं। राष्ट्र की रक्षा के लिए शस्त्र-शास्त्र दोनों की जरूरत है। काशी विद्यापीठ के पत्रकारिता संस्थान के पूर्व निदेशक तथा दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा चेन्नई के कुलपति प्रोफेसर राममोहन पाठक ने कहा कि भगवान परशुराम पौरूष और पराक्रम के प्रतीक हैं। उन्होंने क्षत्रियों को नहीं, अधर्मियों का संहार किया था।

सदर विधायक भूपेश चौबे ने कहा कि भगवान परशुराम के विचारों का प्रत्येक युग में योगदान रहा है। ब्राहमण समाज का स्वतंत्रता आंदोलन में योगदान का जिक्र करते हुए कहा कि यह समाज सदैव अधर्म और अन्याय का प्रतिकार करता आया है। उन्होंने कहाकि जिले में 10जगहों पर भगवान परशुराम का विग्रह स्थापित कराया जाएगा। पूर्व विधायक ललितेश पति त्रिपाठी ने कहा कि भगवान परशुराम के विचारों और उनके आदशों की खासी अनदेखी की गई है। पूर्व में परशुराम जयंती पर सार्वजनिक अवकाश घोषित रहने और बाद में इसे बंद कर दिए जाने पर एतराज जताते हुए, कहा कि ब्राह्मण समाज के लोगों को इस अन्याय के खिलाफआवाज बुलंद करना होगा।

बीएचयू के पूर्व रजिस्ट्रार मारकंडेय पाठक ने कहा कि भगवान विष्णु के छठे अंश के रूप में भगवान परशुराम का अवतार निरंकुश राजसत्ता पर अंकुश के लिए हुआ था। कार्यक्रम की अध्यक्षता चंद्रदेव पांडेय व संचालन भोलानाथ मिश्रा ने किया। इस अवसर पर एमएलसी विनीत सिंह पूर्व विधायक रमेश दूबे विमलेश त्रिपाठी, राजेश दूबे, लालजी त्रिपाठी, रवि चौबे, श्रीकांत दूबे, आलोक चौबे, शेषनारायण दीक्षित आदि ने भी विचार रखे। कार्यक्रम संयोजन की जिम्मेदारी विजय विनीत तिवारी और कार्यक्रम प्रबंधन की अगुवाई नितीश पांडेय टोनी ने की।

पेड़ से टकराई बोलेरो चालक की मौत

बीजपुर, सोनभद्र। केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की रिहंद इकाई में संविदा पर लगी हुई मंगलवार की सायं एक बोलेरो के मध्य प्रदेश प्रान्त के जनपद सिंगरौली थाना बैढ़न परिक्षेत्र स्थित बरसोता के समीप सड़क के किनारे एक पेड़ से टकरा जाने से बोलेरो चालक लगभग 24 वर्षीय महीप पाल पुत्र देवशरण पाल निवासी ग्राम डोड़हर थाना बीजपुर की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलने पर परिजनों व बल के जवानों द्वारा उसे एनटीपीसी रिहंद स्टेशन के धनवंतरी चिकित्सालय में ले जाया गया। जहां चिकित्सकों ने चालक को मृत घोषित किया। देर शाम हो जाने के कारण चालक के शव को चिकित्सालय के शव गृह में रखवा दिया गया। बुधवार की सुबह बीजपुर पुलिस द्वारा शव का पंचनामा करवाकर उसे अन्त्य परीक्षण हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र दुद्धी भेजवा दिया गया। चालक की मौत से मातम छा गया। अप्रैल माह में ही चालक का विवाह हुआ था।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न

संवाददाता। अंबेडकर नगर

जिलाधिकारी अनुपम शुक्ला की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में जिला सड़क सुरक्षा समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक के दौरान सर्वप्रथम जिलाधिकारी ने पिछली सड़क सुरक्षा समिति की बैठक के अनुपालन आख्या की समीक्षा गई।

बैठक में जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुये कहा कि सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित एवं कम करने के लिये सड़क सुरक्षा के नियमों का सभी से कड़ाई से अनुपालन करायें एवं लोगों को सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक करें। उन्होने निर्देशित किया कि सड़क दुर्घटना में कमी लाये जाने हेतु ओवर स्पीडिंग, बिना हेलमेट, ओवर लोड वाहनों, बिना लाइसेंस के वाहन चालकों के विरूद्ध चालान की कार्यवाही की जाये। बैठक में जिलाधिकारी द्वारा लोक निर्माण विभाग व एनएचएआई के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि नये बनाये जा रहे मार्गो पर मानक के अनुसार रोड सेफ्टी के कार्य कराये जाये, लापरवाही कदापि न बरती जाये। उन्होंने परिवहन, स्वास्थ्य एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि मानक के अनुसार स्कूलों में स्कूली वाहनों का फिटनेस चेकअप, वाहन चालक का फिटनेस तथा वाहन चालक का चरित्र सत्यापन कराया जाये। जिला विद्यालय निरीक्षक एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को निर्देशित किया गया कि मॉर्निंग असेंबली में विद्यालयों में यातायात नियमों एवं रोड सेफ्टी के स्लोगन की जानकारी दी जाए। सड़क दुर्घनाओं में कमी लाने हेतु रोड सेफ्टी के नियमों के अनुसार मार्गों पर साइन बोर्ड लगाया जाए।

शहर के मार्गो पर किये गये किये गये अवैध अतिक्रमण को हटाया जाये, उन्होंने कहा कि नगर क्षेत्र में सड़क के किनारे क्व्यूष्ठ के निर्धारित क्षेत्र में रखे गए अवैध रूप से गिट्टी, मोरंग हटवाने के निर्देश अधिशासी अभियंता पीडब्ल्यूडी को दिए।

परियोजनाओं का कार्य समय सीमा में गुणवत्तापूर्ण कराया जाएः डीएम

चन्दौली। जिलाधिकारी चंद्र मोहन गर्ग द्वार पड़ाव से रामनगर 4 लेन,पड़ाव से मुगलसराय 6 लेन तथा मुगलसराय से चकिया 4 लेन निर्माणाधीन सड़कों का स्थलीय निरीक्षण कर संबंधित को आवश्यक निर्देश दिए ।जिलाधिकारी ने निर्माणाधीन सड़कों पर निर्माण कार्य की धीमी गति को जाना तो पता चला कि अधिक से अधिक जमीन से संबंधित दिक्कतें प्राप्त हुई । जिसपर जिलाधिकारी ने संबंधित क्षेत्र के उप जिलाधिकारीगण,पी डब्लू डी सहित जितने भी संबंधित अधिकारी है आपस में बेहतर ताल मेल स्थापित करते हुवे परियोजना को गुणवत्तापूर्ण समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। मुगलसराय से चकिया निरीक्षण के दौरान बताए गया डाटा गलत पाया गया ।जिसपर जिलाधिकारी ने अधि0अभि0 पीडब्लूडी निर्माण खण्ड द्वारा गलत सूचना देने व कार्य की प्रगति असंतोषजनक प्राप्त होने पर कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए।

तथा जनपद स्तर पर एक अलग से टीम गठित कर हर सप्ताह कार्य की प्रगति को जांच करा कर रिपोर्ट प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि आज के निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य जमीनी हकीकत को देखना और जानना था।

ब्राह्मण जन सेवा मंच के तत्वाधान में धूमधाम से मनाई गई परशुराम जयंती

संवाददाता। गाजीपुर

ब्राह्मण जाति नहीं सनातन संस्कार है, अपना सर्वस्व दूसरे के कल्याण के लिए न्यौछावर करने वाला सर्वदा समाज के हित के लिए जीता है। ब्राह्मणत्व के माध्यम से संसार को उर्जावान बनाता है। उक्त विचार ब्राह्मण जन सेवा मैच के महर्षि परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम में वक्ताओं ने प्रस्तुत किये। जनपद में शहर स्थित लहुरी काशी हाल में आयोजित महर्षि परशुराम जन्मोत्सव में उपस्थत जनपद के विभित्र क्षेत्रो के ब्राह्मण वन्धुओं ने भगवान परशुराम के चित्र पर माल्यार्पण कर एवं उपस्थित वटुकों ने स्वस्तिवाचन कर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया।

ब्रहमण जनसेवा मंच के कार्यक्रम में ब्राह्मणत्व की रक्षा, गरीब व्राहमणों भी मदद, परम्परा एवं कर्मकाण्ड, संस्कार एवं सहभागिता पर विशेष रूप से चर्चा की गयी। आर्थिक सम्पन्नता के साथ समाज को राजनैतिक रूप से सशक्त बनाने पर वळ दिया गया। ब्राह्मण जनसेवा मंच के संरक्षक मण्डल द्वारा यह भी निर्णय लिया कि विभित्र क्षेत्रों में स्थान वनाने वाले बच्चों में भी सम्मानित करने का निर्णय लिया। वार्षिक लेखा एवं आय व्यय का विवरण सचिव द्वारा प्रस्तुत किया गया।

जन्मोत्सव समारोह की अध्यक्षता कर्मचारी नेता अम्विका दुबे एवं संचालन भगवती प्रमाद तिवारी ने किया। समारोह को प्रमु?ख रूप से विहिप अध्यक्ष विनोद उपाध्याय, अमरनाथ तिवारी, पंकज दुबे, विनोद मिश्र,पप्पू पाण्डेय, राजनरापन तिवारी, वृज भूषण दुबे, मनोज दुबे, दीपक उपाध्याय, शीर्ष दीप सर्मा, सतोष पाण्डे, मनोज बाबा, वीरेन्दर तिवारी, आलोक तिवारी, पप्पू पान्डेय, मोनू तिवारी,सुधाकर पाण्डेय, चन्दिका चौवे ,अमित पाण्डेय, राहुल दुबे, शिवम चौबे, विन्धश्वनी उपाध्याय आदि प्रमुख थे। अध्यक्षता कर्मचारी नेता अम्बिका दुबे संचालन भगवती तिवारी ने किया।

रचनात्मक अभिव्यक्ति का है अनूठा संयोजन

प्रयागराज। देश के सबसे बड़े फुटवियर निर्माता रिलेक्सो फुटवियर्स लिमिटेड के ब्राण्ड बहामास ने कैज़ुअल फुटवियर के नए कलेक्शन का लांच किया है जो आराम के साथ रचनात्मक अभिव्यक्ति का अनूठा संयोजन है। ब्राण्ड के डिजिटल कैंपेन स्ट्रैस को दो रेस्ट के मद्देनजर यह लांच किया गया है। इस कैंपेन के माध्यम से ब्राण्ड कीप चिलिन कीप फ्लिपिन का संदेश देता है। सलमान खान के साथ फिल्माया गया यह कैंपेन युवा भारतीयों को संदेश देता है कि वह छोटी मोटी बातों को भूलकर आनंदमय जीवनशैली को अपनाएं। इसी भावना के साथ यह नया कलेक्शन सिर्फ संदेश तक सीमित नहीं है बल्कि सहज सरल एवं शांत अभिव्यक्ति का अहसास देता है। नए आकर्षक एवं रोमांचक डिज़ाइनों के साथ बहामास ने अपने स्टाइल गेम को इस तरह से आगे बढ़ाया है कि यह स्टाइलिश होने के साथ साथ आरामदायक भी है। नई रेंज में हाई एनर्जी शेडस से लेकर बोल्ड प्रिंटस तक सभी कुछ है जो पल भर में किसी को भी लुभा सकता है।

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर होगा दो दिवसीय सेमिनार

शाहजहांपुर। जी.एफ.कॉलेज के कॉमर्स और बी.बी.ए विभाग तथा गेडू कॉलेज आफ बिजनेस स्टडीज़ भूटान और नॉवेल एकेडमी पोखरा नेपाल के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 1-2 मई को 'आर्टिफिशियल इंटलीजेंस एंड ग्लोबल डेवलपमेंट' विषय पर दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जा रहा है। महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मोहसिन हसन खाँ ने बताया कि सेमिनार में नेपाल, भूटान नाइजीरिया, साउथ कोरिया व भारत के लगभग 500 विद्वान, शोधार्थी एवं छात्र-छात्राएँ प्रतिभाग करेंगे और ए.आई के उपयोग एवं संभावनाओं पर विचार-विमर्श करेंगे। सेमिनार में विभिन्न देशों के साथ जी.एफ.कॉलेज द्वारा एम.ओ.यू हस्ताक्षर किए जाएंगे जिससे महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं एवं शोधार्थियों को शिक्षा के वैश्विक अवसर प्राप्त हो सकेंगे। सेमिनार के संयोजक वाणिज्य विभागागाध्यक्ष डॉ पुनीत मनीषी ने बताया कि पहले सत्र में नेपाल से श्री विशेश्वर आचार्य, भूटान से डॉ0 शेवांग फुंशो, अयोध्या से डॉ0 मिर्ज़ा शाह साहब, एस.एस. कॉलेज, शाहजहांपुर से प्रोफेसर अनुराग अग्रवाल अपने विचार व्यक्त करेंगे। आयोजन सचिव डॉ. अनमोल सक्सेना ने बताया कि सेमिनार में प्रस्तुत किए जानवाले शोधपत्रों की पुस्तक का विमोचन भी किया जाएगा। दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार का उद्घाटन प्रात: 10 बजे महाविद्यालय के कमेटी हॉल में किया जाएगा।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. मोहसिन हसन खाँ ने सेमिनार का ब्रोशर प्रस्तुत किया। सेमिनार के समन्वयक प्रो. फैयाज अहमद, सैयद अनीस अहमद, सैयद औरंगज़ेब, सह आयोजन सचिव डॉ0 स्वप्निल यादव आदि अन्य उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार में कायस्थ समाज की हिस्सेदारी को लेकर किया प्रदर्शन

संवाददाता। गाजीपुर

जनपद में बुधवार 30 अप्रैल को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय सुबोधकांत सहाय के निर्देश पर केन्द्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार में कायस्थ समाज की हिस्सेदारी की मांग को लेकर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के कार्यकर्ताओं ने जिलाध्यक्ष अरूण कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में शहर मुख्यालय स्थित सरजू पांडे पार्क में धरना प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया। महासभा के कार्यकर्ताओं ने भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष माननीय जे पी.नड्डा,देश के प्रधानमंत्री माननीय नरेन्द्र दामोदरदास मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्य मंत्री माननीय आदित्य नाथ योगी और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष माननीय भूपेंद्र चौधरी के नाम से संबोधित अलग अलग तीन सुत्रीय ज्ञापन उपजिलाधिकारी मनोज पाठक को सौंपा। महासभा के कार्यकर्ताओं ने अपना विरोध दर्ज कराते हुए केन्द्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार में तत्काल कायस्थ समाज को सम्मानजनक प्रतिनिधित्व देने,हर संवैधानिक संस्थानों में भारतीय संविधान सभा के अध्यक्ष रहे डॉ राजेन्द्र प्रसाद जी की तस्वीर अनिवार्य रूप से लगाने और 26नवम्बर को संविधान दिवस पर सरकार द्वारा संविधान निर्माण के सम्बन्ध में डा राजेन्द्र बाबू के योगदान की चर्चा करने व उक्त दिवस पर सरकारी विज्ञापनों में भी डा . राजेन्द्र बाबू के नाम और उनकी तस्वीर को ? स्थान देने की मांग की। जिलाध्यक्ष अरूण कुमार श्रीवास्तव ने इस धरने को संबोधित करते कहा कि कायस्थ समाज के साथ भाजपा घोर नाइंसाफी कर रही है।

उन्होंने कहा कि कायस्थ समाज भाजपा का परम्परागत एवं सबसे ईमानदार मतदाता हैं । लेकिन भाजपा सरकार व संगठन में उसकी हिस्सेदारी न देकर अपमानित और उसके साथ सौतेला पन रवैया अपना रही है। उन्होंने कहा कि अटल बिहारी जी के शासन काल में कायस्थ समाज के यशवंत सिन्हा, शत्रुघ्न सिन्हा और रविशंकर प्रसाद तीन कैबिनेट मंत्री थे लेकिन आज केन्द्रीय मंत्रिमंडल में कायस्थ समाज का एक भी मंत्री नहीं है।

हाईकोर्ट वेबसाइट पर मोबाइल फोन से नहीं खुल रहे पारित आदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट एक तरफ कंप्यूटर तकनीकी को अदालती कामकाज का जरिया बनाने के लिए सभी जिला अदालतों में सिस्टम लागू करने में जुटा है। ?वहीं हाईकोर्ट की वेबसाइट पिछले छह दिन से ठीक से काम नहीं कर रही। मोबाइल फोन पर किसी भी केस में पारित आदेश सर्च करेंगे तो जस्टिस विक्रम डी चौहान का पांच लाइन का आदेश खुल रहा। इसकी शिकायत कंप्यूटर इंचार्ज से की गई तो बताया साफ्टवेयर विशेषज्ञ छुट्टी पर हैं उसके आने पर दुरुस्त हो सकेगा। हाईकोर्ट अपनी वेबसाइट सही चला नहीं पा रहा और प्रदेश की अदालतों की कार्यवाही वेबसाइट के जरिए करने की योजना लागू करने में जुटा है। पूर्व संयुक्त सचिव हाईकोर्ट बार एसोसिएशन संतोष कुमार मिश्र कहते हैं कि यह चिराग तले अंधेरा की कहावत चरितार्थ हो रही है। अधिकांश अधिवक्ता मोबाइल फोन के जरिए पारित आदेश को देखकर प्रमाणित प्रति का आवेदन देते हैं।

वायुसेना के लड़ाकू विमानों का गंगा एक्सप्रेस वे पर होगा एयर शो

शाहजहांपुर। तहसील जलालाबाद अंतर्गत ग्राम पीरू के पास स्थित गंगा एक्सप्रेसवे हवाई पट्टी पर 2-3 मई 2025 को होने वाले भारतीय वायुसेना अभ्यास की तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसी क्रम में जिलाधिकारी धर्मेन्द्र प्रताप सिंह एवं पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने आज कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अपराजिता सिंह, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) संजय कुमार पाण्डेय, अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) अरविंद कुमार, नगर मजिस्ट्रेट प्रवेंद्र कुमार, सेना के अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।डीएम ने निराश्रित गोवंश प्रबंधन, सीसीटीवी कैमरा की व्यवस्था एवं स्कूली बच्चों के लिए बैठने की व्यवस्था, डस्ट कंट्रोल हेतु पानी का छिड़काव, इन सभी व्यवस्थाओं को समयबद्ध पूर्ण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने बताया कि वे कल पुनः स्थल पर पहुंचकर व्यवस्थाओं की समीक्षा करेंगे।नाइट लैंडिंग शो के कारण कटरा-जलालाबाद मार्ग 2 मई को शाम 7 बजे से रात्रि 10 बजे तक पूरी तरह बंद रहेगा।

एक राष्ट्र, एक नामः भारत पर दस हज़ार ने किए हस्ताक्षर

प्रयागराज। एक राष्ट्र एक नाम भारत को लेकर भारतीय भाषा अभियान उच्च न्यायालय इकाई द्वारा चलाए जा रहे विशेष हस्ताक्षर अभियान में दस हज़ार से अधिक लोगों ने अपने हस्ताक्षर करके अभियान का समर्थन किया है। इसे लेकर अभियान की इलाहाबाद की उच्च न्यायालय इकाई की बैठक हाईकोर्ट परिसर में हुई। जिसकी अध्यक्षता एस पी शुक्ला ने की और संचालन उच्च न्यायालय इकाई के संयोजक पवन कुमार राव ने किया। इकाई के संयोजक ने अभियान के सदस्यों की उपस्थिति में 10660 हस्ताक्षर पत्रक काशी प्रांत के संयोजक अजय कुमार मिश्रा को सौंपे। यह हस्ताक्षर पत्रक राष्ट्रपति को प्रेषित किया जाएगा। एक राष्ट्र एक नाम भारत करने और इंडिया शब्द को हटाने कि इस मुहिम में अभियान के सदस्यों ने हस्ताक्षर अभियान चलाया है। इस हस्ताक्षर अभियान में भारतीय भाषा अभियान के सदस्यों द्वारा समाज के प्रबुद्ध वर्ग से व्यक्तिगत रूप से मिलकर अभियान के समर्थन में हस्ताक्षर करवाए गए। बैठक में सत्येंद्र कुमार त्रिपाठी कुलबीर सिंह अनूप मिश्रा अमन सिंह विसेन शिवपूजन राय आशुतोष यादव लब्ध प्रतिष्ठ मिश्रा अभिषेक सिंह संजय राय गीता परिहार आशा परिहार नीलम शुक्ला स्मृति शुक्ला अग्निहोत्री कुमार त्रिपाठी ज्योति कुमार सिंह दिनेश सिंह डी के सिन्हा अमित सिंह एस बी शुक्ला नीलकांत उपाध्याय दुर्गेश त्रिपाठी भूपेंद्र यादव धर्मेंद्र कुमार आर एस मिश्रा सत्य प्रकाश शुक्ला प्रभाकर द्विवेदी आशुतोष मिश्रा सहित अभियान के तमाम पदाधिकारी और सदस्य उपस्थित रहे।

कानून व्यवस्था मॉडल के बाद अब यूपी में शिक्षा का नया मॉडल

- डिजिटलाइजेशन और वातावरण सृजन पर जोर से कामयाबी के पुराने दौर की वापसी

संवाददाता। प्रयागराज

उत्तर प्रदेश में कानून व्यवस्था के योगी मॉडल के बाद अब सरकार के शिक्षा मॉडल से दिखे बदलाव पर चर्चा तेज हो गई है। यूपीएससी के नतीजों में प्रदेश के अभ्यर्थियों की शानदार वापसी और टॉपर का सूबे से आने के बाद इस बदलाव को लेकर मनन मंथन शुरू हो गया है। सामाजिक बदलाव सरकार की शिक्षा नीति में बदलाव संस्थाओं में पारदर्शिता इसके लिए बड़े कारक बनकर सामने आए हैं। यह बदलाव आने वाले समय में नई पीढ़ी के लिए बड़ा मोटिवेशन बन सकता है। शिक्षा को समाज की सेहत का सबसे सशक्त पैमाना माना जाता है।

यूपी में पिछले कुछ दिनों से शिक्षा में सफलता की कामयाबी ने प्रदेश में सरकार के शिक्षा मॉडल पर विश्लेषण का दौर चल पड़ा है। यूपीएससी 2024 की परीक्षा में यूपी से 60 अभ्यर्थियों के चयन के साथ प्रयागराज की शक्ति दुबे के टॉप करने के बाद अब युवाओं की उम्मीदें बढ़ गई हैं। शिक्षा शास्त्री और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विभागाध्यक्ष डॉ धनंजय यादव कहते हैं कि इलाहाबाद विश्वविद्यालय इन परीक्षाओं की धुरी हुआ करता था जिसमें टीचिंग फैकल्टी कम होने की वजह से छात्र दिल्ली का रुख करने लगे लेकिन पिछले कुछ वर्षों 347 नए टीचर्स की भर्ती से यह गैप कम हुआ है। भय मुक्त सुरक्षित वातावरण से छात्र छात्राओं और अभिभावकों का माइंड सेट भी बदला है। देर रात तक अभ्यर्थी डिजिटल लाइब्रेरी से लेकर कोचिंग संस्थान में अपना अध्ययन पूरा कर रहे हैं।

प्रयागराज के मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत का कहना है कि जागरूकता भी इसके लिए एक बड़ा कारक है। तकनीकी का प्रयोग बढ़ने और सरकार की तरफ से इसकी प्राथमिकता ने आम आदमी की सोच में उम्मीद की ऊर्जा भर दी है।

प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के सोपान तय करने में संस्थागत बदलावों की भी अहम भूमिका है। यूपी में इस क्षेत्र में आए परिवर्तन में इन बदलावों ने भी अपना योगदान दिया है। लोक सेवा उत्तर प्रदेश के पूर्व अध्यक्ष प्रो के बी पांडेय का कहना है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में यूपीएससी यूपीपीएससी और एसएससी जैसी प्रतियोगिताओं को लेकर कई प्रयास किए हैं जिससे युवाओं का भरोसा बढ़ा है। भर्ती प्रणाली में पारदर्शिता नकल पर सख्ती और पेपर लीक रोकने के उपाय और पारदर्शी भर्ती प्रणाली लागू करने के प्रयास से अभ्यर्थियों का यकीन इस बात पर बढ़ा है कि अब उनकी मेहनत और काबिलियत पर सेंध नहीं लगेगी। युवाओं के रुझान में अब शिथिलता का दौर गुजर चुका है।

अखिलेश यादव पर अभद्र टिप्पणी को लेकर एसपी से मिले सपा नेता

शाहजहांपुर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ़ अमर्यादित टिप्पणी को लेकर समाजवादी पार्टी के नेताओं ने पुलिस अधीक्षक से मुलाक़ात कर शरारती तत्वों के ख़िलाफ़ कठोर कार्रवाई करने की मांग की। पुलिस अधीक्षक से मिलने पहुंचे समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष तनवीर ख़ास रही पार्टी के नेताओं ने प्रार्थना पत्र देकर गौरव राघव पुत्र सुरेंद्र पाल सिंह निवासी प्रताप नगर जलालाबाद , अर्पित गुप्ता भामाशाह नेता बजरंगदल व मानवेंद्र सिंह पर राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ आमर्यादित भाषा का प्रयोग करने का आरोप लगाया है इसके साथ ही पुलिस बल की मौजूदगी में सपा जलालाबाद विधानसभा अध्यक्ष को घेरकर अभद्र भाषा का प्रयोग कर डराने धमकाने का प्रयास और फ़ेसबुक ड्डपर समाजवादी पार्टी की छवि को धूमिल करने का आरोप लगाते हुए कार्रवाई की मांग की। .पुलिस अधीक्षक राजेश द्विवेदी ने सपा जिला अध्यक्ष एवं तनवीर खान को जांच करवा कर दोषियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करने का भरोसा दिया। इस मौके पर सपा जिला अध्यक्ष एवं पूर्व चेयरमैन तनवीर खान ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के कुछ लोग जनपद शाहजहांपुर का माहौल खराब करना चाहते हैं।

भाजपा ने सपा मुखिया पर दलितों की भावनाओं से खिलवाड़ का लगाया आरोप

संवाददाता। सोनभद्र

भारतीय जनता पार्टी ने समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव द्वारा भारत रत्न बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की फ्फ्टो में आधा अपना चेहरा लगाकर बाबा साहब के बराबर अपने को साबित करने का जो कुकृत्य किया है उसके विरुद्ध नगर के बाबा साहब भीमराव अंबेडकर भवन में भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता के नेतृत्व में धरना प्रदर्शन का आयोजन किया गया।

जिसमें पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ0 महेंद्र नाथ पाण्डेय एवं आयुष राज्य मंत्री डा0 दयाशंकर मिश्र दयालु ने भाग लिया। धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व पूर्व केन्द्रिय मंत्री महेन्द्र नाथ पाण्डेय ने कहा कि यह सपा की दूषित मानसिकता का प्रतीक है। इस प्रकार का अपमान देश की जनता कभी स्वीकार नही करेगी उन्होने याद दिलाया की सपा सरकार मे पहले भी अंबेडकर से जुडी संस्थाओं और जिलों के नाम बदले गये थे।

इस कृत्य के लिए सपा मुखिया से माफ्ी मांगने की मांग की, उन्होनें कहाकि सपा प्रमुख अखिलेश यादव अपनी तस्वीर को डॉ0 अंबेडकर के बराबर लगाना न सिर्फ अहंकार है बल्कि दलित समाज की भावनाओं के साथ किया गया एक निंदनीय किस्म का खिलवाड़ है।

प्रदेश के राज्यमंत्री डॉ दयाशंकर मिश्रा दयालु ने कहा कि कदम कदम पर बाबा साहब और दलितो का अपमान करने वाले अखिलेश यादव अब बाबा साहब अंबेडकर बनने चले है अखिलेश यादव आप बाबा साहब के चरणो की धुल भी नही है।

बाबा साहब भारत के संविधान शिल्पी है विश्व के सबसे बड़े विद्वान रहे है, तुरन्त माफ्ी मांगो आपका पिडीए आपके साथ ही बेनकाब हो चुका है।

भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल सदर विधायक भूपेश चौबे एमएलसी विनीत सिंह नगर पालिका चेयरमैन रुबी प्रसाद, पूर्व उपाध्यक्ष अनुसूचित आयोग रामनरेश पासवान ने भी धरना प्रदर्शन को संबोधित भी किया। धरना प्रदर्शन मे मुख्यरुप से पूर्व क्षेत्रीय उपाध्यक्ष रमेश मिश्रा अजीत चौबे धर्मवीर तिवारी कृष्णमुरारी गुप्ता, संतोष शुक्ला, शंम्भू नारायण सिंह, अनूप तिवारी कमलेश चौबे, बृजेश श्रीवास्तव, राकेश पाण्डेय, नार सिंह पटेल, कुसुम शर्मा, पुष्पा सिंह, गुड़िया त्रिपाठी, धर्मवीर त्यागी, अशोक भारती, दिनेश भारती, आलोक रावत संतोष भारती अनिता भारती सहित सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता मौजूद रहे।

कनाडा के चुनाव

कार्नी की विजय

कनाडा के चुनाव में मतदाताओं ने मार्क कार्नी को पसंद किया है और वे प्रधानमंत्री बने रहेंगे। उनको कनाडा के संघीय चुनाव में विजेता घोषित किया गया। उन्होंने अमेरिकन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्ध तथा कनाडा पर कब्जे के खिलाफ संघर्ष का वादा किया है। हालांकि, कार्नी की लिबरल पार्टी को मामूली बहुमत से विजय मिली, पर चुनाव परिणामों ने व्यवस्था में अस्थिरता तथा स्वयं कनाडा के भविष्य के बारे में की गई अनेक भविष्यवाणियों को खारिज कर दिया है। कनाडा ने कार्नी पर अपना दृढ़ विश्वास व्यक्त किया है क्योंकि जनता को लगता है कि वे ट्रंप को उनकी भाषा में जवाब दे सकते हैं। कनाडा के चुनाव परिणाम विश्व मंच पर एक महत्वपूर्ण क्षण पर सामने आए हैं जब विश्व व्यापार तनावों से परंपरागत गठबंधन नया स्वरूप ले रहे हैं। उल्लेखनीय है कि ट्रंप युग के टैरिफों का खासकर उसके सबसे बड़े आर्थिक सहयोगी अमेरिका के साथ कनाडा के व्यापार संबंधों पर प्रभाव जारी रहेगा। चुनावों ने ऐसे नेता को शक्ति दी है जिस पर कनाडा के बाहरी आर्थिक संबंधों को पुन: परिभाषित करने का दबाव रहेगा। राजनीतिक अवस्थापना को अब डोनाल्ड ट्रंप के दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल में जारी अमेरिकी संरक्षणवादी नीतियों के प्रति ज्यादा सतर्क रहना होगा। कनाडा की स्टील, एल्यूमीनियम व अन्य वस्तुओं पर लगे भारी टैरिफ ने कनाडा के इस विश्वास पर गंभीर चोट पहुंचाई है कि वह अमेरिकन बाजारों पर निर्भरता बनाए रख सकता है। इस परिवेश ने कनाडा के नीति-निर्धारकों को अमेरिका से आगे देखने पर मजबूर किया है ताकि वे दुनिया में ज्यादा मजबूत और विविधतापूर्ण व्यापार साझेदारियां स्थापित कर सकें। अपनी विशाल अर्थव्यवस्था और बढ़ते भू-राजनीतिक कद के कारण भारत को भी इसमें शामिल किया जा सकता है।

भारत के लिए कनाडा का चुनाव नई सरकार के साथ गहरे आर्थिक और रणनीतिक संबंध स्थापित करने का अवसर देता है। दोनों देशों के बीच कई साल से समग्र आर्थिक साझेदारी समझौते-सीपा पर बातचीत उतार-चढ़ाव का सामना कर रही है। चुनाव के पश्चात इन चर्चाओं को गति मिल सकती है। कनाडा को विविधतापूर्ण बाजारों की तलाश है जिससे वह निर्यात बढ़ाने तथा निवेश आकर्षित करने की भारतीय आकांक्षाओं की पूर्ति में सहायक बन सकता है। लेकिन इसके लिए कनाडा और भारत को एक ऐसी व्यवस्था विकसित करनी होगी जो दोनों देशों के बीच व्याप्त अविश्वास को समाप्त कर विश्वास बहाली और संबंध सुधार की दिशा में कुछ कदम उठा सके। कनाडा की धरती से संचालित आतंकवाद के कारण द्विपक्षीय संबंध खराब हुए हैं। जस्टिन ट्रूडो की सरकार में दोनों देशों के बीच संबंध सबसे बुरी स्थिति में पहुंच गए थे, जबकि मार्क कार्नी ने इनको ठीक करने के प्रयास किए हैं।

इस महीने के प्रारंभ में कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने हिंदू समुदाय के साथ रामनवमी मनाई थी। इससे संकेत मिला था कि कार्नी भारत के साथ संबंध सुधारना चाहते हैं। व्यापार के साथ ही दोनों देशों के साझा हितों का विस्तार तकनीकी सहयोग, शिक्षा में आदान-प्रदान, हरित ऊर्जा हस्तांतरण तथा महत्वपूर्ण खनिज क्षेत्र तक है। भारत इन क्षेत्रों में कनाडाई संसाधनों का लाभ उठाना चाहता है। ऐसे में मित्र तथा ज्यादा व्यापार-उन्मुख कनाडा सरकार कनाडाई क्षेत्रों में ज्यादा भारतीय तथा भारतीय क्षेत्रों में ज्यादा कनाडाई निवेश सुनिश्चित कर सकती है। इसके साथ ही कनाडा का विशाल और राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अनिवासी भारतीय समाज भारत के बाहर सबसे बड़ा है। वह भारत और कनाडा के बीच लगातार सेतु निर्माण का काम करता रहा है। देखना होगा कि कनाडा की नई सरकार इसका कितना लाभ उठाना चाहती है। भारत और कनाडा के बीच सिख अलगाववाद जैसे मुद्दों पर गंभीर मतभेद पैदा हो गए थे। खालिस्तान-हमदर्दों के प्रति कनाडा सरकार में लगाव के कारण दोनों देशों के बीच तनाव बहुत बढ़ गया था। नई सरकार को इस संवेदनशील मुद्दे पर ध्यान देना होगा। भारत-कनाडा संबंधों को परिभाषित करने में अमेरिका-भारत संबंध तथा क्वाड सुरक्षा संवाद जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्र शामिल हैं। मार्क कार्नी को समझना होगा कि आतंकवाद को पालना-पोसना स्वयं उनके लिए हानिकारक होगा। द्विपक्षीय संबंधों की सफलता राजनीतिक इच्छाशक्ति तथा रणनीतिक धैर्य पर निर्भर करेगी।

कश्मीर पर निरंतर जारी युद्ध

आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में हुए हमले ने एक अघोषित समझौता तोड़ दिया है कि पर्यटकों पर निशाना नहीं लगाया जाएगा। इसके साथ ही भारत में पाकिस्तान से बदला लेने की भावना मजबूत हुई है।

अशोक के. मेहता
(लेखक, सेवानिवृत्त मेजर जनरल हैं)

पाकिस्तान-समर्थित आतंकवादियों द्वारा पहलगाम में निहत्थे व निरपराध नागरिकों पर हुए नवीनतम हमले ने दोनों देशों की अवस्थापनाओं के बीच प्रचलित एक अघोषित समझौता तोड़ दिया है कि पर्यटकों पर निशाना नहीं लगाया जाएगा। इसके साथ ही इसने भारत की जनता में पाकिस्तान से बदला लेने की भावना मजबूत की है। भारतीय जनता के सभी वर्ग पाकिस्तान को सबक सिखाने की मांग कर रहे हैं जिससे दोनों देशों के बीच संबंध खतरनाक रूप से नए चरण में प्रवेश कर गए हैं। अतीत और वर्तमान को देखते हुए लगता है कि जम्मू कश्मीर के मुद्दे पर दोनों देशों के बीच युद्ध समाप्त होने वाला नहीं है। इस युद्ध की शुरुआत 1947 में ही हो गई थी और यह भारत के विभाजन तथा पाकिस्तान के गठन के बाद भी जारी है।

इसे देखते हुए यदि भारत और पाकिस्तान के बीच पूर्ण युद्ध हो जाए तो भी कश्मीर पर निरंतर जारी युद्ध के समाप्त होने की उम्मीद नहीं है। तीन पूर्ण युद्धों के बाद भी इसके थमने की आशा नहीं है और यह अनेक टकरावों तथा बार-बार 'युद्ध के कगार पर पहुंचने' जैसी स्थितियां तैयार कर सकता है। भारत-पाकिस्तान संबंधों के विशेषज्ञ स्वर्गीय स्टीफेन कोहेन ने कहा था, 'वे सौ साल तक लड़ेंगे।' पाकिस्तान द्वारा अनेकानेक आतंकी हमलों और भारत की वास्तविक नियंत्रण रेखा-एलओसी तथा अंतरराष्ट्रीय सीमा रेखा-आईबी पर की गई बदला लेने की स्पष्ट कार्रवाइयों के बावजूद यह स्थिति बनी हुई है। इन जवाबी कार्रवाइयों पर खर्च लगातार बढ़ता जा रहा है, इससे क्षेत्र की आर्थिक प्रगति प्रभावित हुई है, असंख्य मानव जीवन का नुकसान हुआ है तथा दोनों देशों के बीच घृणा और हिंसा की जड़ें गहराती जा रही हैं। इस बार संभवत: जनता में व्याप्त भारी गुस्से के कारण संवाद को समुचित स्थान नहीं मिला है और पहलगाम के बाद यही स्थिति बनी रहने की उम्मीद है।

सर्वाधिक भयानक आतंकी हमला 13 दिसंबर, 2001 को पाकिस्तान के जैशे मुहम्मद ने लोकतंत्र के मंदिर भारत की संसद पर किया था। संसद के प्रवेश द्वार पर उनसे साढ़े बारह मिनट मुठभेड़ हुई थी और लगभग इतने ही समय में आतंकियों ने 26 निरपराध हिंदू पर्यटकों की हत्या कर दी है। पहलगाम हमले में सुरक्षा बलों की धीमी कार्रवाई तथा खुफिया और सुरक्षा कमियां सामने आई हैं। 2001 में भाजपा नीत राजग सरकार ने 24 घंटे के भीतर 'आपरेशन पराक्रम' जैसा अभूतपूर्व कदम उठाया था जिससे भारत और पाकिस्तान युद्ध के कगार पर पहुंच गए थे। उस समय भारत के खिलाफ पाकिस्तान का छद्म युद्ध अपने शिखर पर था।

हर माह आतंकवाद-विरोधी कार्रवाइयों में दस सैनिक, 0.5 जेसीओ और 1.7 अधिकारी मारे जाते हैं जिसका अर्थ है कि हर सोलह महीने में एक कारगिल युद्ध होता है। हालांकि, प्रतिरोध आतंकियों के खिलाफ प्रभावी नहीं है, पर प्रतिरोध बढ़ाने तथा उरी और पुलवामा के बाद कठोर कार्रवाइयों से आतंक के स्तर में काफी कमी आई है। इनमें अनुच्छेद 370 समाप्त करने जैसे राजनीतिक कदम भी शामिल हैं। जहां 2001 में 4000 से5000 आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई होती थी, वहीं आज यह संख्या गिर कर लगभग 100 रह गई है जिनमें 75 विदेशी आतंकी शामिल हैं। लेकिन पहलगाम ने सरकार के इस दावे पर सवाल उठाए हैं कि जम्मू कश्मीर आतंकियों से मुक्त हो गया है तथा कश्मीरी मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। लेकिन आतंकियों को समुचित स्थानीय समर्थन के कारण बहुत से इससे अलग हैं। यदि ऐसा होता तो प्रशासनिक अधिकारियों को सैकड़ों-हजारों ओवरग्राउंड समर्थकों को गिरफ्तार न करना पड़ता। पहलगाम अतीत में लक्ष्य चुनने की तुलना में गुणात्मक रूप से अलग है। पहले मुख्यत: सैनिक ठिकानों पर निशाना लगाया जाता था जिनमें पठानकोट हवाईअड्डा, उरी ब्रिगेड मुख्यालय तथा पुलवामा में सीआरपीएफ काफिला शामिल हैं।

पहलगाम में नागरिकों पर निशाना लगाया गया और पेंटागन के अनुसार, नागरिक ठिकानों पर हमला आतंकवाद है। आतंकवादियों का उद्देश्य पर्यटकों पर हमले के बजाय कश्मीरी जनता की एकजुटता तोड़ना था। पहली बार उन्होंने ऐसा काम किया है जिससे स्थानीय अर्थव्यवस्था तथा आजीविकाओं पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ेगा। एक और अंतर है। पहली बार एक आतंकी ने पीड़ित की महिला को कहा कि वे उसे इसलिए छोड़ रहे हैं ताकि वह मोदी को हमले के बारे में बता सके। आमतौर से आतंकी और विद्रोही महिलाओं और बच्चों तथा डाक्टरों पर निशाना नहीं लगाते हैं। इस प्रकार आतंकियों ने पहलगाम से व्यक्तिगत रूप से मोदी पर निशाना लगाया है। हर बड़े हमले के बाद पाकिस्तान ने अपनी संलिप्तता से इनकार किया है और मुंबई, 2008 के बाद भी उसने ऐसा ही किया था जिसमें कसाब को गिरफ्तार किया गया था। वह हमेशा 'विश्वसनीय प्रमाणों' की मांग करते हुए संयुक्त जांच की बात करता था, लेकिन इस बार उसने चीन के समर्थन से 'तटस्थ जांच' की मांग की है।

भारत की सबसे बड़ी और लंबी सैनिक लामबंदी 'आपरेशन पराक्रम' के दौरान शुरुआती मांगें 14 दिसंबर, 2001 को जैश और लश्कर आतंकियों की गतिविधियों पर रोक लगाना, उसके नेताओं को गिरफ्तार करना तथा उनके कार्यालयों को बंद करना था। बाद में इन मांगों का विस्तार कर पाकिस्तान से सीमापार से आतंकवाद पर विराम लगाने तथा आतंकवाद को उसके सभी रूपों में छोड़ने की बात कही गई। पहलगाम में आतंकियों ने एक भीतरी और ऊंचाई वाला क्षेत्र चुना तथा वे पाइन के जंगलों से होकर जल्दी भागने का लाभ उठाने में सफल हुए। प्रधानमंत्री मोदी ने आतंकियों को धरती के छोर से भी पकड़ने के निर्देश दिए हैं और उन पर 20 लाख रुपये का इनाम घोषित किया गया है। अब तक भारत के बदले की कार्रवाई मुख्यत: राजनयिक, आर्थिक तथा जनता के स्तर पर होती थी। इस्लामाबाद में भारतीय दूतावास का आकार बहुत अधिक घटा दिया गया है। अभूतपूर्व ढंग से इस बार सिंधु जल समझौता रद्द किया गया है जो पिछले सभी टकरावों के दौरान बना रहा था।

भारत ने कहा है कि 'सिंधु नदी से पाकिस्तान को एक बूंद पानी भी नहीं दिया जाएगा' तथा 'हम पाकिस्तान को घुटनों पर ला देंगे।' इसके जवाब में पाकिस्तान ने कहा है कि 'यदि पानी रोका गया तो भारत का खून बहेगा।' मोदी का यह कथन बहुत लोकप्रिय हुआ है कि 'खून और पानी एकसाथ नहीं बह सकता है।' इससे बहुत लंबे समय से प्रतीक्षित जल-युद्ध शुरू हो सकता है। टीवी स्टूडियो में भी युद्ध की बातें हो रही हैं। भारत की जनता बदला लेने की मांग कर रही है। एक पाकिस्तानी मंत्री ने कहा है कि 130 नाभिकीय मिसाइलें केवल दिखाने के लिए नहीं हैं। इस प्रकार नाभिकीय युद्ध की धमकियां भ्झी पाकिस्तान की ओर से दी जा रही हैं। लेकिन आश्चर्यजनक रूप से अभी एलओसी पर युद्धविराम 2021 मोटेतौर से लागू है।

हालांकि, आतंकवादी हमलों पर पाकिस्तान की छाप स्पष्ट है, पर भारत को जमीनी यथार्थ पर भी गौर करना चाहिए। पहलगाम के बाद और भारतीय सीसीएस निर्णयों के पश्चात पाकिस्ता की राष्ट्रीय सुरक्षा समिति के बयान पर गौर करना चाहिए। इसमें कुलभूषण जाधव तथा बलूचिस्तान व अफगानिस्तान में भारत की परोक्ष गतिविधियों का उल्लेख है। एनएसए अजीत डोवाल ने भी बलूचिस्तान पर खतरे को ऐतिहासिक बताया है।

हाल ही में बलूचिस्तान में बीएलए के अनेक हमलों में जाफ़र एक्सप्रेस पर हमला भी शामिल है। पाकिस्तानी डीजी आईएसपीआर ले.जन. अहमद शरीफ़ चौधरी ने का था कि 'अब खेल के नियम बदल गए हैं।' उनका इशारा इन घटनाओं में भारत की कथित संलिप्तता की ओर है। एक साक्षात्कार में 'फ्राईडे टाइम्स' के संपादक नज्म सेठी ने भी इसी ओर संकेत किया है। पहलगाम में आतंकी हमला हुए एक सप्ताह का समय बीत गया है।

इस बीच आतंकियों के बारे में कोई खबर नहीं है, जबकि उनसे पूछताछ पाकिस्तान के आरोपों को झुठला सकती है। भारत की प्रतिक्रिया जन-भावनाओं के बजाय सुनियोजित एवं सटीक होनी चाहिए। बालाकोट में युद्ध भड़कने की आशंका को ट्रंप और देश में चुनावी लाभ ने निष्क्रिय कर दिया था। लेकिन जहां ट्रंप के दूसरे कार्यकाल के बारे में अनुमान नहीं लगाया जा सकता है, वहीं बिहार में विधानसभा चुनाव भी निकट आ रहे हैं। पाकिस्तान कश्मीर में अराजकता एवं अव्यवस्था पैदा करने तथा उसे सुर्खियों में बनाए रखने के लिए कोई भी खतरा उठाने को तैयार है।

गुजरात में एनीमिया व कुपोषण से संघर्ष

> “आरोग्य नामक इस परियोजना का पहला कदम यह सुनिश्चित करना था कि आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक और पारंपरिक संवेदनशीलताओं का सम्मान किया जाए।”

स्वप्ना मजूमदार
(लेखिका, वरिष्ठ पत्रकार हैं)

जब हेमंत देशमुख स्वास्थ्य और पोषण के बारे में बात करते हैं, तो गुजरात के डांग और नवसारी में रहने वाले समुदाय उनकी बात सुनते हैं। ऐसा सिर्फ़ इसलिए नहीं है क्योंकि देशमुख शिक्षित हैं, उनमें से कई लोगों के विपरीत, बल्कि इसलिए भी क्योंकि वे भी उन्हीं की तरह आदिवासी समुदाय से हैं।

एक ही समुदाय से होने के कारण देशमुख को विश्वास बनाने, सीखने को मज़ेदार बनाने और मिथकों और भ्रांतियों को दूर करने में मदद मिली है, ताकि इन दोनों मुख्य रूप से आदिवासी जिलों में महिलाओं, बच्चों और किशोरों के स्वास्थ्य और पोषण की स्थिति में सुधार हो सके। इन समुदायों तक पहुंचना कितना महत्वपूर्ण रहा है, इसका अंदाज़ा नवीनतम राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण 2019-2021 (एनएफएचएस-5) के आंकड़ों से लगाया जा सकता है। एनएफएचएस-5 के अनुसार, डांग में लगभग 77 प्रतिशत और नवसारी में 72 प्रतिशत किशोर लड़कियां एनीमिया से पीड़ित हैं, और आदिवासी महिलाओं का एक महत्वपूर्ण प्रतिशत एनीमिया से प्रभावित है (डांग में 72 प्रतिशत और नवसारी में लगभग 60 प्रतिशत)।

इसके अलावा, पांच साल से कम उम्र के बच्चों में एनीमिया का प्रसार डांग में 82 प्रतिशत और नवसारी में 75.3 प्रतिशत है - दोनों ही राष्ट्रीय औसत (67 प्रतिशत) से अधिक हैं। यह चिंताजनक आंकड़े ही थे, जिसने स्वास्थ्य और पोषण जागरूकता पर काम करने वाली अहमदाबाद स्थित गैर-लाभकारी संस्था चेतना को इन दो जिलों पर अपना ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया।

मार्च 2022 में, इसने महिलाओं, बच्चों और किशोरों के लिए पोषण की स्थिति और स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच में सुधार के लिए इन दोनों जिलों के 16 गांवों में अपनी तीन वर्षीय परियोजना का कार्यान्वयन शुरू किया।

आरोग्य नामक इस परियोजना का पहला कदम यह सुनिश्चित करना था कि आदिवासी समुदाय की सांस्कृतिक और पारंपरिक संवेदनशीलताओं का सम्मान किया जाए। फील्ड कोऑर्डिनेटर के रूप में देशमुख को चुनने का निर्णय एक अच्छा निर्णय साबित हुआ, क्योंकि वह न केवल उसी आदिवासी समुदाय से थे, बल्कि स्थानीय बोली भी बोलते थे और स्थानीय रीति-रिवाजों और मान्यताओं से अच्छी तरह वाकिफ थे।

वह गर्भवती महिलाओं, किशोरों और पांच साल से कम उम्र के बच्चों की देखभाल करने वालों को स्थानीय बोलियों डांगी और कुनकी में आहार, स्वास्थ्य मुद्दों और यहां तक कि मासिक धर्म पर परामर्श देने में सक्षम थे। पोषण संबंधी एनीमिया के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए चेतना द्वारा विकसित अभिनव एनीमिया किट से देशमुख की मदद हुई। काफी हद तक उदाहरणात्मक, किट में कई संचार उपकरण हैं, जिनमें एनीमिया पर तकनीकी जानकारी, प्रमुख संदेशों पर तीन पोस्टर का एक सेट, रोल प्ले के लिए एक स्क्रिप्ट और इन उपकरणों का उपयोग करने के तरीके पर क्षेत्र कार्यकर्ताओं के लिए एक मार्गदर्शिका शामिल है।

इसके अतिरिक्त, इसमें एनीमिया संदेशों को शामिल करने के लिए संशोधित स्थानीय लोक गीतों का एक हैंडआउट और एनीमिया के कारणों और रोकथाम पर चर्चा को दिलचस्प बनाने के लिए एक स्पिनिंग डिस्क गेम शामिल है।

किट में एक विंडो चार्ट भी शामिल है। इसमें हरी सब्जियां और पूरा खाना खाने वाली महिलाओं की छवि को स्वस्थ दिखाया गया है किट एक्सप्लेनर भी बहुत उपयोगी था - एनीमिया से पीड़ित गर्भवती महिलाओं के डर को दूर करने के लिए कि अगर वे बहुत ज़्यादा खाएँगी तो गर्भ में बच्चे का दम घुट जाएगा; या अगर वे बैंगन खाएँगी तो बच्चे का रंग सांवला होगा; और सफ़ेद रंग का खाना खाने से प्रसव के दौरान कठिनाई होगी। एक और प्रभावी रणनीति का इस्तेमाल किया गया, जो स्थानीय फ्रंटलाइन स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं जैसे कि आशा, एएनएम और आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के साथ सहयोग करना था। उन्हें शामिल करके, देशमुख मातृ, शिशु और किशोर स्वास्थ्य से संबंधित सरकारी योजनाओं तक पहुँच में वृद्धि सुनिश्चित करने में सक्षम थे।

नई बहुआयामी रणनीतियों और देशमुख के समर्पित प्रयासों की बदौलत, महिलाएँ अब झाड़-फूंक करने वालों से परामर्श नहीं ले रही हैं - जो कि आरोग्य शुरू होने से पहले प्रचलित प्रथा थी। इसके बजाय, वे अपने गाँवों के नज़दीक प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर जा रही हैं और अपनी गर्भावस्था को पंजीकृत करा रही हैं।

उनके परिवार उनके स्वास्थ्य और पोषण पर नज़र रख रहे हैं ताकि प्रसव के समय कोई भी महिला कुपोषित या एनीमिया से पीड़ित न हो। महिलाएं प्रसव पूर्व और प्रसव पश्चात जांच के लिए आ रही हैं, टिटनेस के टीके लगवा रही हैं और फोलिक आयरन की गोलियां ले रही हैं। एक और स्पष्ट बदलाव यह आया है कि महिलाएं आंगनवाड़ी केंद्र पर गर्भवती महिलाओं और स्तनपान कराने वाली माताओं को वितरित किए जाने वाले पोषक तत्वों से भरपूर भोजन के पैकेट का उपयोग कर रही हैं।

आरोग्य परियोजना शुरू होने से पहले, ये पैकेट घर की गायों को खिलाए जा रहे थे ताकि वे अच्छा दूध दें। हालांकि, देशमुख और उनकी टीम द्वारा कटहल, खजूर और सहजन जैसी स्थानीय रूप से उपलब्ध सब्जियों को मिलाकर इन पैकेटों को पकाने का प्रदर्शन करने के बाद, इन्हें महिलाएं खा रही हैं। कुपोषित शिशुओं को अब उनकी पोषण संबंधी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए दिन में चार या पांच बार थोड़ा-थोड़ा भोजन दिया जा रहा है - यह रेखांकित करते हुए कि जन-केंद्रित कार्यक्रमों से बदलाव संभव है।

आप की बात

चीन पर संकट

भारत-पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर पहुँचने के साथ ही अमेरिका- चीन टैरिफ युद्ध भी तेज़ हो गया है। अमेरिका से मिलने वाले ऑर्डर रद्द हो जाने के कारण चीन के कई कारखानों को ताले लग गए हैं और इन क्षेत्रों से जुड़े लगभग 1 से 2 करोड़ चीनी कर्मचारियों पर बेरोजगारी की तलवार लटक रही है। खिलौने, खेल सामग्री और सस्ते उत्पाद बनाने वाले कई कारखानों ने अपने कर्मचारियों को घर भेज कर उत्पादन लगभग बंद कर दिया है। अब कई चीनी कंपनियाँ अमेरिका पर निर्भर न रहते हुए यूरोप और लैटिन अमेरिका में नए ग्राहक खोजने की कोशिश कर रही हैं। वे भारत और दक्षिण-पूर्व एशिया में उत्पादन इकाइयाँ स्थापित करने पर भी विचार कर रही हैं। आने वाले महीनों में यह बदलाव चीन के निर्यात मॉडल को पूरी तरह बदल सकता है। चीन के प्रमुख निर्यात केंद्र यीवू और डोंगगुआन में स्थिति सबसे चिंताजनक है। निंगबो की एथलेटिक वियर फैक्ट्री ने घरेलू बाजार में ऑनलाइन बिक्री शुरू कर दी है। कई चीनी कंपनियों के प्रमुखों का मानना है कि ट्रम्प के टैरिफ का असर कोविड-19 से भी ज्यादा गंभीर है। इन स्थितियों को देखते हुए भारत सरकार द्वारा विभिन्न उद्योगों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए किए जाने वाले प्रयासों का महत्व और स्पष्ट हो जाता है।

– **दत्तप्रसाद शिरोडकर,** मुंबई

जैन संतों की सुरक्षा

हाल ही में जैन संतों पर हुए सिलसिलेवार हमले न केवल चिंताजनक हैं, बल्कि यह देश की कानून व्यवस्था और धार्मिक सहिष्णुता पर भी गंभीर प्रश्न खड़े करते हैं। शांतिपूर्ण जीवन और अहिंसा के सिद्धांतों पर चलने वाले जैन संतों पर किए जा रहे हमले एक सुनियोजित साजिश का संकेत देते हैं, जिसे किसी भी रूप में स्वीकार नहीं किया जा सकता। कुछ दिन पहले पैदल विहार कर रहे जैन संतों को एक वाहन ने टक्कर मार दी जिससे वे घायल हो गए। इसके बाद उन्हेल-नागदा मार्ग पर छेड़छाड़ की घटना और हाल ही में उज्जैन में स्थानक भवन पर धार्मिक आयोजन के दौरान शांति भंग का प्रयास किया गया। ये सभी घटनाएँ जैन समाज में भय और असुरक्षा का वातावरण उत्पन्न कर रही हैं। इससे अधिक दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि इन मामलों में गिरफ्तार किए गए आरोपियों को कुछ ही घंटों में जमानत पर छोड़ दिया गया। इससे अपराधियों का मनोबल बढ़ता है और पीड़ित समुदाय स्वयं को उपेक्षित महसूस करता है। जैन समाज देश का एक प्राचीन और सांस्कृतिक रूप से समृद्ध समुदाय है जो हमेशा से अहिंसा, संयम और सेवा के मूल्यों का पालन करता आया है। संपूर्ण जैन समाज व उसके संतों की सुरक्षा महत्वपूर्ण है।

– **सुभाष बुड़ावन वाला,** रतलाम

पाकिस्तानी साजिश

पहलगाम हमले से सरकार ने बहुत सबक लिए हैं। सब जानते हैं कि सोशल मीडिया पर कितना फर्जीवाड़ा है। अनेक यूट्यूब चैनल पर तो विश्वास ही नहीं होता। इनके द्वारा पाकिस्तान की गंदी साजिश बेनकाब हो गई है। देश, हमारी सेना और सुरक्षा एजेंसियों के खिलाफ भड़काऊ, सांप्रदायिक और भ्रामक कंटेंट फैलाने वाले 16 पाकिस्तानी चैनलों को भारत सरकार ने सख्त कार्रवाई कर ब्लॉक कर दिया है। पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद इन चैनलों ने आतंकवाद की पैरोकारी की थी वह न केवल शर्मनाक है बल्कि एक क्रमबद्ध सूचना युद्ध का हिस्सा भी है। लगातार ये चैनल भारत के खिलाफ जहर उगलने और सद्भाव को आहत करने में लगे थे। डॉन न्यूज़ और जियो न्यूज़ तो मानों भारत में नफरत और भ्रम फैलाने का ही एजेंडा लिए हुए हैं। इनको काफी समय पूर्व ही बैन कर दिया जाना चाहिए था। यह केवल सूचना सुरक्षा का मामला नहीं, बल्कि देश की अखंडता और शांति को बनाए रखने का सवाल है। इस हमले पर बीबीसी जैसी वैश्विक संस्था भी समाचारों को स्तरहीन बनाने से नहीं चुकी। बीबीसी की जघन्य अपराधों की गंभीरता को हल्का करने की साजिश जांच का विषय है। उसे शब्दों के चयन में सावधानी बरतनी चाहिए।

–**अमृतलाल मारू,** इंदौर

अभूतपूर्व कार्रवाई

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उच्चस्तरीय बैठक में रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, सीडीएस जनरल अनिल चौहान व तीनों सेना प्रमुख शामिल हुए। इसमें सबको उचित कार्रवाई के लिए पूरी छूट दी गई है। विदेशमंत्री एस. जयशंकर भी अनेक देशों के विदेशमंत्रियों के संपर्क में हैं। इस प्रकार भारत सरकार ने रणनीतिक व आर्थिक मोर्चों पर भी तैयारी शुरू कर दी है। इन कदमों से स्पष्ट है कि पाकिस्तान पर सख्त सैनिक कार्रवाई हो सकती है। पाकिस्तान ही दुनिया में आतंकवाद को बढ़ावा देने और अपने यहाँ आतंकियों को पालने का काम करता है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार इस बार पाकिस्तान में छिपे बैठे आतंकियों तथा उनको पालने-पोसने वाले तत्वों के खिलाफ अभूतपूर्व कार्रवाई की तैयारी कर रही है। सेना को कार्रवाई का समय तय करने और विस्तृत रणनीति बनाने की आजादी दे कर सरकार ने स्पष्ट कर दिया है कि वह देश की सुरक्षा को सर्वोच्च महत्व देने के साथ भारत की आत्मा पर हुए हमले का ऐतिहासिक जवाब देने के लिए तैयार है।

– **महेश नेनावा,** इंदौर

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

जल संरक्षण को लेकर ग्रामीणांचल में आयोजित होंगी जल चौपालें: डीएम

संवाददाता। उरई, जालौन

जल संरक्षण के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने हेतु ग्राम अमीटा, जनपद में एक विशेष जल चौपाल का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम प्राथमिक विद्यालय अमीटा के परिसर में सम्पन्न हुआ, जिसकी अध्यक्षता राजेन्द्र सिंह ने की। चौपाल का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण समुदाय को जल संरक्षण के महत्व से अवगत कराना और जल संकट से निपटने हेतु सामूहिक सहभागिता को बढ़ावा देना था। अपने संबोधन में राजेन्द्र सिंह ने कहा कि यदि वर्तमान में पानी को बचाने के प्रयास नहीं किए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को इसके दुष्परिणाम झेलने होंगे। उन्होंने वर्षा जल संचयन, परंपरागत जल स्रोतों के पुनर्जीवन और भूगर्भ जल संरक्षण की महत्ता पर प्रकाश डाला तथा अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि सामूहिक प्रयासों से कैसे सूखा प्रभावित क्षेत्रों को जल समृद्धि की ओर ले जाया जा सकता है। जिलाधिकारी राजेश कुमार पाण्डेय ने भी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि जिला प्रशासन जल संरक्षण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रहा है।

उन्होंने कहा कि जनपद के प्रत्येक गांव में इस प्रकार की जल चौपालों का आयोजन किया जा रहा है, जिससे आमजन को जल संरक्षण अभियानों से जोड़ा जा सके। चौपाल के दौरान ग्रामीणों से संवाद स्थापित करते हुए खेत तालाब योजना, नदियों के पुनर्जीवन, जल प्रबंधन एवं संवर्धन तकनीकों पर विस्तृत जानकारी साझा की गई। ग्रामीणों से अपील की गई कि वह अपने गांवों में जल स्रोतों की सफाई, संरक्षण और विवेकपूर्ण उपयोग को अपनाएं। यह चौपाल न केवल एक जागरूकता कार्यक्रम साबित हुआ, बल्कि जल संकट से निपटने के लिए समुदाय को एकजुट होकर कार्य करने की प्रेरणा भी बना। इस अवसर पर मुख्य विकास अधिकारी राजेन्द्र कुमार श्रीवास, उप जिलाधिकारी कोंच ज्योति सिंह, संबंधित अधिकारी के साथ परमार्थ संस्था से संजय, अरुण आदि मौजूद रहे।

डीएम ने जनप्रतिनिधियों के साथ की बैठक में कार्ययोजना के प्रस्ताव लिये

संतकबीरनगर। जिलाधिकारी आलोक कुमार की अध्यक्षता में लोक निर्माण विभाग, संतकबीरनगर के वित्तीय वर्ष 2025-26 के अन्तर्गत शासन द्वारा दिये गये दिशा-निर्देश के अनुपालन में कार्ययोजना गठन हेतु कलेक्ट्रेट सभागार में बैठक आयोजित हुई। इस अवसर पर विधायक खलीलाबाद अंकुर राज तिवारी, विधायक मेंहदावल अनिल कुमार त्रिपाठी, विधायक धनघटा गणेश चंद्र चौहान एवं मुख्य विकास अधिकारी जयकेश त्रिपाठी उपस्थित रहे।

बैठक में अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रस्तावित किये जाने वाले मार्गों के नवनिर्माण/चौड़ीकरण/मरम्मत/सेतु का निर्माण आदि विभिन्न योजनाओं के सम्बन्ध में विस्तार से अवगत कराया गया। जिलाधिकारी द्वारा अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया गया है कि जनप्रतिनिधियों द्वारा जनपद संतकबीरनगर के विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत जो भी प्रस्ताव प्राप्त हुये है उनका स्थलीय निरीक्षण करवाकर जनपद के विकास हेतु विस्तृत कार्ययोजना गठित कर शासन को शीघ्र प्रेषित करना सुनिश्चित करें। इस अवसर पर अधिशासी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग आर0के0 पांडेय, अधिशासी अभियन्ता सेतु निगम, एवं संबंधित अधिकारी आदि उपस्थित रहे।

एक दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंचे राहुल गांधी, जगह-जगह हुआ स्वागत

संवाददाता। अमेठी

लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी सोमवार को एक दिवसीय दौरे पर अमेठी पहुंचे। दौरे के दौरान राहुल गांधी का जगह-जगह भव्य स्वागत हुआ और कांग्रेस कार्यकर्ताओं में जबरदस्त जोश देखने को मिला। लोकसभा चुनाव के बाद लगभग दस महीने के लंबे अंतराल के बाद अमेठी संसदीय क्षेत्र आये हैं। उन्होंने कोरवा स्थित ऑर्डिनेंस फैक्टरी में निर्मित हथियारों का निरीक्षण किया और मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल परिसर में ओपन हार्ट सर्जरी ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन किया। राहुल गांधी का काफिला सबसे पहले अमेठी के कोरवा स्थित ऑर्डिनेंस फैक्टरी पहुंचा। जहां उन्होंने फैक्टरी में बन रहे घरेलू हथियारों और तकनीकी उपकरणों की जानकारी ली।

फैक्टरी अधिकारियों ने उन्हें उत्पादन प्रक्रिया और रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में उठाए गए कदमों की जानकारी दी। संजय गांधी अस्पताल में हृदय रोगियों को मिलने वाली सुविधाओं का निरीक्षण करने के बाद राहुल गांधी मुंशीगंज स्थित संजय गांधी अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने ओपन हार्ट सर्जरी ऑपरेशन थिएटर का उद्घाटन किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि अब हृदय रोग से पीड़ित मरीजों को लखनऊ या अन्य शहरों में जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अमेठी में ही अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधा उपलब्ध होगी।

कांग्रेस संगठन को मजबूत करने पर दिया जोर

राहुल गांधी ने जिले के सीनियर कांग्रेस कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की अपील की। उन्होंने कार्यकर्ताओं से कहा कि वे ग्राम पंचायत से लेकर जिला स्तर तक पार्टी को सक्रिय करें और ऐसे लोग आगे आएं जो समय देकर संगठन को मजबूती प्रदान कर सकें। फुरसतगंज के उसरहा बाबा चौराहे पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष प्रदीप सिंघल के नेतृत्व में सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने राहुल गांधी का स्वागत किया।

एटक द्वारा किया गया कैरियर काउंसलिंग कैंप का आयोजन

रायबरेली। एनटीपीसी के स्वर्ण जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में एटक यूनियन ने सीनियर छात्रों के लिए तीन दिवसीय कैरियर काउंसलिंग कैंप का आयोजन किया । जिसमें कालोनी परिसर के तीनों स्कूलों सरस्वती विद्या मंदिर, डीएवी एवं चिन्मय विद्यालय के एक हजार से ज्यादा सीनियर छात्रों ने भाग लिया। जहां उन्हें इंजीनियरिंग, चिकित्सा, सिविल सर्विसेज, चार्टर्ड अकाउंटेंसी, कानून, प्रबंधन, रक्षा सेवाएं, पायलट प्रशिक्षण, फैशन टेक्नोलॉजी तथा मीडिया जैसे विभिन्न क्षेत्रों में कैरियर चयन हेतु मार्गदर्शन प्रदान किया गया। संशिक्षा एकेडमी के वरिष्ठ शिक्षा सलाहकार, श्री नीरज सोनी एवं श्री अभिषेक निरंजन ने छात्रों को कैरियर चयन एवं प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के उपयोगी सुझाव दिए। कार्यक्रम के समापन समारोह में परियोजना प्रमुख श्री अभय कुमार श्रीवास्तव ने इस कार्यक्रम को छात्रों के भविष्य निर्माण की दिशा में बहुत ही उपयोगी कदम बताया । उन्होंने बच्चों से कहा कि वो जिम्मेदारी लेने के लिए आगे बढ़े। एटक यूनियन के अध्यक्ष जितेन्द्र कुमार श्रीवास्तव ने अपने संबोधन में कहा कि इस कैंप में छात्रों ने अपने भविष्य के लक्ष्यों के प्रति जिस प्रकार खुलकर संवाद किया और उन लक्ष्यों तक पहुँचने की जानकारी ली।

गौवंशों की दुर्दशा का वीडियो वायरल होने पर एसडीएम ने लिया संज्ञान

●टीम भेजकर असनी गौशाला की कराई पड़ताल

संवाददाता। महराजगंज, रायबरेली

ब्लाक क्षेत्र के असनी गांव स्थित बनी गौशाला में गौवशों की दुर्दशा का विडियो सोशल मीडिया में वायरल होने के बाद हडकंप मच गया असनी की गौशाला में क्षमता से अधिक गौवंश रखे गए हैं, गौशाला की क्षमता 300 के करीब है लेकिन मौजूद 387 गौवंश हैं, इससे व्यवस्था बे पटरी होना लाजिमी है।

एसडीएम सचिन यादव ने मामले का संज्ञान लेते हुए बीडीओ और उप मुख्य चिकित्साधिकारी को तत्काल मौके पर जाकर जांच पडताल कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए।वायरल विडियो में गौशाला के अंदर करीब चार से पांच गौवंश बीमार अवस्था में तडप रहे थे उनमें से कुछ गौवंशो के घाव भी था वहीं दूसरी ओर गौशाला के अंदर साफ सफाई की व्यवस्था बदतर स्थिति में दिखाई दे रही थी। एसडीएम के निर्देश पर मंगलवार को बीडीओ वर्षा सिंह उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सुरेश चन्द्रा, ग्राम विकास अधिकारी वैभव मिश्रा एपीओ राजीव त्यागी गौशाला पहुंचे और व्यवस्थाएं परखी जांच पडताल के दौरान पांच गौवंश बीमारी हालत में मिले इसके आलावा बीडीओ ने गौवशों के रखरखाव हिट वेव से बचाव चारा भूसा की उपलब्धता पीने के पानी का इंतजाम साफ सफाई आदि चीजें देखीं बीडीओ ने मौके पर मौजूद ग्राम प्रधान दीपू चौधरी को कडी हिदायत देते हुए साफशब्दों में कहा कि गौवंशों के रख रखाव में किसी प्रकार की कोताही न बरती जाए यदि लापरवाही मिली तो जवाबदेही तय की जाएगी। बीडीओ ने बताया कि उप मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ सुरेश चन्द्रा द्वारा बीमार गौवंशो का इलाज किया गया है।

पांच गौवंश वृद्धावस्था के कारण बीमार मिले हैं, गौशाला में 70 कुंतल के करीब भूसा की उपलब्धता मिली है,सात बोरी चूनी चोकर पांच बोरी पशु आहार भी मौके पर मिला है, सफाई व्यवस्था बेहतर न मिलने पर फटकार लगाई गई है, प्रधान और सचिव को बेहतर रख रखाव के निर्देश दिए गए हैं।

हिन्दू संगठनों ने फूंका पाकिस्तान का पुतला

शिवगढ़ ,रायबरेली। जम्मू कश्मीर के पहलगाव में हुए आतंकी हमले को लेकर शिवगढ़ नगर पंचायत के भवानीगढ़ चौराहे पर मंगलवार को हिंदू संगठनों ने पाकिस्तान के खिलाफ विरोध प्रदर्शन किया। भाजपा, विश्व हिंदू परिषद और राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के कार्यकर्ताओं ने पाकिस्तान का पुतला जलाकर पाकिस्तान के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों ने पाकिस्तान मुर्दाबाद के नारे लगाए। हिंदूवादी संगठनों का कहना था कि पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाना चाहिए कि वह दोबारा ऐसी हरकत न करे। प्रदर्शनकारियों ने भारत में बैठे पाकिस्तान समर्थकों पर कार्रवाई की मांग की। उनका कहना था कि जो लोग आतंकवाद को बढ़ावा दे रहे हैं, उन पर भी कार्रवाई होनी चाहिए। कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के खण्ड कार्यवाह विनय त्रिवेदी, खण्ड संचालक अमर सिंह राठौर समेत संतोष श्रीवास्तव, शिव देवी, अंजू, सुमन पांडेय, टीनू चंद्रा रावत, राकेश रावत, डॉ जी बी सिंह, रामशरण यादव, श्रवण पांडेय, मौजूद रहे।

गल्ला व्यापारियों ने पर्यटकों की हत्या पर जताया दुख, फूंका आतंकवाद का पुतला

संवाददाता। जालौन, उरई

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले में 28 निर्दोष भारतीयों की नृशंस हत्या से नगरवासियों में शोक और आक्रोश का माहौल है। इस हृदयविदारक घटना के विरोध में गल्ला व्यापार कल्याण समिति के आवाहन पर गल्ला मंडी में व्यापार ठप रहा। गल्ला व्यापारियों ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन राधा कृष्ण मंदिर के पास किया। इसके बाद व्यापारी मंदिर परिसर से आतंकवाद विरोधी पुतला लेकर गल्ला मंडी गेट पर पहुंचे। जहां आतंकवाद व पाकिस्तान के विरोध में नारेबाजी की गई और पुतला फूंका गया।

गल्ला व्यापार कल्याण समिति के तत्वावधान में आयोजित श्रद्धांजलि सभा की शुरुआत दो मिनट के मौन व्रत के साथ हुई, जिसमें उपस्थित गल्ला व्यापारियों ने गहरी संवेदना प्रकट की। राधा कृष्ण मंदिर परिसर के पास आयोजित श्रद्धांजलि सभा में व्यापारियों ने आतंकवाद के खिलाफ एकजुटता का संदेश दिया। सभा में समिति अध्यक्ष प्रेमदास गुप्ता ने मौजूद इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए केंद्र सरकार से मांग की कि दोषियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जाए और भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो, इसके लिए प्रभावी रणनीति तैयार की जाए। पुष्पेंद्र सेंगर ने कहा, कि पहलगाम में जो अमानवीय कृत्य हुआ, वह सम्पूर्ण देश की आत्मा को झकझोर देने वाला है। यह सिर्फउन 28 परिवारों की नहीं, बल्कि पूरे भारतवर्ष की क्षति है। हमे आतंकवाद के खिलाफ दृढ़ता से खड़े होना होगा और इसका समूल नाश करना होगा। मोहन कुशवाहा ने कहा कि आतंकवाद की इस बर्बरता के आगे हम सब एकजुट होकर खड़े हैं। ऐसे क्षणों में समाज का प्रत्येक वर्ग पीड़ित परिवारों के साथ खड़ा होना चाहिए। हम सभी की प्रार्थनाएं और संवेदनाएं उनके साथ हैं। अंत मे मंदिर परिसर से आतंकवाद के खिलाफ पुतला निकाला गया।

पुतले को हाथ मे लेकर व्यापारी पाकिस्तान और आतंकवाद के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चल रहे थे। गल्ला मंडी गेट पर पुतले का दहन किया गया। बता दें, आतंकवाद के खिलाफ गल्ला व्यापारियों ने एकजुटता दिखाते हुए बुधवार को अपने अपने प्रतिष्ठान बंद रखे। इस दौरान मंडी में फसल की खरीद फरोख्त बंद रही। इस मौके पर भूरे मामा, पुष्पेंद्र सेंगर, नरेश अग्रवाल, शिवशंकर सिंह, नरेश गुप्त, शाहिद मंसूरी, मुनेद्र गुर्जर, रामू गुप्ता, अशोक गुप्ता, आदि मौजूद रहे।

बेखौफ युवक ने नाबालिग के साथ इमामबाड़े में किया दुष्कर्म, किया गया गिरफ्तार

संवाददाता। कालपी, जालौन

मौसी के घर से नानी के घर जा रही नाबालिग के साथ युवक ने इमामवाड़े में ले जाकर बलात्कार कर डाला। पुलिस ने उसकी मां की तहरीर पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

विदित हो कि उरई के मुहल्ला गणेशगंज बजरिया निवासी एक व्यक्ति की 16 वर्षीय पुत्री अपनी नानी के पास कालपी में रहती है। मंगलवार दोपहर वह नानी के घर से कुछ दूर स्थित मौसी के घर से किसी काम से गयी थी जहां से वह दोपहर को लौट रही थी। लेकिन वह घर पहुंचती की इससे पहले इमामवाड़े के सामने मौजूद जमील नामक युवक ने उसे पकड़ लिया और उसके अंदर खींचकर ले गया था। हालांकि इस दौरान उसने युवक की इस हरकत का काफी विरोध किया लेकिन युवक ने उसको छोड़ा नही था और जबरन बलात्कार कर डाला और जाते वक्त धमकी भी दी कि अगर किसी को बताया तो उसे तथा उसके परिवार को खत्म कर दिया जाएगा।

लेकिन युवक की दरिंदगी का शिकार हुई नाबालिग ने आपबीती अपनी नानी को बताई थी जिससे उसके पैरों तले जमीन खिसक गयी थी और इस घटना की जानकारी अपनी पुत्री को दी थी। पुत्री के साथ दरिंदगी की जानकारी पर मौका पर आई उसकी मां ने मामले की शिकायत कोतवाली पुलिस से की थी। वही नाबालिग के साथ दिनदहाड़े बलात्कार की जानकारी पर पुलिस भी सकते में आ गयी थी और आनन फानन आरोपी युवक को हिरासत में ले लिया था और जांच शुरू कर दी थी जिसमें घटना की पुष्टि भी हो गई थी और आनन फानन आरोपी युवक के खिलाफ बलात्कार की धारा 65 (1) तथा जान से मारने की धमकी के मामले में 351 तथा पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया था।

कोतवाली प्रभारी निरीक्षक परमहंस तिवारी के अनुसार वुधवार को आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है तथा बलात्कार पीड़ित नाबालिग को चिकित्सीय परीक्षण के लिए भेजा है। वही घटना से मुहल्लावासियों में भी आक्रोश है उनके मुताबिक युवक झाड़फूंक के नाम पर लोगों को ठग रहा था जहां पर महिलाओं का भी आना जाना था जिसका उन्होंने विरोध भी किया था लेकिन वह नहीं मान रहा था। उन्होंने प्रशासन से इस इमामवाड़े को बंद कराए जाने की मांग की है। कोतवाल के मुताबिक उन्होंने इमामवाड़ा के जिम्मेदारों को वहां पर सीसीटीवी कैमरे लगाए जाने की हिदायत दी है अन्यथा की स्थिति में उसे बंद करने की चेतावनी भी दी है।

विलेज हेल्थ न्यूट्रीशन डे पर हुआ विशेष टीकाकरण

गोंडा। श्री हरि नारायण साईं मंदिर चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित सावित्री देवी मिनी चैरिटेबल हॉस्पिटल निकट जय महल मैरिज हॉल लखनऊ रोड, गोंडा में विलेज हेल्थ न्यूट्रीशन डे पर विशेष टीकाकरण सत्र का उद्घाटन डॉक्टर जय गोविंद जिला प्रतिरक्षण अधिकारी द्वारा किया गया। इस नि:शुल्क अस्पताल में दवाएं तथा पैथोलॉजी की जांच काफी कम रेट में उपलब्ध है। यह अस्पताल मुख्यत: गरीबों तथा निराश्रित लोगों की सेवा हेतु समर्पित है। ट्रस्ट के मुख्य ट्रस्टी संजय कुमार जायसवाल एडवोकेट तथा अध्यक्ष अभिषेक जायसवाल अपने स्वर्गीय पिता हरिनारायण जयसवाल के पुण्य स्मृति में इसे संचालित करते हैं।

परशुराम जयंती पर भक्तों ने नगर में निकाली भव्य शोभा यात्रा

कालपी, जालौन। अक्षय तृतीया के अवसर पर नगर में परशुराम शोभायात्रा निकाली गई। इस दौरान यात्रा का जगह जगह स्वागत हुआ। शोभा यात्रा में बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता कर सफल बनाया। बुधवार को श्री ठक्कर बापा इण्टर के सभागार में आयोजित भगवान श्री परशुराम की जयंती पर निकलने वाली शोभायात्रा का वैदिक मंत्रोच्चार के साथ पूजन-अर्चन हुआ तथा ढोल नगाड़ों के साथ भगवान परशुराम जी भी भव्य शोभायात्रा निकाली गई जिसमें भगवान परशुराम जी भगवान राम व राधा कृष्ण जी के दिव्य स्वरूप शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा। इस दौरान सैकड़ों की संख्या में डीजे पर युवा थिरकते नजर आये। शोभायात्रा ठक्कर बापा इण्टर कालेज से कालपी कालेज कालपी टरननगंज फुल्ल पावर चौराहे दुर्गा मन्दिर कोतवाली बजरिया रेलवे स्टेशन बर्फ फैक्ट्री होते हुये भीतर बाजार से ठक्कर बापा इण्टर कालेज में समाप्त हुई। इस शोभायात्रा में महामण्डलेश्वर रामकरन दास जी महाराज, महंत जमुना दास जी महाराज, रामश्याम जी महाराज, मनीष महाराज, विधायक विनोद चतुर्वेदी, पूर्व विधायक डाक्टर अरुण मेहरोत्रा, आदि बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

मौरम पर बाइक फिसलने से पत्नी की मौत, पति घायल

जालौन, उरई। उरई मार्ग पर सातमील के पास सड़क पर पड़ी बालू से बाइक सवार दंपत्ति बाइक समेत सड़क पर फिसलकर गंभीर रूप से घायल हो गए। इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। जबकि गंभीर रूप से घायल पति को उच्च संस्थान रेफर किया गया। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम उदोतपुरा निवासी सतीश मिश्रा (52) पत्नी कस्तूरी (48) के साथ बाइक से उरई में शादी समारोह में सम्मिलित होने जा रहे थे। उरई जालौन मार्ग पर सात मील के माइनर का निर्माण चल रहा है। माइनर के निर्माण के लिए लाई गई बालू सड़क पर पड़ी थी। सड़क पर पड़ी बालू पर बाइक चढ़ने से बाइक फिसल गई और बाइक सवार दंपत्ति सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गए।

राजकीय बालिका हाईस्कूल ओसाह में प्रतिभा सम्मान समारोह का आयोजन

संवाददाता। शिवगढ़, रायबरेली

क्षेत्र के ग्राम पंचायत ओसाह स्थित राजकीय बालिका हाई स्कूल ओसाह,शिवगढ़ में प्रतिभा सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया गया। जिसमें हाईस्कूल के टॉपर मेधावी छात्र-छात्राओं तथा विभिन्न प्रकार की क्रिएटिव एक्टिविटी करने वाले छात्र- छात्राओं को सम्मानित करके उत्सवर्धन करते हुए उन्हें उज्जवल भविष्य की ढेरों शुभकामनाएं दी।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय की प्रधानाचार्य वन्दना राय द्वारा मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलन एवं माल्यार्पण से किया गया। गौरतलब हो कि हाईस्कूल की यूपी बोर्ड परीक्षा में रमन पटेल ने 82. 83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर करके कॉलेज टॉप किया है। वहीं आयुषी ने 81.83 प्रतिशत अंक प्राप्त करके कॉलेज में दूसरा स्थान अर्जित किया है। दृष्टि शुक्ला ने 81.50 अंक प्राप्त कर कॉलेज में तीसरा स्थान अर्जित किया है। वहीं पूजा ने 80.16 प्रतिशत अंकों के साथ चौथ, प्रिया वैश्य ने 80 प्रतिशत अंकों के साथ पांचवा, प्राची साहू ने 77.83 प्रतिशत अंकों के साथ छठवां, अंकिता वर्मा ने 77. 67 प्रतिशत अंकों के साथ सातवां, रिया ने 77 प्रतिशत अंकों के साथ कॉलेज में 8वां स्थान अर्जित किया है इसी प्रकार पल्लवी पाण्डेय आदि ने अच्छे अंक अर्जित कर विद्यालय तथा माता-पिता शिक्षकों को गौरवान्वित कर दिया है।

विद्यालय की प्रधानाचार्य वन्दना राय ने कालेज के सभी टापर मेधावी छात्र-छात्राओं को शील्ड,मेडल एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करते हुए उन्हे शुभकामनाएं दी एवं उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। वहीं कार्यक्रम में उपस्थित विद्यालय की शिक्षिका आराधना त्रिवेदी, मंशा पाण्डेय, कुमारी विद्या ने यूपी बोर्ड परीक्षा में सफल सभी छात्र-छात्राओं को शुभकामनाएं दी। इस मौके पर उपस्थित ग्राम प्रधान मनोज कुमार त्रिवेदी, प्रबुद्ध सभा के जिलाध्यक्ष राकेश त्रिवेदी ने छात्र-छात्राओं के साथ ही शिक्षकों की सराहना करते हुए कहा कि यूपी बोर्ड परीक्षा में छात्र-छात्राओं ने शानदार प्रदर्शन करके विद्यालय के साथ ही क्षेत्र का नाम रोशन कर दिया है।

जिलाधिकारी ने गौरीगंज में स्थित वृद्धाश्रम में वृद्ध जनों को बांटे वस्त्र

गौरीगंज, अमेठी। जिलाधिकारी संजय चौहान ने आज गौरीगंज स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर वृद्ध जनों का हाल-चाल लिया एवं उन्हें वस्त्र वितरित किए तथा वृद्ध जनों के मनोरंजन के लिए उन्हें वाद्य यंत्र भी प्रदान किया गया। इस दौरान जिलाधिकारी ने वृद्ध जनों से उनका हाल-चाल लिया तथा वृद्धाश्रम में वृद्ध जनों को किसी भी प्रकार की समस्या न होने पाए इसके लिए संबंधित अधिकारियों को भी कड़े निर्देश दिए। जिलाधिकारी को अपने समक्ष पाकर वृद्ध जनों के चेहरे खिल उठे, उन्होंने जिलाधिकारी को आशीर्वाद भी दिया। आज वृद्धाश्रम गौरीगंज में स्वास्थ्य विभाग द्वारा निशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण कैंप भी लगाया गया था, जिसका जिलाधिकारी द्वारा निरीक्षण भी किया गया। स्वास्थ्य कैंप में डॉ पितांबर कनौजिया, सीएचओ रश्मि द्वारा वृद्धाश्रम में आवासित 71 संवासियों के स्वास्थ्य की जांच की गई, समस्त संवासियों का बीपी, शुगर, आंख एवं अन्य बीमारियों की जांच की गई एवं रोगों से संबंधित दवाएं उपलब्ध कराई गई। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने राजगढ़ में नगर पालिका परिषद गौरीगंज की ओर से नवनिर्मित सद्भावना पार्क का फीता काट कर उद्घाटन किया।

भगवान परशुराम का प्रकटोत्सव हवन पूजन के साथ पढ़ी हनुमान चालीसा

संवाददाता। जालौन, उरई

भगवान परशुराम छठवां विष्णु का अवतार है। इन्हें जातिवाद में ना बांटकर मानवता के साथ सनातनी धर्म के लोग भगवान परशुराम की पूजा आराधना करें। यह बात भगवान परशुराम के जन्म उत्सव के दौरान लालजी दास महंत के मन्दिर में आयोजित कार्यक्रम में पियूष विवेक महंत ने कही।

भगवान परशुराम का प्रकटोत्सव मुरलीमनोहर में स्थित लालजी दास महंत मन्दिर में बड़े हर्षोल्लास के साथ मनाया गया वहीं बने भगवान परशुराम की प्रतिमा पर सभी ने पूजन हवन कर आराधना की। इस मौके पर सामुहिक सुन्दरकांड व हनुमान चालीसा का पाठ किया गया। इसके बाद पियूष विवेक महंत की अध्यक्षता में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि नमो नमो सनातन हिंदू महासभा के राष्ट्रीय महामंत्री त्रिलोकीनाथ गुप्ता ने कहा जिस प्रकार भगवान राम तथा भगवान कृष्ण आदि के अवतार हुये उसी प्रकार भगवान परशुराम विष्णु के छठे अवतार हैं। इसलिए सभी सनातनी लोग भगवान को जाति में न बांटे और मानवता के आधार पर भगवान परशुराम की सभी लोग पूजा अर्चना करें।

सभी सनातनी धर्म के लोग भगवान परशुराम का जन्म उत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाएं। भगवान परशुराम किसी एक जाति के भगवान नहीं है। इसलिए उन्हें जाति से बांटना बंद करें और मानवता एवं समाजवाद के साथ इनकी आराधना व पूजन अर्चना करें। नमो नमो सनातन हिन्दू महासभा के जिलाध्यक्ष सत्यनारायण मिश्रा ने कहा कि हम ही सांदीपनि हम ही अगस्त हम ही परशुराम हम ही दुर्वासा हैं ब्राह्मण को कमजोर ना समझो हम विश्व की परिभाषा हैं।इस मौके पर नमो नमो सनातन हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष भगवती प्रसाद मिश्रा, मिथलेश मिश्रा, संजय शुक्ला, अमरेश मिश्रा, आचार्य गुरु प्रकाश दीक्षित, आचार्य श्याम किशोर, पुजारी सुनील द्विवेदी, उमेश दीक्षित आदि मौजूद रहे।

स्वास्थ्य केंद्र पर दी जा रहीं सेवाओं की गुणवत्ता पर दिया जाए ध्यानः डीएम

● डीएम ने की जनपदीय स्वास्थ्य समिति की मासिक बैठक, दिए आवश्यक दिशा निर्देश ● गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और बच्चों का किया जाए शत प्रतिशत टीकाकरण ● सीएचसी, पीएचसी पर संस्थागत प्रसव बढ़ाने, हाईरिस्क प्रसव की लगातार मानीटरिंग के निर्देश

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह की अध्यक्षता में जनपदीय स्वास्थ्य समिति (शासी निकाय) की बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में की गई। बैठक में जिले की स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने सभी अस्पतालों में मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित करने, सभी प्राथमिक एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों, पैरामेडिकल स्टाफ, दवाओं और आवश्यक उपकरणों की उपलब्धता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा टीकाकरण और मातृ शिशु स्वास्थ्य कार्यक्रमों में तेजी लायी जाये, गर्भवती महिलाओं, नवजात शिशुओं और बच्चों का शत प्रतिशत टीकाकरण कराया जाए। संक्रामक और मौसमी बीमारियों के रोकथाम के लिए सफाई अभियान चलाने और आम जनता को जागरूक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा एंबुलेंस सेवाओं को सुचारु रूप से संचालित किया जाए, मरीजों को समय पर आपातकालीन सेवाएं उपलब्ध करायीं जाये। आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत पात्र लाभार्थियों को योजना का अधिकतम लाभ दिलाया जाए। जिलाधिकारी ने 70 वर्ष के ऊपर लोगों का अभियान चलाकर आयुष्मान कार्ड बनाये जाने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण किया जाए, लापरवाही पाए जाने पर संबंधित अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई करने के निर्देश दिए।

डीएम ने सभी एमओआईसी व डिप्टी सीएमओ को निर्देशित किया कि विभाग अन्तर्गत संचालित हो रहें विभिन्न कार्यक्रमों की समीक्षा करेंए जिन कार्यक्रमों के संचालन में कोई कमी पायी जाये उस पर विशेष जोर देकर कमियों को दूर करायेंए संचालित हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों की रेण्डम चेकिंग करायी जाये। डीएम ने सीएचसी, पीएचसी पर संस्थागत प्रसव बढ़ानेए हाईरिस्क प्रसव की लगातार मानीटरिंग करने के निर्देश दिये। जननी सुरक्षा योजनान्तर्गत संस्थागत प्रसव लक्ष्य के सापेक्ष शत प्रतिशत कराया जायेए इस कार्य में लापरवाही करने वालों पर आवश्यक कार्यवाही की जाए। संस्थागत प्रसव की मॉनीटरिंग की जाये तथा आरसीएच पोर्टल व पोषण ट्रैकर पर फीड कर आकड़ों का मिलान कर रिपोर्ट तैयार की जाये।

डीएम ने सभी अस्पतालों में अग्नि सुरक्षा उपकरणों की जांच कराने, विद्युत सेफ्टी आडिट कराने के निर्देश दिये। उन्होंने ब्लाक व जनपद स्तर से रेफर होने वाले मरीजों के संबंध में भी रिपोर्ट तैयार करने के निर्देश दिये। उन्होंने कहा कि एसएनसीयू के अन्तर्गत सभी आवश्यक व्यवस्थाऐं दुरूस्त रहे, फैमली प्लानिंग, आभा आईडी आदि का कार्य लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ण किया जाये। बैठक में टीकाकरण, टीबी, तम्बाकू उन्मूलन कार्यक्रमए राष्ट्रीय कुष्ठ उन्मूलन कार्यक्रम आदि की समीक्षा कर दिशा निर्देश दिए गए। अंत में तृतीय पक्ष डब्ल्यू एचओ, यूनिसेफ द्वारा किए गए सर्वे की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश संबंधित को दिए गए। गत बैठक में लिए गए निर्णयों के अनुपालन की समीक्षा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

डीएम ने कहा कि लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना हम सब की जिम्मेदारी है, ऐसे में सभी संबंधित स्वास्थ्य केंद्र पर दी जा रही सेवाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दें। डीएम ने स्पष्ट किया कि स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि वे जनता को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करने के लिए पूरी गंभीरता और ईमानदारी से कार्य करें। बैठक में सीएमओ डॉक्टर ए.के. सिंह, मेडिकल कालेज प्रधानाचार्य सज्जन लाल वर्मा, परियोजना निदेशक वीरेन्द्र सिंह, एसीएमओ डा. सुखलाल वर्मा, डिप्टी सीएमओ डा. आशीष बाजपेयी, सीएमएस महिला वंदना सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी आरबी सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अजय कुमार सभी एमओआईसी सहित संबंधित उपस्थित रहे।

छात्र-छात्राओं ने दिखाई अपनी प्रतिभा आईसीएसई बोर्ड का परीक्षाफल घोषित

कृष्णा महरोत्रा फाइल फोटो, कृष्णानंद द्विवेदी की फाइल फोटो, अंशिका द्विवेदी की फाइल फोटो

संडीला (हरदोई)। आईसीएसई के घोषित परिणाम में छात्र छात्राओं ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करके शानदार सफ़लता प्राप्त की। नगर के मोहल्ला महतवाना खतराना निवासी कृष्णा महरोत्रा पुत्र सचित महरोत्रा ने हाई स्कूल परीक्षा में 96.1 प्रतिशत अंक प्राप्त कर अपने माता पिता का नाम रोशन किया। उधर सेंट थेरेसा स्कूल के छात्र छात्राओं ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। इंटरमीडिएट परीक्षा में कृष्णानंद द्विवेदी ने 91.75 प्रतिशन अंक प्राप्त करके कॉलेज में टॉप किया। जबकि अंशुमन सिंह ने 90.75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय तथा शुभ गुप्ता 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान पर रहे। हाईस्कूल में अंशिका द्विवेदी ने 90.4 प्रतिशत अंक प्राप्त करके प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि शुभ्रा रावत ने 90 प्रतिशत और आराध्या पाण्डेय ने 88.8 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। सभी सफ़्ल छात्र छात्राओं को प्रधानाचार्य फादर जॉन पॉल बारा ने एवं अन्य शिक्षकों ने बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

अक्षय तृतीया के अवसर पर विशेष अभियान ऑपरेशन मुक्ति के अंतर्गत बाल विवाह जागरूकता का आयोजन

कानपुर देहात। डीएम के निर्देश एवं जिला प्रोबेशन अधिकारी के नेतृत्व में अक्षय तृतीया के अवसर पर विशेष अभियान ऑपरेशन मुक्ति के अंतर्गत बाल विवाह रोकने हेतु विभिन्न स्थानों अकबरपुर इंटर कालेज अकबरपुर, मालवीय इंटर कालेज मुंगीशापुर डेरापुर, जैन वर्ल्ड स्कूल मावर माती, प्राथमिक विद्यालय मैथा एवं विकास खंड मलासा के आगनवाड़ी क्रेन्द्र में जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बाल विवाह संबधी कानूनी प्रावधान के बारे में बताया गया कि भारतीय कानून के अनुसार, बाल विवाह वह विवाह है जिसमें महिला की आयु 18 वर्ष से कम तथा पुरुष की आयु 21 वर्ष से कम होती है एवं बाल विवाह से होने वाले नुकसान के बारे में भी जानकारी दी गयी जैसे बाल विवाह बच्चों के अधिकारों का अतिक्रमण करता है, जिससे उन पर हिंसा, शोषण और यौन शोषण का खतरा बना रहता है, बाल विवाह बच्चों की शिक्षा, स्वास्थ्य और संरक्षण पर नकारात्मक प्रभाव डालता है, बच्चे के भविष्य को बिगाड़ता है वन स्टॉप सेन्टर से निधि सचान सेन्टर मैनेजर द्वारा महिला कल्याण विभाग द्वारा संचालित सभी योजनाओं जैसे बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना मुख्यमंत्री कन्या सुमंगला योजना, स्पॉन्सरशिप योजना, उप्र मुख्यमंत्री बाल सेवा योजना (सामान्य), वन स्टॉप सेंटर, चाइल्ड हेल्पलाइन तथा आपातकालीन सेवायें जैसे 181, 1090, 112, 1098, 1076 आदि के बारे में जानकारी दी गयी, बाल विवाह रोकथाम हेतु शपथ दिलाई गई साथ ही विद्यालयों में पम्पलेट, पोस्टर वितरित किये गये। अकबरपुर इंटर कालेज विद्यालय के प्रधानाचार्य भारत सिंह, जैन वर्ल्ड स्कूल की प्रधानाचार्या साधना पांडेय अध्यापक/ स्टॉप, बालक/ बालिकायें, बाल विकास परियोजना से सुपरवाइजर वंदना सचान, आंगनवाड़ी कार्यकत्रिया, हब फॉर इम्पावरमेंट ऑफवूमेन से निधि यादव जेण्डर स्पेशलिस्ट चाइल्ड हेल्पलाइन से काउंसलर शीलम राजपूत एवं सुपरवाइजर दीपक श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया पर ब्राह्मण समाज की ओर से परशुराम की मनाई गई जयंती

● अलग-अलग संगठनों ने अपने-अपने अंदाज में किया कार्यक्रम
● ब्राह्मण चेतना सेवा संस्थान की शोभा यात्रा में उमड़े समाज के लोग

फतेहपुर। अक्षय तृतीया पर बुधवार को भगवान परशुराम की जयंती धूमधाम से मनाई गई। अलग-अलग संगठनों ने अपने-अपने अंदाज में कार्यक्रम का आयोजन किया। जहां ब्राह्मण चेतना सेवा संस्था ने शोभा यात्रा निकाली वहीं ब्राह्मण समाज की ओर से नहर कालोनी प्रांगण में भगवान परशुराम जन्मोत्सव का आयोजन किया गया। जिसमें बटुकों का यज्ञोपवीत संस्कार भी कराया गया।

नहर कालोनी प्रांगण में भगवान परशुराम जन्मोत्सव का भव्य आयोजन किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में कैबिनेट मंत्री राकेश सचान सहित अन्य जनप्रतिनिधियों व संभ्रांत नागरिकों ने हिस्सा लेकर भगवान परशुराम की आरती उतारी। तत्पश्चात बटुकों का उनयन संस्कार सम्पन्न कराया गया। उधर भगवान परशुराम का संबोधन हुआ। समाज को एकजुट रहने का आहवान किया गया। साथ ही राष्ट्रीय स्तर के श्रेष्ठ कवियों की ओर से विशाल कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोगों ने सहभागिता निभाई। समारोह के आयोजक पूर्व ब्लाक प्रमुख भिटौरा राजेन्द्र प्रसाद शुक्ल एड. रहे। इस मौके पर सांसद नरेश उत्तम पटेल, आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप गर्ग, अजय अवस्थी, महेश द्विवेदी, फैजान अहमद, रामू शुक्ला, लोकनाथ पाण्डेय भी मौजूद रहे।

शहर के तांबेश्वर मंदिर परिसर में ब्राम्हण चेतना सेवा संगठन के तत्वाधान में भगवान परशुराम जयन्ती समारोह का आयोजन किया गया, जिसमें सुबह से ही समाज के लोगों के पहुंचने का सिलसिला शुरू हो गया था। निर्धारित समय पर मंच के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भगवान परशुराम का पूजन-अर्चन किया तत्पश्चात आचार्यों ने वेद मंत्रों के साथ विधिवत पूजा-अर्चना करवायी। उपस्थित जनसमुदाय ने भगवान परशुराम के जयकारे लगाये। पूजा-अर्चना के बाद भगवान परशुराम के जोशीले नारों के बीच शोभा यात्रा निकाली गयी। जिसमें कीर्तन पार्टी द्वारा भजन-कीर्तन कार्यक्रम प्रस्तुत करते हुए माहौल को भक्तिमय बना दिया जिससे उपस्थित जन मंत्र-मुग्ध हो गये और थिरकते हुए शोभा यात्रा की अगवानी की। शोभा यात्रा का समाज के लोगो द्वारा जगह-जगह स्वागत एवं पूजा-अर्चना का दौर चलता रहा तत्पश्चात् भगवान परशुराम का उद्बोधन हुआ। समापन के बाद विशाल भंडारे का आयोजन किया गया, जिसमें सर्व समाज के लोगों ने भगवान परशुराम का प्रसाद ग्रहण कर पुण्य लाभ अर्जित किया। इस मौके पर संस्थान के संरक्षक राजेंद्र त्रिवेदी, अध्यक्ष संजय तिवारी, बीके शुक्ला, विनय तिवारी, सोनू तिवारी, बीरेन्द्र दुबे, अतुल त्रिवेदी, विनय त्रिवेदी, सुनिधि तिवारी, पंकज तिवारी, उमाकांत शुक्ला, राजेश तिवारी, सतीश शर्मा, अर्चना त्रिपाठी, सरोज शर्मा, देवी प्रकाश दुबे भी मौजूद रहे।

क्विक न्यूज

दीवार में दबकर आंगनबाड़ी सहायिका की मौत

फतेहपुर। मंगलवार की देर रात ट्रैक्टर ट्राली की टक्कर से गिरी दीवार में दबकर आंगनबाड़ी सहायिका की मौत हो गई। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। पुलिस ट्रैक्टर की तलाश में जुटी है। जानकारी के अनुसार कल्यानपुर थाना क्षेत्र के गांव महरहा निवासी स्व लक्ष्मीनरायन बाजपेई की पत्नी सीता बाजपेई उम्र 60 वर्ष आंगनबाड़ी सहायिका थीं। मंगलवार रात को घर के दक्षिण दिशा में ट्रैक्टर ट्राली से भूसा डाल रहा था। तभी ट्रैक्टर दीवार से टकरा गया और दीवार के पास खड़ी आंगनबाड़ी सहायिका सीता बाजपेई मलबे में दब गयीं। तभी ट्रैक्टर चालक ट्रैक्टर छोड़ कर मौके से फरार हो गया। परिजनों ने मलबे से निकाल कर घायलावस्था में सीएचसी बिंदकी में भर्ती कराया। जहां पर उसे मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने शव को रात में ही मोर्चरी हाउस भेज दिया। मृतका का इकलौता पुत्र रोहित बाजपेई है। जो किराने के सामान का सेल्समैन है। रोहित ने बताया कि बुधवार को मां का रिटायरमेंट होना था। थानाध्यक्ष विनोद कुमार मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। ट्रैक्टर की खोजबीन की जा रही है। तहरीर मिलने पर कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

साइकिल सवार खंती में गिरा, इलाज दौरान मौत

फतेहपुर। ललौली थाना क्षेत्र के दतौली के समीप मंगलवार की शाम वाहन से बचने के चक्कर में साइकिल सवार खन्ती में जा गिरा जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। जिसे उपचार के लिए सदर अस्पताल में भर्ती कराया गया। जहां इलाज दौरान उसकी देर रात उसकी मौत हो गयी। जानकारी के अनुसार ललौली थाना क्षेत्र के दतौली गांव निवासी देवीदीन का पुत्र छेद्दू साइकिल से मुत्तौर बाजार सब्जी खरीदने गया था। वापस लौटते समय जब वह गांव के समीप पहुंचा तभी सामने से आ रहे वाहन से बचने के चक्कर में साइकिल सहित खन्ती में जा गिरा जिससे वह बुरी तरह घायल हो गया। सूचना पाकर मौके में पहुंची सरकारी एम्बुलेंस ने घायल को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। जहां जिन्दगी और मौत के बीच संघर्ष करते-करते देर रात उसने दम तोड दिया। वहीं पुलिस ने शव को विच्छेदन गृह भेज दिया।

बाइक डिवाइडर से टकराने पर भाई की मौत, बहन गंभीर

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के ग्राम आमापुर एनएच-2 में बुधवार की सुबह अनियंत्रित होकर बाइक डिवाइडर से जा टकरायी। जिससे भाई बहन घायल हो गए। उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया गया। जहां इलाज बाद युवक की मौत हो गई। असोथर थाना क्षेत्र के ग्राम विधातीपुर गांव निवासी अशोक का 25 वर्षीय पुत्र अर्जुन अपनी 25 वर्षीय बहन सिया देवी पत्नी रामकुमार निवासी मानपुर थाना हुसैनगंज के साथ बाइक से असोथर से गांव आ रहा था। जैसे ही यह लोग आमापुर के पास पहुचे तभी अनियंत्रित होकर बाइक डिवाइडर से जा टकरायी। जिससे भाई बहन घायल हो गये सूचना पाकर मौके में पहुंची सरकारी एम्बुलेंस ने घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया। अर्जुन ने दम तोड दिया। सूचना पाकर पुलिस ने जिला चिकित्सालय मार्च्युरी पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

रिंद नदी में डूबकर अधेड़ की मौत

फतेहपुर। बकेवर थाना क्षेत्र के ग्राम बेंता में बुधवार की सुबह शौचक्रिया करने गये 45 वर्षीय अधेड़ की रिंद नदी में गिर जाने से डूबकर मौत हो गयी। बेता गांव निवासी स्व0 शिवलाल का पुत्र रामदास बुधवार की सुबह शौचक्रिया के लिए जंगल गया था। तभी अचानक वह रिंद नदी में जा गिरा। इसकी जानकारी जब परिजनो को हुयी तो मौके पर पहुंचे गये। वहीं घटना की सूचना पाकर पुलिस ने पहुंच कर गोताखोरो के जरिये एक घन्टे बाद शव को बरामद कर विच्छेदन ग्रह भेजा है। घटना की जानकारी पोस्टमार्टम हाउस में मृतक का भाई मुखराम ने दी है।

सडक हादसे में बाइक सवार की मौत

फतेहपुर। मलवां थाना क्षेत्र के ग्राम कोराई मोड़ के समीप अज्ञात वाहन की चपेट में आने से 40 वर्षीय बाइक सवार की मौके पर ही मौत हो गयी। थाना क्षेत्र के सेनीपुर गांव निवासी बिन्दादीन का पुत्र कृष्णकुमार मंगलवार की देर रात रिश्तेदारी से वापस घर आ रहा था। जब वह कोराई मोड पास पहुंचा तभी तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे कृष्ण कुमार घटनास्थल पर मौत हो गयी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया।

कलेक्ट्रेट समेत राजस्व न्यायालयों का समय परिवर्तित

फतेहपुर। जिलाधिकारी रविन्द्र सिंह ने बताया कि जनपद न्यायाधीश के निर्गत आदेश एवं डिस्ट्रिक्ट बार एसोसिएशन के सहमति पत्र के क्रम में जनपद के समस्त राजस्व न्यायालय व श्रम न्यायालय तथा अभिलेखागार (माल एवं फौजदारी), कलेक्ट्रेट का समय माह मई व जून में प्रातः सात बजे से अपरान्ह एक बजे तक रहेगा।

आदेशों की अवहेलना करने पर आधा दर्जन लेखपालों पर डीएम की गिरी गाज, निलंबित

संडीला (हरदोई)। हाल ही संपन्न हुई आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की नियुक्ति में आय प्रमाण पत्र में मनमानी रिपोर्ट लगाने तथा अपात्रों को पात्र करने में दोषी पाए गए आधा दर्जन लेखपालों को जिलाधिकारी के आदेश पर नीलंबित कर दिया गया। आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों की नियुक्ति में एक अत्यंत आवश्यक प्रमाण पत्र आय संबंधी प्रमाण पत्र था। इस आय प्रमाण पत्र में पैसे और पहुंच का खेल हुआ जिसके कारण पैसे और पहुंच वाले नियुक्तियां पाने में सफ़्ल रहे जबकि पात्र इधर.उधर टहलते रहे। इस मामले की जांच की गयी तो मामला प्रकाश में आया। इस पर जिलाधिकारी ने एसडीएम संडीला को जांच अधिकारी बनाकर आरोपित लेखपालों राहुल रस्तोगीए पीयूष कुमार वर्मा, अमित कुमारए अरविंद कुमार वर्मा, मोनित पाण्डेय तथा कुल्दीप कुमार को दोषी पाते हुए इसकी रिपोर्ट जिलाधिकारी को भेजी।

डीएम ने की औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान व कौशल विकास के विभिन्न कार्यक्रमों की बैठक

कानपुर देहात। डीएम आलोक सिंह की अध्यक्षता में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान व कौशल विकास अंतर्गत संचालित हो रहे विभिन्न पाठ्यक्रमों/ कार्यक्रमों के संबंध में बैठक का आयोजन मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कक्ष कलेक्ट्रेट में किया गया है, जिसमें नोडल प्रधानाचार्य राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, भोगनीपुर द्वारा संबंधित बिन्दुओ पर चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

डीएम ने जनपद में स्थित समस्त राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों में चल रहे अलोकप्रिय व्यवसाय को के सम्बन्ध में समीक्षा कर आवश्यक कार्रवाई करने, प्रधानमंत्री इन्टर्नशिप योजना के अन्तर्गत जनपद में स्थित उद्योगों ध् अधिष्ठानों में छात्रध्छात्राओं को व्यवसायिक प्रशिक्षण/अनुभव प्रदान किये जाने तथा उक्त योजना के प्रभावी संचालन करने, शिक्षुता प्रशिक्षण योजना के अन्तर्गत वित्तीय वर्ष 2025.2026 में आंवटित लक्ष्य को पूर्ण किये जाने हेतु जनपद स्तर पर अभ्यार्थियों को शिशिक्षु प्रशिक्षण हेतु योजित किये जाने के सम्बन्ध में जनपद में स्थित औद्योगिक इकाईयों का पंजीकरण एवं उनकी शिशिक्षु प्रशिक्षण हेतु सहभागिता बढाने हेतु रणनीतियों के संबंध में निर्देश दिए। डीएम द्वारा अलोकप्रिय व्यवसाय के स्थान पर आधुनिक व्यवसाय को संचालित करने एवं उद्योगो की मांग के अनुसार व्यवसायों का चयन करने हेतु निर्देश दिये गये। जिससे प्रशिक्षार्थियों को शिक्षुता प्रशिक्षण योजना एवं प्रधानमंत्री इन्टर्नशिप योजना के अन्तर्गत दिये गये लक्ष्यों के सापेक्ष पूर्ण किया जा सकें। बैठक में उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केन्द्र कानपुर देहातए जिला सेवायोजन अधिकारी एवं प्रधानाचार्य राजकीय पॉलिटेक्निक कानपुर देहात आदि अन्य कर्मचारी उपस्थित रहें।

दो युवती समेत तीन ने फांसी लगा की आत्महत्या

फतेहपुर। जनपद के अलग-अलग थाना क्षेत्रों के अन्तर्गत मंगलवार की देर शाम संदिग्ध अवस्था में दो युवती समेत तीन लोगों ने फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली। गाजीपुर थाना क्षेत्र लिलरा गांव निवासी केशनपाल की 23 वर्षीय पत्नी कविता देवी ने मंगलवार की देर शाम संदिग्ध अवस्था में घर के अन्दर उस वक्त फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली, जब घर के सभी लोग अपने-अपने कामो में व्यस्त थे। परिजनों की नजर जैसे ही कमरे में फांसी पर लटकी कविता पर पडी तो घर में कोहराम मच गया। इसी प्रकार बिन्दकी कोतवाली क्षेत्र के ठिठौरा गांव निवासी शिवकुमार का 25 वर्षीय पुत्र शुभम ने देर शाम कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। सूचना पाकर मौके में पहुंची पुलिस ने दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। किशनपुर थाना क्षेत्र के अहमदगंज तिहार गांव निवासी इन्द्रराज निषाद की 32 वर्षीय पत्नी पुष्पा देवी ने गांव के बाहर जंगल में पेड़ से फांसी लगाकर अपनी जीवनलीला समाप्त कर ली।

नगर में धूमधाम से मनाया गया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

● ब्राह्मण सेवा समिति द्वारा आयोजित कार्यक्रम में समाज के लोगों ने लिया उत्साहपूर्वक भाग

गुरसहायगंज, कन्नौज। ब्राह्मण सेवा समिति द्वारा नगर के पश्चिमी बाईपास रामगंज स्थित गायत्री पैलेस में विष्णु के छठे अवतार भगवान परशुराम का जन्मोत्सव बड़े ही धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाई गई। इस अवसर पर सुन्दरकाण्ड का आयोजन भी किया गया। आयोजित भव्य समारोह में कांग्रेस पूर्व प्रदेश सचिव सहित समाज के लोगों ने भगवान परशुराम की पूजा-अर्चना कर उनके आदर्शों को याद किया।

कांग्रेस पूर्व प्रदेश सचिव विजय मिश्र सहित समाज के लोगों ने भगवान परशुराम के चित्र पर पुष्पांजलि एवं माल्यापर्ण करनें के उपरान्त अपने उद्बोधन में भगवान परशुराम के जीवन से प्रेरणा लेने की बात कही और ब्राह्मण समाज की एकता व सशक्तिकरण एवं युवाओं में संस्कार, सम्मान व समर्पण का भाव रखने पर बल दिया। पं. दीपबन्धु पाठक ने कहा कि भगवान परशुराम विष्णु के छठे अवतार हैं। पूर्व जिलाध्यक्ष ऊषा दुवे ने हनुमान चालीस का महत्व बताया। जीतू तिवारी ने कहा कि सभी लोगों को एक दूसरे का सम्मान और मदद करनी चाहिये। वीके मिश्रा, संदीप त्रिवेदी, रामकुमार पाठक, वीरभान दुवे, संजीव दुवे मुन्ना, डा. सुधीर दीक्षित, राकेश तिवारी, विजय दुवे, मुकेश त्रिपाठी, संजय तिवारी, राजीव दुवे, दीपक पाठक, दिलीप शुक्ला, देवेश मिश्रा, संजू मिश्रा, राजीव मिश्र, कमलेश दुवे, विलियम त्रिपाठी, नरायन तिवारी, नीरज मिश्रा, बलराम त्रिपाठी, राजेश द्विवेदी, कुलदीप तिवारी, बृजेश अग्निहोत्री, अनुज पाण्डेय, संदीप पाठक, राजेश पाठक, सुशील दुवे, राजा तिवारी सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

एक राष्ट्र, एक चुनाव के विषय पर प्रबुद्ध समागम कार्यक्रम का आयोजन

लखीमपुर खीरी। आज को जिला पंचायत सभागार लखीमपुर खीरी में एक राष्ट्र, एक चुनाव के विषय पर प्रबुद्ध समागम कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र ष्टेनीष् रहे तथा कार्यक्रम का संचालन पूर्व जिला महामंत्री अरविन्द सिंह ष्संजयष् ने किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्जवलन एवं पं0 दीन दयाल उपाध्यक्ष एवं श्याम प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पण कर किया गया। कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए पूर्व केन्द्रीय गृह राज्यमंत्री अजय मिश्र ष्टेनीष् ने कहा कि वास्वत में 2014 के बाद हमारी सरकार ने कई तरह के ऐसे कदम उठाए जिसके कारण देश के व्यापक रूप से सकारात्मक परिवर्तन देखने को मिले। राजनैतिक क्षेत्र में जो हमारे विरोध राजनैतिक दल है उनको जब चुनाव में लगातार पराजय मिलने लगी तो ऐसे सभी सकारात्मक कदमों के खिलाफ भ्रम का वातावरण उत्पन्न करना ऐसे प्रयास विरोधी राजनैतिक दलों द्वारा निरन्तर किए जाने प्रारम्भ हुए जिसका पूरा दुष्प्रभाव हम लोगों ने पिछले लोकसभा चुनाव में देखा। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय नेतृत्व ने निर्णय किया कि जो भी सकारात्मक कदम है जो हमारे देश के हित में है और विरोधी राजनैतिक दलों द्वारा परोक्ष या अपरोक्ष रूप से उनके खिलाफ एक वातावरण बनाने का काम किया जाता है ऐसे भ्रम के वातावरण को दूर करने के लिए भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं समाज के प्रबुद्ध लोगों के पास जा करके इन विषयों पर चर्चा करके हमारा क्या उद्देश्य है हम इसको क्यों लाए है कैसे इससे काम करेंगे ऐसी सारी बातों को रख करके समाज में जो भ्रम उत्पन्न करने वाले लोग है वो भ्रम उत्पन्न करने में सफ्ल न हो पाए और हमारे ऐसे सभी जो विषय इस राष्ट्र के हित में है उनका इस देश में ठीक ढंग से लागू करके राष्ट्र के निर्माण में योगदान दे सके।

वन नेशनए वन इलेक्शन ;एक राष्ट्रए एक चुनावद्ध को ले करके भारतीय जनता पार्टी निरन्तर गोष्ठियां कर रही है। ये विषय भारतीय जनता पार्टी का केवल नहीं है बल्कि कोई नया विषय नहीं है। देश की आजादी के बाद 1951.52 का पहला चुनाव हो 1957ए 1962ए 1967 तक लगातार चार चुनाव विधानसभाओं के और केन्द्र के एक साथ हुए। उस समय इस देश में एक वातावरण था कि कांग्रेस की आजादी के बाद ऐसी छवि थी और कांग्रेस के नेताओं की ऐसी छवि थी कि निरन्तर कांग्रेस को सफ्लता मिल रही थी और ये चुनाव होते हुए जा रहे थे कठिनाइयां कब आई कठिनाइयां तब आई जब 1967 का जो चुनाव हुआ उसमें बहुत सारे प्रदेशों में कांग्रेस की पराजय हुई तब तक कुछ.कुछ नशा कांग्रेस का जो चढ़ा था वो उतरने लगा था कई राज्यों में कांग्रेस की पराजय हुई और उत्तर प्रदेश समेत कई राज्यों में सम्मित सरकारें बन गई। सम्मित सरकारें प्रदेश में बनी तो कांग्रेस का स्वभाव है कांग्रेस ने उन सरकारों को गिराने का काम किया 356 का प्रयोग किया निरन्तर सरकारों को गिराने और नए राज्यों के गठन के कारण चुनाव की जो व्यवस्था चली आ रही थी वो चुनाव की व्यवस्था धीरे.धीरे भंग होने लगी बीच.बीच में चुनाव कराने प्रारम्भ हो गए।

रिकार्ड होते हुये भी प्रशासन हर मोर्चे में होता रहा फेल

● जिलाधिकारी एसपी के बंगला खाली कराने की आ गयी थी नौबत, अग्रेंजो की जमीन में सिंघल परिवार ने कैसी बनायी पैठ नही आ रही है किसी के समझ में

हमीरपुर। डीएम व एसपी के बंगले व 58 एकड जमीन की पैरवी में लगे लोगो की निष्क्रियता पहले से ही समझ में आने लगी थी लिहाजा समय समय पर यह केश हिचकोले खाता रहा। अफ्सरों के बंगले के लिए जनपद में जमीन की तलाश शुरू हो गई थी। भरुआ सुमेरपुर के चंद्रपुरवा इलाके में जमीनें भी देखी जाने लगी थी। करीब एक दशक पूर्व डीएम.एसपी बंगले के लिए जमीन की तलाश शुरू हुई तो लोग सन्न रह गए। डीएम.एसपी के बंगले की जमीन को लेकर विवाद तो सबको पता था लेकिन प्रशासन का पक्ष कमजोर हो जाएगा ऐसी किसी को उम्मीद नहीं थी। लेकिन रिकार्ड होते हुए भी प्रशासन कोर्ट में हर मोर्चे पर फेल हो रहा था। पैरवी लचर थी और विपक्षी भारी साबित होने लगे थे। लिहाजा एक समय ऐसा भी आया जब उच्चाधिकारियों को लगने लगा कि अब डीएम.एसपी का बंगला खाली करना पड़ेगा। लिहाजा नए बंगलों के निर्माण को लेकर जमीन की तलाश शुरू कराई गई। मुख्यालय में इतनी बड़ी जमीन न होने की वजह से भरुआ सुमेरपुर के चंद्रपुरवा गांव के आसपास जमीन की तलाश की गई थी। एक दो साइट चिन्हित भी कर ली गई थी। जैसे ही यह बात खुली वैसे ही सुमेरपुर इलाके के चंद्रपुरवा गांव के आसपास की जमीनों के रेट बढ़ने शुरू हो गए थे। लेकिन बाद में प्रशासन ने फिर से कोर्ट में पैरवी की। मामला हाईकोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक पहुंच गया था।

जमीन जिसमे विवाद बना है

अड़तालिस साल पहले कलक्ट्रेट में आग लगी थी कि लगायी गयी थी

हमीरपुर। सन् 1977 में कलेक्ट्रेट में लगी आग ने भी सरकारी संपत्ति को हड़पने का मंसूबा पालने वालों के हाथ में रामबाण थमा दिया था। विरोधी ही नही विरोधियों का सहयोग करने वाले लोगो ने मान लिया था कि समस्त रिकार्ड जल कर नष्ट हो गये है। मगर विरोधियों के मंसूबों पर पानी फिर गया।कलेक्ट्रेट कर्मियों की भी सांठगांठ थी। सरकारी संपत्ति को अपना बताते हुए करीब 12 लाख से अधिक का मुआवजा भी हथिया लिया। अरबों की सरकारी संपत्ति को हड़पने की मंशा पालने वालों के मंसूबे बड़े खतरनाक थे। उन्होंने हर वो पैंतरा चलाए जिससे भविष्य में उन्हें कानूनी रूप से भी फायदा मिले। इसमें वो काफी हद तक कामयाब भी हो गए थे। क्योंकि इससे पूर्व जितने भी डीएम आए उन्होंने इस केस को लेकर इतनी संजीदगी नहीं दिखाई जितनी वर्तमान डीएम घनश्याम मीणा ने दिखाई। इसमें विपक्षीगण द्वारा परगनाधिकारी के विधि विरुद्ध आदेश पांच सितंबर 1964 जिसमें कृषि भूमि को अकृषिक भूमि दर्ज किया गया थाए उसका भी लाभ उठाया था। इसी के बाद मामला कोर्ट पहुंचा था।

मामले में लेखपाल निलंबित, अन्य अफसरों पर कार्यवाही होना तय

हमीरपुर। डीएम बंगले व भूमि में अभिलेखों की हेराफेरी के मामले में डीएम ने पूर्व लेखपाल राजकिशोर को निलंबित कर दिया है। राजिकशोर ने वर्तमान में सरीला ब्लाक में कानूनगो के पद पर नियुक्त है।लेखपाल के निलंबित होने के बाद अन्य तीन कर्मियो में हडकंप मच गया है।

न्यायालय मध्यस्थता निर्णयों को कर सकते हैं संशोधित: उच्चतम न्यायालय

नई दिल्ली।(भाषा) उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि अदालतें 1996 के मध्यस्थता और सुलह कानून के तहत मध्यस्थता फैसलों को संशोधित कर सकती हैं। प्रधान न्यायाधीश संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति बी आर गवई, न्यायमूर्ति संजय कुमार और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने एक के मुकाबले चार के बहुमत से फैसला सुनाते हुए कहा कि कुछ परिस्थितियों में मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996 के प्रावधानों का इस्तेमाल करके मध्यस्थता निर्णय को संशोधित किया जा सकता है। यह फैसला वाणिज्यिक विवादों में घरेलू और अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता फैसलों को प्रभावित करेगा। हालांकि, फैसला सुनाते हुए, प्रधान न्यायाधीश ने अदालतों को मध्यस्थता फैसलों को संशोधित करने में सावधानी बरतने का आदेश दिया। उन्होंने कहा, संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत उच्चतम न्यायालय की विशेष शक्तियों का इस्तेमाल फैसलों में बदलाव के लिए किया जा सकता है। लेकिन इस शक्ति का इस्तेमाल संविधान के दायरे में बहुत सावधानी से किया जाना चाहिए। हालांकि, न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन ने असहमति जताते हुए कहा कि अदालतें मध्यस्थता के फैसलों में बदलाव नहीं कर सकतीं।

बहुमत के फैसले में उन परिस्थितियों का उल्लेख किया गया है जिनमें न्यायालयों द्वारा मध्यस्थता संबंधी निर्णयों को संशोधित करने के सीमित अधिकार का प्रयोग किया जा सकता है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि इस अधिकार का प्रयोग किसी भी लिपिकीय, गणना या मुद्रण संबंधी त्रुटि को सुधारने के लिए किया जा सकता है, जो रिकॉर्ड में गलत प्रतीत होती है। बहुमत के फैसले में कहा गया कि इस अधिकार का प्रयोग कुछ परिस्थितियों में निर्णय के बाद के हित को संशोधित करने के लिए किया जा सकता है। संविधान का अनुच्छेद 142 उच्चतम न्यायालय को उसके समक्ष लंबित किसी भी मामले या मामले में पूर्ण न्याय करने के लिए आवश्यक कोई भी आदेश पारित करने का अधिकार देता है। यह विवेकाधीन शक्ति न्यायालय को सख्त कानूनी आवश्यकताओं से आगे जाकर उन स्थितियों में न्याय सुनिश्चित करने की अनुमति देती है जहां मौजूदा कानून अपर्याप्त या अपूर्ण हो सकते हैं। अदालत ने तीन दिन तक पक्षों की सुनवाई के बाद 19 फरवरी को कानूनी मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मामले में अंतिम सुनवाई 13 फरवरी को शुरू हुई थी, जब 23 जनवरी को तीन न्यायाधीशों की पीठ ने यह मामला उसके समक्ष भेजा था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता के अलावा वरिष्ठ अधिवक्ता अरविंद दातार, डेरियस खंबाटा, शेखर नाफड़े, रितिन राय, सौरभ कृपाल और गौरब बनर्जी ने मामले में दलीलें रखी थीं। दातार के नेतृत्व में वकीलों ने दलीलें दी कि न्यायालयों को मध्यस्थता और सुलह अधिनियम, 1996 की धारा 34 के तहत कुछ आधार पर मध्यस्थता के फैसलों को रद्द करने का अधिकार है, वे इसमें संशोधन भी कर सकते हैं, क्योंकि उनके अधिकारों में कुछ हद तक विवेकाधिकार भी शामिल हैं। वकीलों के एक अन्य समूह ने तर्क दिया कि संशोधित शब्द, जो कि कानून में नहीं था, को गैर-मौजूद शक्तियों के रूप में नहीं देखा जा सकता। मध्यस्थता और सुलह अधिनियम के तहत मध्यस्थता विवाद समाधान का एक वैकल्पिक तरीका है और यह न्यायाधिकरणों द्वारा दिए गए निर्णयों में हस्तक्षेप करने में अदालतों की भूमिका को न्यूनतम करता है। अधिनियम की धारा 34 प्रक्रियागत अनियमितताओं, सार्वजनिक नीति के उल्लंघन, या अधिकार क्षेत्र की कमी जैसे सीमित आधारों पर मध्यस्थता फैसलों को रद्द करने का प्रावधान करती है। वहीं, धारा 37 मध्यस्थता से संबंधित आदेशों के विरुद्ध अपील को नियंत्रित करती है, जिसमें फैसले को रद्द करने से इनकार करने वाले आदेश भी शामिल हैं। धारा 34 की तरह इसका उद्देश्य भी न्यायिक हस्तक्षेप को न्यूनतम करना है तथा निगरानी की आवश्यकता वाले असाधारण मामलों पर विचार करना है। पीठ ने पूर्व में कहा था, उपर्युक्त प्रश्न पर गौर करते समय, न्यायालय अदालत की शक्ति की रूपरेखा और दायरे की भी जांच करेगा...और यदि संशोधन का अधिकार मौजूद है, तो उसका किस हद तक प्रयोग किया जा सकता है।

मामला गायत्री बालासामी बनाम आईएसजी नोवासॉफ्ट टेक्नोलॉजीज लिमिटेड से उत्पन्न हुआ। न्यायालयों ने पारंपरिक रूप से इस धारा की संकीर्ण व्याख्या की है तथा मध्यस्थता के अंतिम निर्णय और दक्षता के सिद्धांतों को कायम रखने के लिए आदेश के गुण-दोष की समीक्षा से परहेज किया है। फरवरी 2024 में, न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता, न्यायमूर्ति के वी विश्वनाथन और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने कुछ प्रश्न तैयार किए और मामले को विचार के लिए प्रधान न्यायाधीश के पास भेज दिया।

रक्षा मंत्री राजनाथ रूस की विक्टरी डे परेड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे

नई दिल्ली। (भाषा) रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह नौ मई को रूस की विक्टरी डे परेड में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। द्वितीय विश्वयुद्ध में जर्मनी पर सोवियत विजय की 80वीं वर्षगांठ पर यह परेड आयोजित की जाएगी।रूस ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को मॉस्को में आयोजित होने वाली परेड के लिए आमंत्रित किया था, लेकिन भारत ने रूस को बताया कि सिंह इसमें शामिल होंगे। इस संबंध में एक सूत्र ने कहा, प्रधानमंत्री को मॉस्को में इस परेड में शामिल होने का निमंत्रण दिया गया था। रूसी पक्ष को पहले ही बताया गया था कि भारत का प्रतिनिधित्व रक्षा मंत्री सिंह करेंगे। रूस ने इस वर्ष परेड में शामिल होने के लिए कई मित्र देशों के नेताओं को आमंत्रित किया है। मोदी पिछले साल राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ वार्षिक शिखर सम्मेलन और कजान में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए दो बार रूस गए थे। इस वर्ष रूसी राष्ट्रपति के वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए भारत आने की उम्मीद है।

गंगोत्री, यमुनोत्री के कपाट खुले, चारधाम यात्रा शुरू

देहरादून।(भाषा) उच्च गढ़वाल हिमालई क्षेत्र में स्थित विश्व प्रसिद्ध गंगोत्री और यमुनोत्री मंदिरों के कपाट बुधवार को अक्षय तृतीया के पर्व पर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए और इसके साथ ही उत्तराखंड की इस वर्ष की चारधाम यात्रा की शुरुआत हो गई। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी राज्य के उत्तरकाशी जिले में स्थित गंगोत्री और यमुनोत्री दोनों धामों के कपाट खुलने के समारोह में मौजूद रहे। उन्होंने दोनों धामों में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नाम से पहली पूजा की और चारधाम यात्रा के सफल आयोजन तथा देश-प्रदेश की सुख समृद्धि एवं खुशहाली की मंगल कामना की। यमुनोत्री धाम के कपाट खुलने के अवसर पर मंदिर में पहुंचने वाले धामी पहले मुख्यमंत्री हैं। मंदिरों के कपाट खुलने के अवसर पर गंगोत्री एवं यमुनोत्री मंदिर के ऊपर हैलीकॉप्टर से पुष्प वर्षा की गई। धार्मिक परंपराओं के अनुसार, बुधवार सुबह देवी गंगा की मूर्ति को लेकर उत्सव डोली भैरव घाटी स्थित भैरव मंदिर से चलकर गंगोत्री धाम पहुंची जहां विशेष पूजा-अभिषेक के साथ पूर्वाह्न 10 बजकर 30 मिनट पर मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोले दिए गए। इसके बाद देवी यमुना की डोली शनिदेव महाराज की अगुवाई में शीतकालीन प्रवास स्थल खरसाली से चलकर यमुनोत्री धाम पहुंची और धार्मिक विधि-विधान के साथ पूर्वाह्न 11 बजकर 55 मिनट पर यमुनोत्री मंदिर के कपाट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए गए। धामों के कपाट खुलने के अवसर पर देश-विदेश से आए हजारों श्रद्धालुओं ने अखंड ज्योति के दर्शन किए तथा गंगा और यमुना में स्नान कर पुण्य अर्जित किया। मुख्यमंत्री ने देवी गंगा एवं यमुना के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना की तथा वहां पहुंची लोक देवताओं की डोलियों से भी आशीष प्राप्त किया। धामी ने इस अवसर पर कहा कि अक्षय तृतीया के पावन पर्व पर चारधाम यात्रा की विधिवत शुरुआत हो गई है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड के चारधाम देश-विदेश के श्रद्धालुओं के लिए आस्था के प्रमुख केन्द्र हैं और इन धामों की यात्रा का सौभाग्य प्राप्त करने की आकांक्षा हर श्रद्धालु के मन में रहती है। मुख्यमंत्री ने कहा, सुरक्षित और सुव्यवस्थित चारधाम यात्रा के लिए राज्य में व्यापक प्रबंध किए गए हैं तथा श्रद्धालुओं की सुविधा और सुगमता को ध्यान में रखते हुए सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराने के प्रयास किए गए हैं। इसके साथ ही यातायात प्रबंधन पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। उन्होंने कहा, अतिथि देवो भव: की परंपरा के अनुसार हमारा प्रयास है कि चारधाम यात्रा पर आने वाले सभी श्रद्धालु देवभूमि उत्तराखंड से दिव्य धामों के शुभाशीष के साथ ही यात्रा का सुखद अनुभव लेकर जाएं। मुख्यमंत्री ने ग्रीन और क्लीन चारधाम यात्रा के आयोजन के लिए सभी लोगों से सहयोग की अपील भी की।उत्तराखंड के चारधामों में शामिल दो अन्य धामों-केदारनाथ और बदरीनाथ के कपाट क्रमश: दो मई और चार मई को खुलेंगे।

भगवान श्रीकृष्ण की भूमि में मुसलमानों के बहिष्कार का आह्वान खारिज

मथुरा।(भाषा) भगवान श्रीकृष्ण की पवित्र भूमि मथुरा और वृंदावन में कई प्रमुख मंदिरों ने मुसलमानों का बहिष्कार करने के बढ़ रहे आह्वान को दरकिनार किया है। जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आतंकी हमले के बाद से विभिन्न सोशल मीडिया मंचों के जरिए मुसलमानों का मंदिर में प्रवेश रोकने या उनसे खरीदारी बंद करने का आह्वान किया जा रहा है। वृंदावन में बांके बिहारी मंदिर के राजभोग सेवा अधिकारी ज्ञानेंद्र किशोर गोस्वामी ने कहा, बृजमंडल में भक्ति सर्वोपरि है। यह ज्ञान और यहां तक कि वैराग्य से भी ऊपर है। यदि किसी की आस्था है और वह दर्शन के लिए आता है तो हमें क्यों उसका विरोध करना चाहिए। उन्होंने कहा, यह श्रीमद्‌भागवत के प्रथम स्कंद में स्पष्ट लिखा है। ऐतिहासिक उदाहरणों को गिनाते हुए गोस्वामी ने कहा, बांके बिहारी हमें भेदभाव नहीं सिखाते। अकबर स्वामी हरिदास से मिलने आए और देवता के लिए इत्र भेंट की जिसे स्वामी जी ने स्वीकार किया। गोस्वामी ने मंदिर की परंपराओं में मुसलमानों की आंतरिक भूमिका का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा, वे वाद्य यंत्र बजाते हैं और ठाकुर जी के लिए भजन गाते हैं। मुकुट तैयार करने और कढ़ाई का ज्यादातर काम उनके द्वारा किया जाता है। बांके बिहारी के वस्त्र पूरे भारत के कारीगरों द्वारा तैयार किए जाते हैं। वृंदावन में राधाबल्लभ मंदिर के मोहित मरल गोस्वामी ने अलग विचार व्यक्त करते हुए कहा, मुसलमानों को राधाबल्लभ मंदिर में आने की अनुमति नहीं है। हमें उनसे खरीदारी से बचना चाहिए। वहीं, गोवर्धन के डांगहाटी मंदिर के पुजारी लाला पंडित ने कहा, जब भगवान ने रसखान और रहीम को भजन तैयार करने से नहीं रोका तो हम किसी को आराधना करने से रोकने वाले कौन होते हैं। भगवान श्रीकृष्ण, प्रेम के देवता हैं और उनकी भूमि पर घृणा के लिए कोई स्थान नहीं है। मथुरा में काली मंदिर के महंत दिनेश चतुर्वेदी ने भी इसी तरह के विचार व्यक्त करते हुए कहा, कैसे कोई एक श्रद्धालु को मंदिर में जाने से रोक सकता है। मंदिर सार्वजनिक स्थान हैं। अच्छे और बुरे लोग हर धर्म में होते हैं। बलदेव में दाऊजी मंदिर के पुजारी गोविंद पांडेय को मुस्लिमों से खरीदारी में कोई दिक्कत नजर नहीं आती। उन्होंने कहा, यह मंदिर दर्शन के अभिलाषी हर किसी का स्वागत करता है। स्थानीय मुस्लिम समुदाय बहुत सहयोगात्मक है।

समाजवादी पार्टी के नेता गुलशन यादव की संपत्ति कुर्क करने का आदेश

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश के प्रतापगढ़ जिले की एक स्थानीय अदालत ने गैंगेस्टर अधिनियम के आरोपी और समाजवादी पार्टी (सपा) के कार्यवाहक अध्यक्ष गुलशन यादव की लगभग सात करोड़ रुपए मूल्य की चल अचल संपत्ति कुर्क करने का आदेश दिया। एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।अपर पुलिस अधीक्षक (पश्चिमी) संजय राय ने बताया कि जिला मजिस्ट्रेट शिव सहाय अवस्थी की अदालत ने थाना कोतवाली कुंडा में गैंगेस्टर अधिनियम के मामले में दर्ज मुकदमे में आरोपी सपा के कार्यवाहक अध्यक्ष गुलशन यादव की आपराधिक कृत्य से अर्जित चल-अचल कुल सात करोड़ रुपए से अधिक की संपत्ति कुर्क करने का आदेश जारी किया है।

आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2025 26 के लिए आईटीआर फॉर्म किए अधिसूचित

नई दिल्ली।(भाषा) आयकर विभाग ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर फॉर्म एक और चार को अधिसूचित किया है। इसके साथ सूचीबद्ध शेयरों से 1.25 लाख रुपए तक के दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ वाले व्यक्तियों के लिए रिटर्न दाखिल करना आसान बनाया गया है।

सरकार ने 80सी, 80जीजी और अन्य धाराओं के तहत दावा की गई कटौती के संबंध में फॉर्म में कुछ बदलाव किए हैं। साथ ही, करदाताओं को टीडीएस कटौती के संबंध में आईटीआर में खंडवार पूरा विवरण प्रस्तुत करना होगा। एक बार जब आयकर विभाग द्वारा आईटीआर दाखिल करने की सुविधा उपलब्ध करा दी जाएगी, तो लोग वित्त वर्ष 2024-25 में अर्जित आय के लिए आईटीआर दाखिल करना शुरू कर सकते हैं। व्यक्तियों तथा जिन लोगों को अपने खातों का ऑडिट नहीं करवाना है, उनके लिए आईटीआर दाखिल करने की अंतिम तिथि 31 जुलाई है। आम तौर पर, आईटीआर फॉर्म वित्त वर्ष की समाप्ति से पहले फरवरीमार्च के आसपास अधिसूचित किए जाते हैं। हालांकि, इस बार आईटीआर फॉर्म और दस्तावेज दाखिल करने की सुविधा में देरी हुई क्योंकि राजस्व विभाग के अधिकारी नए आयकर विधेयक में व्यस्त थे जिसे फरवरी में संसद में पेश किया गया था।

आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आईटीआर फॉर्म एक और चार उन व्यक्तियों और इकाइयों द्वारा दाखिल किए जाने हैं जिनकी कुल वार्षिक आय 50 लाख रुपए तक है।

अब वेतनभोगी व्यक्ति और अनुमानित कराधान योजना के तहत आने वाले वे लोग, जिनका एक वित्त वर्ष में 1.25 लाख रुपए तक का दीर्घावधि पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) है, क्रमश: आईटीआर-। और आईटीआर-4 दाखिल कर सकेंगे। पहले ऐसे व्यक्तियोंइकाइयों को आईटीआर-2 दाखिल करना होता था। आयकर कानून के तहत, सूचीबद्ध शेयर और म्यूचुअल फंड की बिक्री से 1.25 लाख रुपए तक के एलटीसीजी को कर से छूट दी गई है। 1.25 लाख रुपए प्रति वर्ष से अधिक के लाभ पर 12.5 प्रतिशत कर लगता है। ईवाई इंडिया कर भागीदार समीर कनाबर ने कहा कि न्यूनतम एलटीसीजी वाले लोगों को आईटीआर-। या आईटीआर-4 का उपयोग जारी रखने की अनुमति देने से अधिक जटिल फॉर्म को भरने का बोझ कम हो जाता है। कनाबर ने कहा, यह कदम व्यक्तिगत करदाताओं के लिए रिटर्न दाखिल करने की प्रक्रिया को सरल बनाकर करदाता सेवाओं को बढ़ाने की दिशा में एक स्पष्ट बदलाव को दर्शाता है। इस बदलाव से स्वैच्छिक अनुपालन को बढ़ावा मिलने, दस्तावेज दाखिल करने संबंधित तनाव कम होने और छोटे करदाताओं के लिए प्रणाली को अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल बनाने की उम्मीद है।

पिछले साल के फॉर्म की तरह, आईटीआर-। में भी व्यक्तियों से यह जानकारी मांगी गई है कि क्या उन्होंने अपने या किसी अन्य व्यक्ति के लिए विदेश यात्रा पर दो लाख रुपए से अधिक का खर्च किया है। इसमें यह भी जानकारी मांगी गई है कि क्या करदाता ने पिछले वर्ष के दौरान बिजली की खपत पर एक लाख रुपए से अधिक खर्च किया है।

आईटीआर फॉर्म। (सहज) और आईटीआर फॉर्म 4 (सुगम) सरल फॉर्म हैं जो बड़ी संख्या में छोटे तथा मध्यम करदाताओं की जरूरतों के अनुरूप हैं।सहज को ऐसे व्यक्ति दाखिल कर सकते हैं, जिसकी वार्षिक आय 50 लाख रुपए तक हो और जो वेतन, एक मकान की संपत्ति, अन्य स्रोतों (ब्याज) तथा कृषि आय से 5,000 रुपए प्रति वर्ष तक की आय प्राप्त करता हो। सुगम को ऐसे व्यक्तियों, हिंदू अविभाजित परिवारों (एचयूएफ) और कंपनियों(सीमित देयता भागीदारी (एलएलपी) के अलावा) द्वारा दाखिल किया जा सकता है, जिनकी कुल वार्षिक आय 50 लाख रुपए तक हो और व्यवसाय से और कोई पेशेवर आय हो।

आईटीआर-2 उन व्यक्तियों और एचयूएफ द्वारा दाखिल किया जाता है जिनकी आय, व्यवसाय या पेशेवर लाभ या प्राप्ति से नहीं होती है। नांगिया एंडरसन एलएलपी के कर साझेदार संदीप झुनझुनवाला ने कहा कि अब तक पूंजीगत लाभ के अंतर्गत आने वाले वेतनभोगी व्यक्तियों को आईटीआर-2 फॉर्म दाखिल करना होता था। भले ही धारा 112ए के तहत निर्धारित सीमा के कारण पूंजीगत लाभ को छूट प्राप्त हो, जिसके परिणामस्वरूप पूंजीगत लाभ की प्राप्ति, प्रतिभूतियों के विवरण आदि सहित विस्तृत जानकारी की आवश्यकताएं होती थीं। यह असुविधा आकलन वर्ष 2025-26 के लिए नए आईटीआर-। फॉर्म से कम हो गई है। इसमें एलटीसीजी की प्रकृति की आय की जानकारी देने के लिए एक छोटा सा खंड शामिल किया गया है, जिस पर धारा 112ए में प्रदान की गई छूट सीमा के आधार पर कर देय नहीं है। कर एवं परामर्श कंपनी एकेएम ग्लोबल के साझेदार (कर) संदीप सहगल ने कहा, केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने आकलन वर्ष 2025-26 के लिए आयकर रिटर्न (आईटीआर) फॉर्म में महत्वपूर्ण बदलाव किए हैं, जिससे विशेष रूप से शेयर और म्यूचुअल फंड से दीर्घकालिक पूंजीगत लाभ (एलटीसीजी) पाने वाले वेतनभोगी करदाताओं को लाभ होगा। सहगल ने कहा, यह बदलाव, कर दाखिल करने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करता है जिससे यह छोटे निवेशकों तथा वेतनभोगियों के लिए अधिक सुलभ तथा कम बोझिल हो जाता है। इससे समय पर और सटीक अनुपालन को बढ़ावा मिलता है।

कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एमनेस्टी इंडिया के खिलाफ ईडी के धनशोधन मामले पर रोक लगाई

बेंगलुरु। (भाषा) कर्नाटक उच्च न्यायालय ने एमनेस्टी इंटरनेशनल इंडिया प्राइवेट लिमिटेड (एआईआईपीएल) और इसके पूर्व प्रमुख आकार पटेल के खिलाफ प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की धनशोधन कार्यवाही पर अंतरिम रोक लगा दी है। साल 2022 की अभियोजन शिकायत से संबंधित यह मामला अगले आदेश तक स्थगित रहेगा। न्यायमूर्ति हेमंत चंदनगौदर ने हाल ही में एआईआईपीएल और पटेल दोनों को अस्थाई राहत दी, ईडी को धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत अपनी जांच को आगे बढ़ाने से रोकने का निर्देश दिया। अदालत ने ईडी को नोटिस जारी कर मामले को रद्द करने की मांग करने वाली दो याचिकाओं का जवाब देने का निर्देश दिया। इससे पहले ईडी ने मई 2022 में पटेल, एआईआईपीएल और पूर्व सीईओ जी अनंतपद्मनाभन समेत कई व्यक्तियों के खिलाफ विदेशी अंशदान (विनियमन) अधिनियम (एफसीआरए) के कथित उल्लंघन और धनशोधन गतिविधियों से जुड़ी शिकायत दर्ज की थी। मामला 2019 में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) द्वारा एमनेस्टी इंटरनेशनल इंडिया फाउंडेशन ट्रस्ट (एआईआईएफटी) के खिलाफ दर्ज की गई प्राथमिकी से जुड़ा है, जिसमें संगठन पर एफसीआरए मानदंडों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया गया था। बाद में ईडी ने यह दावा करते हुए जांच अपने हाथ में ले ली थी कि एमनेस्टी इंडिया ने अपने ब्रिटिश समकक्ष से वाणिज्यिक माध्यमों से धन प्राप्त किया, जिसका उद्देश्य कथित तौर पर एफसीआरए प्रतिबंधों को दरकिनार करना था।

हवाई क्षेत्र पर रोक से भारतीय एयरलाइंस की लागत प्रति सप्ताह 77 करोड़ बढ़ेगी

मुंबई, नई दिल्ली। भारतीय एयरलाइंस को पाकिस्तान के साथ बढ़े तनाव के बीच देश के उत्तरी शहरों से संचालित अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए प्रति सप्ताह 77 करोड़ रुपए का अतिरिक्त खर्च उठाना पड़ सकता है। हवाई क्षेत्र पर लगी रोक के कारण विमानन ईंधन की खपत बढ़ने और उड़ान की अवधि लंबी होने के कारण ऐसा होगा। विदेशी उड़ानों की संख्या और उड़ान अवधि बढ़ने के साथ ही अनुमानित खर्चों के बारे में पीटीआई-भाषा के एक विश्लेषण से पता चला कि एयरलाइंस की अतिरिक्त मासिक परिचालन लागत 306 करोड़ रुपए से अधिक हो सकती है। पहलगाम आतंकी हमले के कारण भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया है। इस बीच पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को कहा कि वह भारतीय एयरलाइंस को अपने हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करने से रोक देगा। वैकल्पिक उड़ान मार्ग अपनाने से दिल्ली और उत्तर भारतीय शहरों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए 1.5 घंटे तक का अतिरिक्त समय लग रहा है। इसकी वजह से विमानन ईंधन की खपत भी बढ़ गई है। वाणिज्यिक क्षेत्र में व्यापक अनुभव रखने वाले एयरलाइन उद्योग के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि उत्तरी अमेरिका की 16 घंटे की उड़ान के लिए अब करीब 1.5 घंटे का समय और लगेगा। इस 1.5 घंटे की अतिरिक्त उड़ान पर करीब 29 लाख रुपए की लागत आएगी।

पेज 1 का शेष

अगली...

जाति गणना को शामिल किया जाना चाहिए। वैष्णव ने ब्रीफिंग में कहा, यह दर्शाता है कि हमारी सरकार हमारे समाज और देश के मूल्यों और हितों के लिए प्रतिबद्ध है, जैसे अतीत में हमारी सरकार ने समाज के किसी भी वर्ग में तनाव पैदा किए बिना समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए 10 प्रतिशत आरक्षण की शुरुआत की थी।

एनएसएबी...

उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं में पूर्ण विश्वास और भरोसा जताया। एनएसएबी के पुनर्गठन के संबंध में, नए सात सदस्यीय बोर्ड में सशस्त्र बलों और सिविल सेवाओं के कई प्रतिष्ठित पूर्व अधिकारी शामिल हैं। इनमें पूर्व पश्चिमी एयर कमांडर एयर मार्शल पी एम सिन्हा, पूर्व दक्षिणी सेना कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल ए के सिंह और सैन्य सेवाओं से रियर एडमिरल (सेवानिवृत्त) मोंटी खन्ना शामिल हैं। भारतीय पुलिस सेवा का प्रतिनिधित्व राजीव रंजन वर्मा और मनमोहन सिंह कर रहे हैं, दोनों सेवानिवृत्त आईपीएस अधिकारी हैं। पूर्व भारतीय विदेश सेवा अधिकारी बी वेंकटेश वर्मा को बोर्ड में शामिल किया गया है। एनएसएबी में सरकार से बाहर के प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सुरक्षा विशेषज्ञों का एक समूह शामिल है। सदस्य आमतौर पर वरिष्ठ सेवानिवृत्त अधिकारी, नागरिक और सैन्य अधिकारी, शिक्षाविद और नागरिक समाज के प्रतिष्ठित सदस्य होते हैं, जो आंतरिक और बाह्य सुरक्षा, विदेशी मामले, रक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी तथा आर्थिक मामलों में विशेषज्ञता रखते हैं। 1998 में गठित एनएसएबी राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद (एनएससी) को राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दों पर परिप्रेक्ष्य प्रदान करने तथा एनएससी द्वारा संदर्भित मुद्दों पर उपाय या समाधान और नीति विकल्पों की सिफारिश करने के लिए दीर्घकालिक विश्लेषण करता है। अंतिम बोर्ड का गठन 2018 में किया गया था, जिसके प्रमुख रूस में भारत के पूर्व राजदूत (2014-16) पी एस राघवन थे।

भारत ने ...

के आधार पर की गई गणना से पता चला कि अतिरिक्त मासिक परिचालन लागत 306 करोड़ रुपये से अधिक हो सकती है। वैकल्पिक उड़ान मार्ग के कारण दिल्ली और उत्तर भारतीय शहरों से अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के लिए उड़ान का समय 1.5 घंटे तक बढ़ गया है। अतिरिक्त 1.5 घंटे के लिए लागत लगभग 29 लाख रुपये होगी, जिसमें मार्ग में हवाई अड्डे पर तकनीकी ठहराव के कारण लैंडिंग और पार्किंग शुल्क भी शामिल है। इसी प्रकार, यूरोप के लिए 9 घंटे की उड़ान के लिए अतिरिक्त उड़ान समय लगभग 1.5 घंटे होगा, और अतिरिक्त लागत लगभग 22.5 लाख रुपये होगी। मध्य पूर्व की उड़ानों के मामले में, अतिरिक्त समय लगभग 45 मिनट होगा, और परिणामी लागत लगभग 5 लाख रुपये होगी। विमानन विश्लेषण फर्म सिरियम के आंकड़ों के अनुसार, भारतीय विमानन कम्पनियां अप्रैल में विभिन्न अंतरराष्ट्रीय गंतव्यों के लिए 6,000 से अधिक उड़ानें संचालित करेंगी। सिरियम डेटा के विश्लेषण के अनुसार, भारतीय एयरलाइन्स द्वारा उत्तर भारतीय शहरों से उत्तरी अमेरिका, ब्रिटेन, यूरोप और मध्य पूर्व सहित विदेशी गंतव्यों के लिए 800 से अधिक साप्ताहिक उड़ानें संचालित की जाती हैं। एक महीने में दोनों तरफ 3,100 से अधिक उड़ानें होती हैं, तथा साप्ताहिक आधार पर यह संख्या लगभग 800 उड़ानों तक पहुंचती है। कुल मासिक उड़ानों में से लगभग 1,900 उड़ानें छोटे विमानों और कुछ बड़े विमानों द्वारा मध्य पूर्व के लिए संचालित की जाती हैं। अतिरिक्त 45 मिनट के लिए प्रति उड़ान 5 लाख रुपये की अतिरिक्त लागत को ध्यान में रखते हुए, कुल व्यय लगभग 90 करोड़ रुपये होगा। यूरोप और उत्तरी अमेरिका के संबंध में, कुल दो-तरफ़ा उड़ानें लगभग 1,200 हैं। उत्तरी अमेरिका सेवाओं के लिए लगभग 29 लाख रुपये और यूरोप की उड़ानों के लिए 22 लाख रुपये की लागत वाले 1.5 घंटे के अतिरिक्त उड़ान समय के आधार पर कुल राशि लगभग 306 करोड़ रुपये प्रति माह होगी। विश्लेषण के अनुसार, कुल अतिरिक्त मासिक व्यय लगभग 307 करोड़ रुपये और साप्ताहिक आधार पर 77 करोड़ रुपये होगा। ये आंकड़े मोटे अनुमान पर आधारित हैं।

चेतावनी....

बारामूला और कुपवाड़ा जिलों में गोलीबारी का ताजा दौर हुआ। 22 अप्रैल से ही सतर्क सैन्य टुकड़ियां कड़ी निगरानी रख रही हैं तथा सीमा पर सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गश्त बढ़ा दी है। अब तक पाकिस्तानी सेना नियंत्रण रेखा पर छोटे हथियारों से गोलीबारी करती रही है। क्षेत्र में बढ़ते तनाव के बावजूद तोपों का प्रयोग नहीं किया गया है। इस बीच, अनंतनाग, पुलवामा और शोपियां के अंदरूनी इलाकों में आतंकवाद विरोधी अभियान जारी है, जहां सुरक्षा बल पहाड़ों की चोटियों पर तैनात हैं, एक-एक करके इलाकों को खाली करा रहे हैं और नजदीक पहुंच रहे हैं। जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ को घर-घर जाकर तलाशी लेने, जिसमें ओजीडब्ल्यू के घर भी शामिल हैं, तथा उनके संबंधों के बारे में अधिक जानकारी जुटाने का काम सौंपा गया है। पहलगाम हमले के बाद से, उकसावे के एक व्यवस्थित पैटर्न के तहत पाकिस्तान द्वारा सीमा पार से गोलीबारी की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। सोमवार रात को कुपवाड़ा और बारामूला जिलों के साथ-साथ अखनूर सेक्टर से भी ऐसी कई घटनाएं सामने आईं।

कोलकाता...

पीड़ित परिवारों को सौंपने की व्यवस्था की जा रही है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आग लगने की घटना में लोगों की मौत पर दुख व्यक्त किया और प्रत्एक मृतक के परिजनों को वित्तीय सहायता देने की घोषणा की। प्रधानमंत्री कार्यालय ने मोदी के हवाले से एक्स पर पोस्ट किया, कोलकाता में आग लगने की घटना में लोगों की मौत से दुखी हूं। अपने प्रियजनों को खोने वालों के प्रति संवेदना प्रकट करता हूं। घायलों के जल्द स्वस्थ होने की कामना करता हूं। प्रत्एक मृतक के परिजनों को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से दो-दो लाख रुपए की अनुग्रह राशि दी जाएगी। घायलों को 50-50 हजार रुपए दिए जाएंगे।

कहानी...

जिसमें प्राचीन मौखिक परंपराओं और दृश्य कलाओं से लेकर अत्याधुनिक तकनीकी प्रगति तक, चार अनुभवात्मक क्षेत्रों - श्रुति, कृति, दृष्टि और क्रिएटर लीप - शामिल होंगे। भारत मंडप के अलावा, वेव्स 2025 में विशेष राज्य मंडप भी होंगे, जहां महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गोवा, गुजरात, तेलंगाना, मध्य प्रदेश और कई अन्य राज्य गर्व के साथ अपनी सांस्कृतिक और रचनात्मक शक्तियों का प्रदर्शन करेंगे। जैसे-जैसे मंडप समय और प्रौद्योगिकी के माध्यम से इस समृद्ध यात्रा के लिए अपने दरवाजे खोलता है, उद्घाटन दिवस मंच पर संगीत, संस्कृति और नवाचार के सम्मिश्रण के साथ एक अनुभव के साथ माहौल तैयार करता है। प्रदर्शन की शुरुआत एम. एम. कीरावनी के निर्देशन में एक आर्केस्ट्रा क्रैसेन्डो के साथ होती है, जिसके बाद श्रेया घोषाल, शंकर महादेवन, सोनू निगम, मंगली और के.एस. चित्रा जैसी प्रसिद्ध आवाज़ें आती हैं। साथ मिलकर वे वेव्स एंथम का अनावरण करेंगे, जो एकता और रचनात्मक शक्ति का ध्वनि प्रतीक है। शरद केलकर प्राचीन आख्यानों को समकालीन नवाचारों से जोड़ते हुए एक दृश्य यात्रा के माध्यम से दर्शकों का मार्गदर्शन करेंगे, जिसे मिश्रित मीडिया कथावाचन और गतिशील नृत्य रूपों द्वारा समर्थन मिलेगा। भारत की सांस्कृतिक विविधता नागालैंड की टेट्सियो बहनों के प्रदर्शन के माध्यम से केंद्र में आती है, जिसके बाद ए.आर. रहमान अपने प्रयोगात्मक बैंड झाला को प्रस्तुत करते हैं, जो भारतीय शास्त्रीय संगीत को नए युग के ध्वनि डिजाइन के साथ मिश्रित करता है। शिखर सम्मेलन में वेव्स ऑफ इंडिया एल्बम का भी शुभारंभ किया जाएगा, जो संगीत के दिग्गजों कीरवाणी, रहमान और महादेवन के बीच एक अनूठा सहयोग है, जिसमें प्रत्येक एक विशिष्ट संगीत परंपरा को समूह में लाएगा। शाम विभिन्न सांस्कृतिक सहयोगों के साथ जारी रहेगी, जिसमें धारावी ड्रीम प्रोजेक्ट दक्षिण कोरिया के बीटपेला हाउस के साथ मिलकर काम करेगा, जिसके बाद भारतीय पॉप सनसनी किंग और ईडीएम स्टार एलन वॉकर भी प्रस्तुति देंगे। समापन समारोह में सिनेमा के दिग्गज अनुपम खेर और कोरियोग्राफर कृति महेश भारतीय सिनेमा का सार प्रस्तुत करेंगे। इन प्रदर्शनों का उद्देश्य संगीत और आंदोलन के माध्यम से रचनाकारों, संस्कृतियों और देशों को एकजुट करना है। वेव्स शिखर सम्मेलन को जो बात अलग बनाती है, वह यह है कि यह पारंपरिक मनोरंजन की सीमाओं में रहने से इनकार करता है। यह जहां रचनात्मक उत्कृष्टता पर प्रकाश डालता है, वहीं उद्योग को आकार देने वाले शक्तिशाली परिवर्तनों पर भी प्रकाश डालता है।

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 1 मई 2025

786 पाकिस्तानी भारत से गए, 1465 भारतीय पाकिस्तान से स्वदेश लौटे

नई दिल्ली। (भाषा) पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर जारी सरकारी आदेश के बाद पिछले छह दिनों में 55 राजनयिकों, उनके आश्रितों और सहायक कर्मचारियों सहित 786 पाकिस्तानी नागरिक अटारी-वाघा सीमा के जरिए भारत छोड़ चुके हैं। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, इनके अलावा पाकिस्तानी वीजा धारक आठ भारतीय भी पड़ोसी मुल्क चले गए हैं।

इसके अलावा 24 अप्रैल से अब तक पंजाब से लगी अंतरराष्ट्रीय सीमा के जरिए पाकिस्तान से भारत में कुल 1465 भारतीय आए हैं, जिनमें 25 राजनयिक और अधिकारी शामिल हैं। इसके अतिरिक्त दीर्घकालिक भारतीय वीजा धारक 151 पाकिस्तानी नागरिक भी भारत आए हैं। सरकार ने पाकिस्तानी नागरिकों को भारत छोड़ो नोटिस तब जारी किया था जब 22 अप्रैल को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में पाकिस्तान से जुड़े आतंकवादियों ने 26 लोगों की हत्या कर दी थी, जिनमें अधिकतर पर्यटक थे।दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) वीजा धारकों के लिए भारत छोड़ने की अंतिम तिथि 26 अप्रैल थी। मेडिकल वीज़ा धारकों के लिए देश छोड़ने की अंतिम तिथि 29 अप्रैल थी। अन्य 12 श्रेणियों के वीज़ा धारकों के लिए देश छोड़ने की अंतिम तिथि 27 अप्रैल थी। इन श्रेणियों में आगमन पर वीज़ा तथा व्यवसाय, फिल्म, पत्रकार, पारगमन, सम्मेलन, पर्वतारोहण, छात्र, आगंतुक, समूह पर्यटक, तीर्थयात्री और समूह तीर्थयात्री वीजा शामिल हैं।

नई दिल्ली स्थित पाकिस्तानी उच्चायोग में तीन रक्षासैन्य, नौसेना और वायु सलाहकारों को 23 अप्रैल को अवांछित व्यक्ति घोषित कर दिया गया तथा उन्हें भारत छोड़ने के लिए एक हफ्ते का समय दिया गया था।इन रक्षा अताशे (विदेश में अपने देश के रक्षा प्रतिष्ठान का प्रतिनिधित्व करने वाला सशस्त्र बलों का सदस्य) के पांच सहायक कर्मचारियों को भी भारत छोड़ने को कहा गया है। भारत ने इस्लामाबाद स्थित भारतीय उच्चायोग से अपने रक्षा अताशे को भी वापस बुला लिया है। हालांकि, दीर्घकालिक, राजनयिक या आधिकारिक वीजा रखने वालों को भारत छोड़ने के आदेश से छूट दी गई थी। अधिकारियों ने पीटीआई-भाषा को बताया कि 29 अप्रैल को 10 राजनयिकों समेत कुल 94 पाकिस्तानी नागरिक अटारी-वाघा सीमा के जरिए से भारत से चले गए। उनके मुताबिक, 28 अप्रैल को 36 राजनयिकों, उनके आश्रितों और सहायक कर्मचारियों समेत 145 पाकिस्तानी चले गए तथा 27 अप्रैल को नौ राजनयिकों और अधिकारियों समेत कुल 237 पाकिस्तानी भारत से चले गए और 26 अप्रैल को 81, 25 अप्रैल को 191 और 24 अप्रैल को 28 पाकिस्तानी भारत से चले गए। सूत्रों ने बताया कि पाकिस्तानी वीजा पर आठ भारतीय नागरिक भी 29 अप्रैल को अंतरराष्ट्रीय सीमा क्रॉसिंग बिंदु के जरिए भारत से चले गए। अधिकारियों ने बताया कि इसी प्रकार, 29 अप्रैल को 11 राजनयिकों और अधिकारियों सहित कुल 469 भारतीय उसी मार्ग से पाकिस्तान से लौट आए, 28 अप्रैल को 146 भारतीय लौटे, 27 अप्रैल को एक राजनयिक सहित 116 भारतीय लौटे, 26 अप्रैल को 13 राजनयिकों और अधिकारियों सहित 342 भारतीय वापस आए, 25 अप्रैल को 287 तथा 24 अप्रैल को 105 भारतीय वापस लौटे। दीर्घकालिक भारतीय वीजा पर 29 अप्रैल को कुल 22 पाकिस्तानी नागरिक अटारी-वाघा सीमा के माध्यम से देश में आए तथा 28 अप्रैल को इसी श्रेणी का वीजा रखने वाले 129 और पाकिस्तानी भारत आए।अधिकारियों ने कहा कि कुछ पाकिस्तानी शायद हवाईअड्डों के जरिए भी भारत से चले गए होंगे। उन्होंने कहा कि चूंकि भारत का पाकिस्तान के साथ सीधा हवाई संपर्क नहीं है, इसलिए वे शायद किसी तीसरे देश चले गए होंगे। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने 25 अप्रैल को सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों से यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पाकिस्तानी देश छोड़ने की निर्धारित समय सीमा से अधिक भारत में न रहे। मुख्यमंत्रियों के साथ शाह की टेलीफोन पर बातचीत के बाद, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन ने भी मुख्य सचिवों के साथ एक वीडियो कॉन्फ्रेंस की और उनसे यह सुनिश्चित करने को कहा कि जिन पाकिस्तानी नागरिकों का वीजा रद्द कर दिया गया है, वे तय समय सीमा तक भारत छोड़ दें।

अहमदाबाद में बांग्लादेशी घुसपैठियों के घरों को ध्वस्त करने का अभियान दूसरे दिन भी जारी रहा

अहमदाबाद। (भाषा) गुजरात के अहमदाबाद में चंडोला झील क्षेत्र को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए बड़े पैमाने पर शुरू ध्वस्तीकरण अभियान बुधवार को दूसरे दिन भी जारी रहा। राज्य के एक मंत्री ने यह जानकारी दी। मंत्री के मुताबिक सरकार करीब 1.25 लाख वर्ग मीटर जमीन अनधिकृत कब्जे से मुक्त कराएगी। अहमदाबाद नगर निगम और शहर की पुलिस ने मंगलवार को इस क्षेत्र में बड़े पैमाने पर ध्वस्तीकरण अभियान शुरू किया। कुछ दिनों पहले ही जल निकाय के आसपास बनी बस्तियों से अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों को हिरासत में लिया गया था।ध्वस्तीकरण अभियान की निगरानी कर रहे गुजरात के गृह राज्य मंत्री हर्ष संघवी ने घटनास्थल पर संवाददाताओं से कहा कि अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों ने शहर के दानी लिमडा क्षेत्र में झील के आसपास 1.25 लाख वर्ग मीटर भूमि पर अवैध बस्ती बना ली है। उन्होंने कहा, हम अतिक्रमण हटाएंगे और सरकारी जमीन का एक-एक इंच हिस्सा वापस लेंगे। प्रशासन और पुलिस मानवीय दृष्टिकोण के साथ अभियान चला रहे हैं। लगभग 1.25 लाख वर्ग मीटर भूमि पर अवैध बांग्लादेशियों ने अतिक्रमण कर लिया है। इस अतिक्रमण को हटाने का अभियान अभी जारी है। मंत्री ने शहर के पुलिस आयुक्त जी एस मलिक और नगर निगम आयुक्त बंछानिधि पाणि से ध्वस्तीकरण अभियान की जानकारी ली। कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बाद, शहर की पुलिस ने 26 अप्रैल को चंडोला झील क्षेत्र में छापा मारा और लालू पठान उर्फ लल्लू बिहारी की मदद से क्षेत्र में अवैध रूप से रह रहे 150 से अधिक बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया। मलिक के अनुसार, चंडोला झील में सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के पीछे के मास्टरमाइंड लालू पठान के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई है। उन्होंने बताया कि पठान ने बांग्लादेशी घुसपैठियों को किराए का मकान दिलाने और आधार कार्ड प्राप्त करने में भी मदद की थी।अपराध शाखा द्वारा मंगलवार को दर्ज की गई प्राथमिकी के अनुसार, पठान अपने बेटे फतेह मोहम्मद पठान और छह अन्य लोगों के साथ बिजली चोरी, अवैध रूप से बसने वालों को बिजली कनेक्शन दिलाने, किराया करार तैयार करने के लिए बिजली बिल का दुरुपयोग करने और सरकारी जमीन पर बने घरों से किराया लेने में संलिप्त था। उप नगर आयुक्त बी सी परमार ने बताया कि अवैध रूप से निर्मित लगभग 2,000 मकान, झोपड़ियां और अन्य संपत्तियों को ध्वस्त करने के लिए चिह्नित किया गया है।राज्य सरकार की ओर से जारी विज्ञप्ति के मुताबिक अहमदाबाद नगर निगम ने अतिक्रमण हटाने के लिए 70 से अधिक अर्थमूवर मशीनें और 200 डंपर लगाए हैं। वहीं, सरकार ने अभियान के दौरान कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य रिजर्व पुलिस (एसआरपी) की 20 कंपनियों के साथ लगभग 2,000 पुलिसकर्मियों को भी तैनात किया है।

पहलगाम हमले के बाद सैन्य कमांडर को हटाने की खबर फर्जी : सरकार

नई दिल्ली।(भाषा) सरकार के पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) ने पाकिस्तान समर्थक कई सोशल मीडिया अकांउट द्वारा किए गए उन दावों का बुधवार को खंडन किया, जिनमें कहा गया था कि भारतीय सेना के उत्तरी कमान के कमांडेंट लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिन्द्र कुमार को पहलगाम हमले के बाद उनके पद से हटा दिया गया है। भारतीय सेना में चार दशकों का शानदार सेवा देने के बाद जनरल ऑफिसर ने 30 अप्रैल को अवकाश प्राप्त किया। सेना ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी एक एक पोस्ट में उनके अनुकरणीय नेतृत्व, सर्वोच्च पेशेवर और राष्ट्र के प्रति बेदाग सेवा के लिए आभार व्यक्त किया।पीआईबी फैक्ट चेक ने एक्स पर लिखा, कई पाकिस्तान समर्थक सोशल मीडिया अकाउंट झूठा दावा कर रहे हैं कि पहलगाम की घटना के बाद उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल सुचिन्द्र कुमार को उनके पद से हटा दिया गया है। पीआईबी फैक्ट चेक ने इन पोस्ट में किए जा रहे दावों को फर्जी पाया।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए आतंकी हमले के बाद भारत और पाकिस्तान में बढ़े तनाव के बीच सोशल मीडिया पर कई भ्रामक पोस्ट किए गए हैं। आतंकवादियों ने 22 अप्रैल को दक्षिण कश्मीर के पहलगाम के बैसरन में 26 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी, जिनमें ज्यादातर पर्यटक थे।फ्टिनेंट जनरल कुमार ने फरवरी 2024 में भारतीय सेना की उधमपुर स्थित उत्तरी कमान के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) के रूप में पदभार ग्रहण किया था। वह 30 अप्रैल को सेवानिवृत्त हो गए। लेफ्टिनेंट जनरल प्रतीक शर्मा उत्तरी कमान के नए जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ होंगे और बृहस्पतिवार को पदभार ग्रहण करेंगे। पीआईबी फैक्ट चेक ने बुधवार को एक्स पर एक अन्य पोस्ट में, बताया कि एक एक्स हैंडल सोशल मीडिया पर एक फर्जी तस्वीर प्रसारित किया जा रहा है, जिसमें गलत दावा किया गया है कि लेफ्टिनेंट जनरल कुमार के खिलाफ औपचारिक कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का आदेश दिया गया है। पीआईबी ने कहा, पीआईबी फैक्ट चेक ने पाया कि यह तस्वीर फर्जी है। एकीकृत सेना के मुख्यालय के आधिकारिक एक्स हैंडल द्वारा ऐसा कोई पोस्ट कभी नहीं किया गया है।

इससे पहले दिन में सेना ने बुधवार को उत्तरी कमान द्वारा एक्स पर की गई पोस्ट का जवाब देते हुए कहा कि जनरल ऑफिसर को कमान के बहादुर पुरुष और महिला सैनिकों द्वारा उचित विदाई दी गई। इसमें कहा गया कि लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिन्द्र कुमार ने भारतीय सेना में चार दशकों का शानदार कार्यकाल पूरा करने के बाद आज भारतीय सेना की उत्तरी कमान से अवकाश प्राप्त किया। उन्होंने कहा, कमान के बहादुर पुरुष और महिला सैनिकों द्वारा उन्हें भावभीनी विदाई दी गई। भारतीय सेना उनके अनुकरणीय नेतृत्व, सर्वोच्च पेशेवर और राष्ट्र के प्रति बेदाग सेवा के लिए गहरा आभार व्यक्त करती है। उत्तरी कमान ने अपने पोस्ट में लिखा कि लेफ्टिनेंट जनरल कुमार ने उत्तरी कमान की कमान छोड़ने और सेवानिवृत्त होने पर उधमपुर स्थित ध्रुव युद्ध स्मारक पर बहादुरों के सर्वोच्च बलिदान को सम्मा देने के लिए पुष्पांजलि अर्पित की। पीआईबी ने सोमवार को बताया था कि कुछ पाकिस्तान समर्थक सोशल मीडिया अकाउंट गलत दावा कर रहे हैं कि भारतीय सेना की तैयारियों से संबंधित गोपनीय दस्तावेज लीक हो गए हैं। सोशल मीडिया पोस्ट में पीआईबी फैक्ट चेक ने इन दस्तावेजों को फर्जी करार दिया।

पीआईबी फैक्ट चेक ने अपने पोस्ट में कहा, पाकिस्तान समर्थक सोशल मीडिया अकाउंट झूठा दावा कर रहे हैं कि भारतीय सेना की तैयारियों से जुड़े गोपनीय दस्तावेज लीक हो गए हैं। पीआईबी फैक्ट चेक तसदीक करता है कि ए दस्तावेज फर्जी हैं। कृपया असत्यापित जानकारी साझा करने से बचें और सटीक जानकारी के लिए केवल भारत सरकार के आधिकारिक स्रोतों पर ही भरोसा करें। रक्षा मंत्रालय ने रविवार को आगाह किया कि व्हाट्सऐप पर एक भ्रामक संदेश चल रहा है, जिसमें दावा किया जा रहा है कि सरकार ने भारतीय सेना के आधुनिकीकरण के लिए दान मांगने हेतु एक बैंक खाता खोला है। मंत्रालय ने इस संदेश का खंडन किया और लोगों से सतर्क रहने तथा ऐसे धोखाधड़ी वाले संदेशों का शिकार न होने का आग्रह किया।

नौसेना की पहली महिला उड़ान प्रशिक्षक बन इतिहास रचा

नई दिल्ली। (भाषा) अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) में एक विशिष्ट नौसैन्य वायु स्क्वाड्रन की डोर्नियर पायलट लेफ्टिनेंट कमांडर दिव्या शर्मा भारतीय नौसेना की योग्य उड़ान प्रशिक्षक बनने वाली पहली महिला बन गई हैं। बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में एएनसी ने कुछ तस्वीरें साझा कीं। इसने पोस्ट में कहा कि आईएनएस उत्क्रोश पर आईएनएएस 318 की डोर्नियर पायलट लेफ्टिनेंट कमांडर दिव्या शर्मा ने भारतीय नौसेना की पहली महिला योग्य उड़ान प्रशिक्षक के रूप में इतिहास रच दिया।

अदालती निर्देश के बावजूद जम्मू-कश्मीर के पुलिसकर्मी और परिवार को पाकिस्तान निर्वासित करने की तैयारी

जम्मू। (भाषा) जम्मू-कश्मीर में एक पुलिसकर्मी और उसकी पांच बहनों समेत आठ भाई-बहनों को बुधवार को पाकिस्तान भेजने के लिए पंजाब भेज दिया गया। हालांकि, उच्च न्यायालय ने इस कदम के खिलाफ उनकी याचिका स्वीकार कर ली थी और उन्हें अस्थाई राहत दे दी थी।

परिवार के नौ सदस्य उन दो दर्जन से अधिक लोगों में शामिल हैं, जिन्हें पुंछ, राजौरी और जम्मू जिलों के अधिकारियों ने निर्वासन नोटिस जारी किए थे।इनमें से अधिकतर लोग पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) से हैं। पहलगाम में 22 अप्रैल को हुए आतंकवादी हमले में 26 लोगों की मौत के बाद केंद्र सरकार ने कई कदमों की घोषणा की थी, जिनमें पाकिस्तान के साथ हुई सिंधु जल संधि को निलंबित करना, इस्लामाबाद के साथ राजनयिक संबंधों को कमतर करना और अल्पकालिक वीजा पर आए सभी पाकिस्तानियों को 27 अप्रैल तक भारत छोड़ने या कार्वाई के लिए तैयार रहने का आदेश शामिल था।

पाकिस्तानी नागरिकों को बसों में पंजाब ले जाया गया, जहां उन्हें बुधवार को पाकिस्तानी अधिकारियों को सौंप दिया जाएगा। इन लोगों में से कई लोग दशकों से जम्मू क्षेत्र में रह रहे थे। पुलिसकर्मी इफ्तखार अली (45) और 42 से 56 वर्ष की आयु की उनकी पांच बहनों समेत कुल आठ भाई-बहनों को उस समय राहत मिली जब जम्मू-कश्मीर एवं लद्दाख उच्च न्यायालय ने उनकी याचिका स्वीकार कर ली। याचिका में उन्होंने दावा किया कि वे पाकिस्तानी नागरिक नहीं हैं और पीढ़ियों से सलवाह गांव में रह रहे हैं।

न्यायमूर्ति राहुल भारती ने अली की याचिका पर सुनवाई के बाद अपने आदेश में कहा, याचिकाकर्ताओं को केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर छोड़ने के लिए न कहा जाए और न ही मजबूर किया जाए। हालांकि, दूसरा पक्ष इस निर्देश पर आपत्ति जता सकता है। अली पिछले 27 वर्षों से पुलिस विभाग में सेवारत हैं और फिलहाल वैष्णो देवी मंदिर के कटरा आधार शिविर में तैनात हैं। राजस्व अभिलेखों से प्रथम दृष्टया यह स्थापित होता है कि वे जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के वास्तविक निवासी हैं। इन अभिलेखों द्वारा समर्थित अली की याचिका को स्वीकार करते हुए न्यायाधीश ने सरकारी वकीलों से दो सप्ताह में एक विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा और मामले की अगली सुनवाई 20 मई को निर्धारित कर दी।

मणिपुर में 21 विधायक ने प्रधानमंत्री मोदी, शाह को पत्र लिखकर चुनी सरकार बहाल करने का आग्रह किया

इंफाल। (भाषा) मणिपुर के 21 विधायकों ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पत्र लिखकर उनसे राज्य में शांति और सामान्य स्थिति सुनिश्चित करने के लिए चुनी हुई सरकार बहाल करने का आग्रह किया है। मणिपुर में फिलहाल राष्ट्रपति शासन लागू है। केंद्र ने 13 फरवरी को मणिपुर में राष्ट्रपति शासन लगा दिया था, जहां मई 2023 से मेइती और कुकी-जो समूहों के बीच जातीय हिंसा में 250 से अधिक लोग मारे गए हैं और हजारों लोग बेघर हो गए हैं।मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के इस्तीफा देने के बाद राष्ट्रपति शासन लागू किया गया। राज्य विधानसभा का कार्यकाल 2027 तक है, जिसे निलंबित कर दिया गया है। प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृहमंत्री को अलग-अलग लिखे गए इन पत्रों पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के 13 विधायकों, नेशनल पीपुल्स पार्टी (एनपीपी) और नगा पीपुल्स फ्रंट के तीन-तीन विधायकों और दो निर्दलीय विधायकों ने हस्ताक्षर किए हैं।

इसमें कहा गया है, मणिपुर के लोगों ने राष्ट्रपति शासन का स्वागत किया है...बहुत उम्मीद और अपेक्षा के साथ। हालांकि, तीन महीने होने जा रहे हैं, लेकिन अभी तक शांति और सामान्य स्थिति लाने के लिए कोई स्पष्ट कार्वाई नहीं देखी गई है।इस पत्र में कहा गया है, लोगों में इस बात की प्रबल आशंका है कि राज्य में फिर से हिंसा हो सकती है। कई नागरिक संगठन राष्ट्रपति शासन लगाए जाने के खिलाफ खुलकर सामने आ गए हैं और एक लोकप्रिय सरकार की स्थापना की मांग कर रहे हैं। विधायकों ने 10 अप्रैल को लिखे पत्र में कहा, इन संगठनों ने सार्वजनिक रैलियां, नुक्कड़ सभाएं आयोजित करना, आम जनता को भड़काना, सत्तारूढ़ विधायकों पर लोकप्रिय सरकार बनाने का दावा न करने का आरोप लगाना तथा राज्य में राष्ट्रपति शासन लागू करने के लिए जिम्मेदारी तय करना शुरू कर दिया है। एक विधायक ने बताया कि ए पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय और गृह मंत्रालय को 29 अप्रैल को अलग-अलग प्राप्त हुए और बुधवार को इन्हें सार्वजनिक किया गया। विधायकों ने यह भी कहा, हमारा मानना है कि मणिपुर में शांति और सामान्य स्थिति लाने के लिए चुनी हुई सरकार का गठन ही एकमात्र साधन है। विधायकों ने प्रधानमंत्री और गृह मंत्री से अनुरोध किया कि वे मणिपुर के लोगों के हित में जल्द से जल्द एक चुनी हुई सरकार स्थापित करने के लिए आवश्यक कदम उठाएं। उन्होंने कहा, हम आपको आश्वासन देते हैं कि हम चुनी हुई सरकार की स्थापना के बाद शांति और सामान्य स्थिति लाने के लिए पूरी लगन और निष्ठा के साथ काम करेंगे। हालांकि, मणिपुर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष के. मेघचंद्र सिंह ने राज्यपाल को नजरअंदाज कर केंद्र को पत्र लिखने के लिए 21 विधायकों की आलोचना की।उन्होंने आरोप लगाया कि इन विधायकों ने राज्य में सरकार बनाने के प्रयास में संवैधानिक तरीके को दरकिनार कर दिया, जहां वर्तमान में राष्ट्रपति शासन है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी पोस्ट में कहा, इन विधायकों को नई सरकार के गठन का दावा करने के लिए इंफाल में राजभवन जाना चाहिए था, लेकिन उन्होंने मणिपुर के राज्यपाल को पत्र लिखने के बजाय प्रधानमंत्री और केंद्रीय गृह मंत्री को पत्र लिखने का विकल्प चुना। राज्य में राष्ट्रपति शासन लगा हुआ है। उनके कार्यों से पता चलता है कि वे मणिपुर में नई सरकार के गठन का दावा करने के लिए राज्यपाल से मिलने के प्रति गंभीर नहीं हैं।

डोर्नियर पायलट लेफ्टिनेंट कमांडर दिव्या शर्मा ने नौसेना की पहली महिला उड़ान प्रशिक्षक बन इतिहास रचा

नई दिल्ली। (भाषा) अंडमान और निकोबार कमान (एएनसी) में एक विशिष्ट नौसैन्य वायु स्क्वाड्रन की डोर्नियर पायलट लेफ्टिनेंट कमांडर दिव्या शर्मा भारतीय नौसेना की योग्य उड़ान प्रशिक्षक बनने वाली पहली महिला बन गई हैं। बुधवार को एक्स पर एक पोस्ट में एएनसी ने कुछ तस्वीरें साझा कीं। इसने पोस्ट में कहा कि आईएनएस उत्क्रोश पर आईएनएएस 318 की डोर्नियर पायलट लेफ्टिनेंट कमांडर दिव्या शर्मा ने भारतीय नौसेना की पहली महिला योग्य उड़ान प्रशिक्षक के रूप में इतिहास रच दिया। पोस्ट में कहा गया, पथप्रदर्शक आकाश और प्रेरणादायक पीढ़ियाँ। आईएनएस उत्क्रोश अंडमान और निकोबार द्वीप समूह के पोर्ट ब्लेयर में एक नौसैन्य हवाई स्टेशन है।

स्क्वाड्रन ने अपनी यात्रा आइलैंडर विमान को शामिल करने के साथ शुरू की थी, जिसकी जगह 1999 में डोर्नियर विमान ने ली थी। डोर्नियर विमान अत्याधुनिक समुद्री गश्ती रडार का उपयोग करके लंबी दूरी तक समुद्री निगरानी करने में सक्षम है।

सर्वोच्च न्यायालय ने दिशा सालियान के पिता की याचिका पर महाराष्ट्र सरकार से जवाब मांगा

मुंबई। (भाषा) बंबई उच्च न्यायालय ने बुधवार को महाराष्ट्र सरकार को दिवंगत अभिनेता सुशांत सिंह राजपूत की पूर्व मैनेजर दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान की याचिका के जवाब में हलफनामा दाखिल करने के लिए 15 जून तक का समय दिया। सतीश सालियान ने पिछले महीने अदालत का रुख कर शिवसेना (उबाठा) नेता आदित्य ठाकरे के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने और दिशा की मौत की जांच केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंपने का अनुरोध किया था। राजपूत की मैनेजर रहीं दिशा की आठ जून, 2020 को मलाड में एक आवासीय इमारत की 14वीं मंजिल से गिरने से मौत हो गई थी। मुंबई पुलिस ने शुरू में मामले में दुर्घटनावश मृत्यु की रिपोर्ट (एडीआर) दर्ज की थी। उल्लेखनीय है कि छह दिन बाद 14 जून को राजपूत अपने बांद्रा स्थित आवास पर मृत पाए गए, जिससे दोनों मामलों में व्यापक अटकलें लगाई जाने लगीं। बुधवार को सतीश सालियान की याचिका पर सुनवाई के बाद न्यायमूर्ति एस वी कोटवाल और न्यायमूर्ति एस एम मोदक की पीठ ने राज्य सरकार को हलफनामा दाखिल करने के लिए 15 जून तक का समय दिया। याचिका में सतीश ने आरोप लगाया कि उनकी बेटी से बलात्कार किया गया और हत्या कर दी गई। उन्होंने दावा किया कि दिशा की मौत राजनीतिक रूप से प्रेरित मामला था, जिसका उद्देश्य प्रभावशाली व्यक्तियों को बचाना था। याचिका में कहा गया, मुंबई पुलिस ने फॉरेंसिक साक्ष्य, परिस्थितिजन्य सबूत पर पर्याप्त रूप से विचार किए बिना जल्दबाजी में मामले को आत्महत्या या आकस्मिक मौत के रूप में बंद कर दिया।

उच्च न्यायालय के स्थानांतरण से जुड़े मतभेद के चलते हिमंत का बार निकाय से इस्तीफा

गुवाहाटी। (भाषा) असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने उच्च न्यायालय के मौजूदा परिसर को नए स्थान पर स्थानांतरित करने से जुड़े मतभेद के चलते बुधवार को गौहाटी हाई कोर्ट बार एसोसिएशन (जीएचसीबीए) से इस्तीफा दे दिया। शर्मा वर्ष 2001 के विधानसभा चुनाव में विधायक चुने जाने से पहले पेशेवर अधिवक्ता थे। शर्मा ने कहा कि उन्होंने हितों के टकराव के कारण बार निकाय के अध्यक्ष को अपना त्यागपत्र भेज दिया है। जीएचसीबीए शहर के मध्य में स्थित उच्च न्यायालय परिसर को मौजूदा स्थान से ब्रह्मपुत्र के उत्तरी तट पर रंगमहल स्थानांतरित किए जाने का विरोध कर रहा है। इसने दावा किया है कि न्यायालय परिसर को स्थानांतरित करने का निर्णय एकतरफा था और पर्याप्त बुनियादी ढांचा से रहित दूरदराज के क्षेत्र में स्थानांतरण कानूनी कार्यवाही को बाधित करेगा और वादियों तथा कानून से जुड़े पेशेवर लोगों पर प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। शर्मा ने ग्वालपाड़ा में पंचायत चुनाव रैली से इतर संवाददाताओं से कहा, मुख्यमंत्री के तौर पर मैं रंगमहल में नए न्यायालय परिसर के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हूं। बार निकाय सरकार के इस फैसले का विरोध कर रहा है। इस मामले में हितों के टकराव की बात सामने आने के बाद मैंने अपना इस्तीफा दे दिया है।

मिजोरम में छह करोड़ रुपए से अधिक मूल्य की मेथ गोली जब्त, दो गिरफ्तार

आइजोल।(भाषा) मणिपुर में आइजोल में पुलिस ने मादक पदार्थ से संबंधित एक बड़ी कार्वाई में 6.17 करोड़ रुपए मूल्य की मेथामफेटामाइन गोली जब्त की हैं और इस सिलसिले में दो लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बुधवार को एक बयान में यह जानकारी दी। पुलिस के बयान के अनुसार, जब्त की गई नशे की गोलियां म्यांमा से तस्करी कर लाई गई थीं। बयान के अनुसार, गुप्त सूचना के आधार पर सीआईडी (विशेष शाखा) की टीम ने मंगलवार को आइजोल के बाहरी क्षेत्र तुइरियाल से जेमाबॉक के बीच राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक गुप्त अभियान चलाया और जेमाबॉक इलाके में एक चर्च के पास दो वाहनों को रोका। बयान में कहा गया कि दोनों वाहन म्यांमा सीमा से सटे चंफाई शहर से आ रहे थे। तलाशी के दौरान दोनों वाहन में से एक कार से कुल 18.9 किलोग्राम के 20 पैकेट और दूसरी कार से कुल 28.5 किलोग्राम के 29 पैकेट में मेथामफेटामाइन गोली बरामद किए गए। कुल 47.5 किलोग्राम नशीला पदार्थ बरामद हुआ, जिसकी बाजार कीमत लगभग 6.17 करोड़ रुपए आंकी गई है। पुलिस ने बताया कि मादक पदार्थ को दोनों वाहन के पिछले हिस्से की बॉडी लाइनिंग और डैशबोर्ड के भीतर छुपाया गया था।

औरंगजेब और अन्य हमलावरों की कब्रों को हटाना फडणवीस का पहला कर्तव्य: हिंदू संत

नागपुर।(भाषा) हिंदू संत प्रज्ञानंद सरस्वती महाराज ने कहा है कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस का पहला कर्तव्य मुगल सम्राट औरंगजेब और अन्य आक्रमणकारियों की कब्रों को राज्य से हटाना है। द्वारका शारदा ज्योतिष पीठ के शंकराचार्य ने यह भी कहा कि यदि सरकार यह कार्य करने में विफल रहती है, तो सनातन धर्म के अनुयायियों को स्वयं ही यह कार्य करना होगा। उन्होंने नागपुर में मराठी समाचार चैनल एबीपी माझा से मंगलवार को बात करते हुए कहा, आपने औरंगजेब को जमीन दी, जिसके वंशज आज कट्टरपंथी और उग्रवादी बनकर हिंदुओं पर हमला कर रहे हैं। मैंने पहले भी कहा है और फिर कह रहा हूं कि देवेंद्र फडणवीस की पहली जिम्मेदारी महाराष्ट्र से औरंगजेब और अन्य आक्रमणकारियों की कब्रों को हटाना और खत्म करना है। महाराज ने कहा, अगर सरकार ऐसा नहीं करती है तो सनातन धर्मियों को इस काम के लिए आगे आना होगा। छत्रपति संभाजीनगर शहर से करीब 25 किलोमीटर दूर खुल्दाबाद कस्बे में स्थित औरंगजेब की कब्र को हटाने की मांग के बाद पिछले महीने महाराष्ट्र के कई हिस्सों में तनाव फैल गया था। दक्षिणपंथी समूहों द्वारा इसे हटाने की धमकी के बीच कब्र के आसपास सुरक्षा बढ़ा दी गई थी।मध्य नागपुर के महल क्षेत्र के चिटनिस पार्क में 17 मार्च को हिंसा भड़क उठी थी, जिसमें पुलिस पर पथराव किया गया था। यह हिंसा इस अफवाह के बाद फैली कि औरंगजेब की कब्र को हटाने के लिए एक दक्षिणपंथी संगठन द्वारा किए गए आंदोलन के दौरान एक समुदाय की पवित्र पुस्तक को जला दिया गया था। प्रज्ञानंद महाराज ने पिछले सप्ताह पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में कहा, यह उस धर्म पर सीधा हमला है, जो दुनिया के हर धर्म को आश्रय देता है। आज वही सनातन धर्मी, हिंदू धर्मी अपनी जान की रक्षा नहीं कर पा रहे हैं...उनकी जान मुसलमान और इस्लाम धर्म के अनुयाई ले रहे हैं, जिन्हें शरण दी गई थी।

जब उनसे पूछा गया कि कुछ लोग कह रहे ह जब उनसे पूछा गया कि कुछ लोग कह रहे हैं कि औरंगजेब की कब्र को नहीं हटाया जाना चाहिए क्योंकि यह मराठा इतिहास से जुड़ी है, तो उन्होंने पिछले सप्ताह कहा था, ऐसे लोगों की बात क्यों सुनी जा रही है? महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस को उत्तर प्रदेश के अपने समकक्ष योगी आदित्यनाथ जैसी भावना उन शक्तियों के खिलाफ दिखानी चाहिए जो राष्ट्र-विरोधी और धर्म-विरोधी हैं। उन्होंने कहा, फडणवीस को अराजक तत्वों, राष्ट्र विरोधी और संविधान विरोधी लोगों को खत्म करने के लिए उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री की तर्ज पर बुलडोजर की तरह काम करने की जरूरत है और फिर हिंसा का कोई कारण नहीं होगा।

उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए उच्चतम न्यायालय सहमत

क्लैट यूजी

नई दिल्ली। (भाषा) उच्चतम न्यायालय दिल्ली उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई के लिए बुधवार को सहमत हो गया जिसमें राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों के संघ (कंसोर्टियम) को अंकतालिकाओं में संशोधन करने और क्लैट यूजी-2025 के चयनित अभ्यर्थियों की अंतिम सूची चार सप्ताह के भीतर पुन: प्रकाशित करने का निर्देश दिया गया था। न्यायमूर्ति बी आर गवई और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ ने याचिका पर संघ और अन्य को नोटिस जारी कर एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा।

पीठ ने कहा कि मामले की सुनवाई एक सप्ताह बाद फिर की जाएगी। राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों (एनएलयू) में पांच वर्षीय एलएलबी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए पिछले वर्ष एक दिसंबर को संयुक्त विधि प्रवेश परीक्षा (क्लैट) का आयोजन किया गया था और परिणाम सात दिसंबर को घोषित किए गए थे। इसके बाद विभिन्न उच्च न्यायालयों में कई याचिकाएं दायर की गईं, जिनमें आरोप लगाया गया कि परीक्षा में कई प्रश्न गलत थे। क्लैट के जरिए देश के राष्ट्रीय विधि विश्वविद्यालयों में स्नातक और स्नातकोत्तर विधि पाठ्यक्रमों में प्रवेश निर्धारित होता है। उच्चतम न्यायालय ने छह फरवरी को इस मुद्दे पर सभी याचिकाओं को सुसंगत निर्णय के लिए दिल्ली उच्च न्यायालय को स्थानांतरित कर दिया था। उच्च न्यायालय की एक खंडपीठ ने 23 अप्रैल के अपने आदेश में उम्मीदवारों की कुछ आपत्तियों को स्वीकार कर लिया, जबकि उनमें से कुछ को खारिज कर दिया। उच्च न्यायालय ने कहा, हम प्रतिवादीसंघ को अंकतालिका को संशोधित करने और तिथि से चार सप्ताह के भीतर चयनित उम्मीदवारों की अंतिम सूची को पुन: प्रकाशितापुन: अधिसूचित करने का निर्देश देते हैं। पीठ ने स्पष्ट किया कि संघ को प्रत्एक अपीलकर्ता और याचिकाकर्ता तथा उन अभ्यर्थियों के लिए मूल्यांकन लागू करना चाहिए, जिन्होंने अदालत के विचाराधीन कुछ प्रश्नों का प्रयास किया हो।

अदालत ने कहा कि संघ को उन सभी अभ्यर्थियों के लिए भी मूल्यांकन लागू करना चाहिए जिन्हें विश्लेषण के आधार पर कुछ लाभ दिए जा सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप, पीठ ने क्लैट स्नातक-2025 प्रश्नावली में कुछ त्रुटियों की ओर इशारा करने वाली याचिकाओं और अपीलों का निस्तारण कर दिया।

कांची कामकोटि पीठ के नए कनिष्ठ शंकराचार्य बने श्री सत्य चंद

नई दिल्ली। (भाषा) सरकार ने राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार बोर्ड (एनएसएबी) का पुनर्गठन किया है। यह कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ऐसी अटकलें हैं कि भारत पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले के सीमा पार संबंधों के मद्देनजर कार्वाई कर सकता है। ऐसी जानकारी है कि देश की खुफिया एजेंसी रिसर्च एंड एनालिसिस विंग (रॉ) के पूर्व प्रमुख आलोक जोशी को एनएसएबी का अध्यक्ष नियुक्त किया गया है।

पायनियर
लखनऊ, बृहस्पतिवार, 1 मई 2025

अमेरिका का भारत, पाक से तनाव कम करने का आग्रह

● रुबियो दोनों देशों के विदेश मंत्रियों से बात करेंगे

न्यूयॉर्क, वाशिंगटन। भारत और पाकिस्तान के मध्य बढ़ते तनाव के बीच अमेरिका ने दोनों देशों से संघर्ष को और नहीं बढ़ाने का आग्रह किया है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो इस संबंध में आज या कल दोनों देशों के विदेश मंत्रियों से बात करने वाले हैं। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता टैमी ब्रूस ने एक प्रेस वार्ता में कहा कि अमेरिका कश्मीर की स्थिति के बारे में भारत और पाकिस्तान दोनों से संपर्क कर रहा है और उनसे तनाव नहीं बढ़ाने का अनुरोध कर रहा है। ब्रूस ने कहा कि विदेश मंत्री मार्को रुबियो के आज या कल पाकिस्तान और भारत के विदेश मंत्रियों से बात करने की उम्मीद है। वह अन्य देशों के नेताओं और विदेश मंत्रियों को इस मुद्दे पर देशों (भारत-पाकिस्तान) से संपर्क करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं।

ब्रूस ने कहा, जैसा कि मैंने बताया है कि हर दिन कदम उठाए जा रहे हैं। इस मामले में विदेश मंत्री भारत और पाकिस्तान में अपने समकक्षों से सीधे बात कर रहे हैं और आगे भी करेंगे। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ ने टिप्पणी की थी कि पाकिस्तान अमेरिका के लिए यह नापाक काम करता रहा है। आसिफ की इस टिप्पणी के बारे में पूछे जाने पर ब्रूस ने कहा, मैं फिलहाल यही कह सकता हूं कि विदेश मंत्री दोनों देशों के विदेश मंत्रियों से बात करने जा रहे हैं। हम उस क्षेत्र में सभी क्षेत्रों में हो रहे घटनाक्रमों पर भी नजर रख रहे हैं और हम न केवल विदेश मंत्री स्तर पर, बल्कि कई स्तरों पर भारत और पाकिस्तान की सरकारों के साथ संपर्क में हैं। हम, निश्चित रूप से, सभी पक्षों को एक जिम्मेदार समाधान के लिए मिलकर काम करने के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं। दुनिया इस पर नजर रख रही है। मेरे पास इस संबंध में कोई अतिरिक्त विवरण नहीं है।

कश्मीर के पहलगाम में 22 अप्रैल को आतंकवादियों की गोलीबारी में 26 लोग मारे गए, जो 2019 में पुलवामा हमले के बाद घाटी में सबसे घातक हमला था। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के सहयोगी संगठन द रेसिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ) ने हमले की जिम्मेदारी ली। सरकारी सूत्रों के अनुसार, इस बीच नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को एक बैठक में शीर्ष रक्षा अधिकारियों से कहा था कि पहलगाम आतंकवादी हमले पर भारत को कैसे जवाब देना है, उसके लक्ष्य क्या हैं और इसे कब अंजाम देना है, इस पर निर्णय लेने के लिए सशस्त्र बलों को अभियान के संचालन की पूरी स्वतंत्रता है। इसके बाद पाकिस्तान की ओर से यह बयान आया है।

उन्होंने बताया कि उच्च स्तरीय बैठक में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल और तीनों सेनाओं के प्रमुखों ने हिस्सा लिया। इस दौरान मोदी ने कहा कि आतंकवाद को करारा जवाब देना राष्ट्रीय संकल्प है। मोदी ने सशस्त्र बलों की पेशेवर क्षमताओं पर पूरा भरोसा और विश्वास जताया।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 26 अप्रैल को कहा कि भारत और पाकिस्तान के बीच हमेशा तनाव रहा है और दोनों देश इसे आपस में किसी न किसी तरह सुलझा लेंगे। पहलगाम आतंकी हमले के मद्देनजर भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने ए टिप्पणियां कीं। ट्रंप ने रोम जाते समय अमेरिकी राष्ट्रपति के आधिकारिक वाहक एयरफोर्स वन में पत्रकारों के साथ प्रेस वार्ता में कहा, मैं भारत और पाकिस्तान के बहुत करीब हूं। वे कश्मीर में 1,000 साल से, शायद उससे भी ज्यादा समय से संघर्ष कर रहे हैं। कल का मामला बहुत बुरा थाअ वह बहुत बुरा था। कई लोग मारे गए।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस ने मंगलवार को विदेश मंत्री एस. जयशंकर और पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से टेलीफोन पर अलग-अलग बात की और पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की कड़ी निंदा की। एक्स पर एक पोस्ट में जयशंकर ने कहा, संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस का फोन आया। पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की उनकी स्पष्ट निंदा की सराहना करता हूं। जवाबदेही के महत्व पर सहमत हुए। भारत का संकल्प है कि इस हमले के अपराधियों, साजिश रचने वालों और इनके आकाओं को न्याय के कठघरे में लाया जाए। महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि टेलीफोन पर हुई बातचीत में गुतारेस ने इन हमलों के लिए कानूनी तरीकों से न्याय और जवाबदेही का पालन करने के महत्व पर जोर दिया। गुतारेस ने भारत और पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव पर भी अपनी गहरी चिंता व्यक्त की और टकराव से बचने की आवश्यकता पर जोर दिया क्योंकि टकराव के गंभीर परिणाम हो सकते हैं। दुजारिक ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने किसी भी तरह के तनाव को कम करने के प्रयासों का समर्थन करने की पेशकश की।

अंतरराष्ट्रीय छात्रों की कानूनी मान्यता समाप्त करती है अमेरिका सरकार की नई नीति

वाशिंगटन। अमेरिकी सरकार ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों पर की गई कार्वाई के बारे में नई जानकारी देना शुरू कर दिया है, जिसमें यह स्पष्ट होता है कि किस प्रकार हजारों लोगों को निशाना बनाया गया और उनकी कानूनी मान्यता समाप्त करने के आधार कैसे तय किए गए। यह नया विवरण कुछ छात्रों द्वारा दायर मुकदमों में सामने आया है, जिनका हाल के सप्ताहों में अचानक बिना किसी स्पष्टीकरण के प्रवेश रद्द कर दिया गया था। पिछले महीने अमेरिका भर के विदेशी छात्र यह जानकर हैरान रह गए कि उनके रिकॉर्ड इमिग्रेशन और कस्टम्स इन्फोर्समेंट द्वारा बनाए गए छात्र डेटाबेस से हटा दिए गए हैं। कुछ लोग आव्रजन अधिकारियों द्वारा पकड़े जाने के डर से छिप गए या अपनी पढ़ाई छोड़कर घर लौट गए।

बढ़ती अदालती चुनौतियों के बाद संघीय अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा कि सरकार अंतरराष्ट्रीय छात्रों की कानूनी मान्यता को बहाल कर रही है। हालांकि इसने भविष्य में छात्रों के प्रवेश को समाप्त करने संबंधी एक रूपरेखा तैयार की है।

सोमवार को अदालत में नई नीति साझा की गई जिसमें इन बातों का जिक्र है कि छात्रों की कानूनी मान्यता को रद्द करने के क्या क्या आधार हो सकते हैं। इसमें अमेरिका में प्रवेश करने के लिए उनके द्वारा उपयोग किए गए वीज़ा को रद्द करना भी शामिल है। आव्रजन अटॉर्नी ब्रैड बैनियास एक ऐसे छात्र का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं जिसका प्रवेश समाप्त कर दिया गया था। उन्होंने कहा, इससे उन्हें विदेश विभाग से वीजा रद्द करवाने और फिर उन छात्रों को निर्वासित करने की पूरी छूट मिल गई, भले ही उन्होंने कुछ भी गलत न किया हो। जिन छात्रों के वीज़ा रद्द कर दिए गए हैं या जिन्होंने अपनी कानूनी मान्यता खो दी हैं उनमें से कई ने कहा कि उनके रिकॉर्ड में केवल मामूली त्रुटियां थीं। कुछ को यह भी नहीं पता था कि उन्हें क्यों निशाना बनाया गया।

श्रीलंका में तमिल राजनीतिक समूह ने पहलगाम आतंकी हमले के खिलाफ प्रदर्शन

कोलंबो। श्रीलंका में अल्पसंख्यक तमिलों के एक राजनीतिक समूह ने पहलगाम आतंकवादी हमले के खिलाफ बुधवार को पाकिस्तानी उच्चायोग के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। तमिल समुदाय का प्रतिनिधित्व करने वाली अवर जेनरेशन पार्टी के सदस्यों ने इस विरोध प्रदर्शन के दौरान पाकिस्तान राज्य प्रायोजित आतंकवाद बंद करे लिखी हुईं तख्तियां पकड़ी हुई थीं। इसने पाकिस्तान से क्षेत्रीय शांति सुनिश्चित करने का आग्रह किया। अवर जेनरेशन पार्टी के अध्यक्ष सिदम्बरम करुणानिधि ने संवाददाताओं से कहा, हम भविष्य में सभी चुनाव लड़ने के लिए जल्द ही अपनी राजनीतिक पार्टी पंजीकृत कराएंगे। दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग जिले के लोकप्रिय पर्यटन शहर पहलगाम के पास बैसरन में 22 अप्रैल को आतंकवादियों द्वारा की गई गोलीबारी में 26 लोग मारे गए और कई अन्य घायल हो गए।

ब्रिटेन स्थित भारतीय विद्या भवन के प्रमुख नंद कुमार डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित

लंदन। ब्रिटेन में रह रहे जाने-माने संस्कृत विद्वान और लंदन में भारतीय विद्या भवन केंद्र के कार्यकारी निदेशक डॉ. एम. एन. नंदकुमार को यूनिवर्सिटी ऑफ लंदन वर्ल्डवाइड द्वारा मानद डॉक्टरेट उपाधि से सम्मानित किया गया है। नंदकुमार को मंगलवार को लंदन में विश्वविद्यालय के स्नातक समारोह में कुलपति प्रोफेसर वेंडी थॉमसन ने डॉक्टरेट की उपाधि प्रदान की। उन्होंने इस सम्मान का श्रेय वर्षों से अपने कई प्रेरक अकादमिक सलाहकारों और भवन यूके के अध्यक्षों को दिया।

नंदकुमार ने अपने भाषण में कहा, मुझे ब्रिटेन और भारत दोनों की कई उल्लेखनीय हस्तियों के साथ बातचीत करने का सौभाग्य मिला है। उन्होंने कहा, यद्यपि यह सूची बहुत लंबी है, लेकिन मुझे सबसे अधिक संतुष्टि उन व्यक्तियों की संख्या से मिली है, जो पिछले 40 वर्षों में भवन के द्वार से गुजरे हैं और भारतीय शास्त्रीय कलाओं के प्रति अपने जुनून को जगाया है। ब्रिटेन के सांस्कृतिक ताने-बाने में भारत की कलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को देखना संतुष्टिदायक है। प्रतिष्ठित विद्वान ने लंदन विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ ओरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज (एसओएएस) में पीएचडी की तलाश में कर्नाटक के अपने गांव मट्टूर से ब्रिटेन तक की अपनी यात्रा पर प्रकाश डाला। नवंबर 1977 में मेरे आगमन के बाद, मैं अपने गांव और भारत के लिए तरस गया, ब्रिटेन में अपने प्रवास को अस्थाई रूप से देखा, बस इतना ही कि मैं अपनी पीएचडी पूरी कर सकूं और कॉलेज लेक्चरर के रूप में अपनी इच्छित भूमिका में स्वदेश लौट सकूं। परिस्थितियां ऐसी बनने लगीं कि मुझे यहां 45 साल से ज्यादा समय तक रहना पड़ा। नंदकुमार ने कहा, मैंने भारतीय विद्या भवन में पढ़ाना और सहायता करना शुरू किया, जो उस समय ब्रिटेन में भारत की शास्त्रीय कलाओं को बढ़ावा देने पर केंद्रित एक नया संगठन था।

भारत के साथ शुल्क वार्ता अच्छी चल रही है, लगता है समझौता हो जाएगा

वॉशिंगटन। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत के साथ शुल्क पर वार्ता बहुत अच्छी चल रही है और उन्हें लगता है कि दोनों देशों के बीच व्यापार समझौता हो जाएगा। ट्रंप ने अमेरिका के राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास एवं कार्यालय व्हाइट हाउस के बाहर पत्रकारों के साथ संक्षिप्त बातचीत में मंगलवार को यह बात कही। मुझे लगता है कि हम भारत के साथ समझौता कर लेंगे। सीएनबीसी न्यूज ने ट्रंप के हवाले से कहा, जैसा कि आप जानते हैं, प्रधानमंत्री तीन सप्ताह पहले यहां आए थे और वे समझौता करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने फरवरी के अंत में व्हाइट हाउस का दौरा किया था। ट्रंप ने यह टिप्पणी अमेरिका के वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के उस बयान के एक दिन बाद की है जिसमें कहा था कि भारत, जवाबी शुल्क से बचने के लिए अमेरिका के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते को अंतिम रूप देने वाले पहले देशों में शामिल होगा। राष्ट्रपति ट्रंप ने दो अप्रैल को भारत और चीन सहित कई देशों पर व्यापक जवाबी शुल्क लगाने की घोषणा की थी। नौ अप्रैल को उन्होंने चीन और हांगकांग को छोड़कर इस साल नौ जुलाई तक इन शुल्क पर 90 दिन की रोक लगा दी थी क्योंकि करीब 75 देशों ने व्यापार समझौतों के लिए अमेरिका से संपर्क किया था। हालांकि, दो अप्रैल को देशों पर लगाया गया 10 प्रतिशत मूल शुल्क अभी लागू है। इस्पात, एल्युमीनियम और मोटर वाहन घटकों पर 25 प्रतिशत शुल्क भी लगा है।

द्विपक्षीय संबंधों के लिए ठोस परिणामों की उम्मीद: ब्रिटेन यात्रा के बाद मंत्री पीयूष गोयल

लंदन। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने लंदन के लैंकेस्टर हाउस में संयुक्त व्यापारिक समारोह में ब्रिटेन की दो दिवसीय यात्रा संपन्न की। वह द्विपक्षीय साझेदारी के लिए ठोस नतीजों की उम्मीद कर रहे हैं। गोयल के साथ ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी और व्यापार एवं वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के अलावा दोनों देशों के व्यापारिक दिग्गज भी शामिल हुए। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री के आधिकारिक निवास व कार्यालय 10 डाउनिंग स्ट्रीट में रेनॉल्ड्स और ब्रिटेन की चांसलर रेचेल रीव्स के साथ बंद कमरे में गहन बैठक हुई जिसमें मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) पर वार्ता शीर्ष एजेंडे में शामिल रही। गोयल ने मंगलवार को संयुक्त व्यापारिक समारोह के बाद कहा, ब्रिटेन के व्यापार एवं उद्योग मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ सभा को संबोधित किया और भारत-ब्रिटेन साझेदारी के उज्ज्वल भविष्य के बारे में बात की। ब्रिटेन के हमारे भागीदारों के गर्मजोशी भरे और शानदार आतिथ्य के लिए मैं बेहद आभारी हूं। हम अपने साझा दृष्टिकोण के ठोस नतीजों की उम्मीद कर रहे हैं। मुक्त व्यापार समझौते का कोई भी उल्लेख स्पष्ट रूप से नहीं किया गया। ब्रिटेन के मीडिया की कुछ खबरों में दावा किया जा रहा है कि दोनों पक्षों के बीच शेष बचे मुद्दों पर सहमति बन जाने के साथ ही समझौता शीघ्र ही हो जाएगा। गोयल ने मंगलवार को 10 डाउनिंग स्ट्रीट में रेनॉल्ड्स और रीव्स के साथ बैठक के बाद कहा, भारत-ब्रिटेन आर्थिक संबंधों को आगे बढ़ाने तथा हमारी मजबूत साझेदारी को और प्रगाढ़ बनाने पर सार्थक चर्चा हुई। भारत-ब्रिटेन व्यापार गोलमेज सम्मेलन को संबोधित करने के बाद हुई। इसमें दोनों देशों के व्यापारिक दिग्गज तथा सीईओ ने शिरकत की थी। गोलमेज सम्मेलन के बाद गोयल ने कहा था, भारत और ब्रिटेन के बीच आर्थिक संबंधों को मजबूत करने, नवाचार आधारित विकास को बढ़ावा देने और निवेश के अवसरों का विस्तार करने के अवसरों का उल्लेख किया।

बांग्लादेश उच्च न्यायालय ने हिंदू नेता को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया

ढाका। बांग्लादेश उच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय ध्वज के अपमान के आरोप में करीब पांच महीने से जेल में बंद हिंदू नेता चिन्मय कृष्ण दास को बुधवार को जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया। अदालत के अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उच्च न्यायालय के एक अधिकारी ने कहा, दो न्यायाधीशों की पीठ ने अपने पहले के फैसले को बरकरार रखते हुए अधिकारियों से सवाल किया कि उन्हें (दास को)जमानत क्यों नहीं दी जानी चाहिए। न्यायमूर्ति अताउर रहमान और न्यायमूर्ति अली रजा की पीठ ने अपने पिछले फैसले पर अंतिम सुनवाई के बाद जमानत मंजूर की। बांग्लादेश के बंदरगाह शहर चटगांव की कोतवाली पुलिस ने 31 अक्टूबर को दास और 18 अन्य पर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज का अपमान करने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज किया था। अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) के पूर्व नेता दास को 25 नवंबर को ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर गिरफ्तार किया गया था। हिंदू संगठन सम्मिलितो सनातनी जागरण जोत के प्रवक्ता दास को गिरफ्तारी के बाद दक्षिण-पूर्वी बंदरगाह शहर चटगांव की अदालत में ले जाया गया था, जिसने अगले दिन उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए उन्हें जेल भेज दिया था। दास की गिरफ्तारी के बाद व्यापक पैमाने पर विरोध प्रदर्शन हुए और उनके समर्थकों ने ढाका और अन्य जगहों पर प्रदर्शन किया। चटगांव में विरोध प्रदर्शन तब हिंसक हो गया जब दास को जेल भेजे जाने के कुछ ही घंटों बाद सहायक सरकारी अभियोजक सैफुल इस्लाम अलिफ की हत्या कर दी गई। यह घटनाक्रम पिछले साल अगस्त में छात्रों के नेतृत्व में हुए बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन और प्रधानमंत्री शेख हसीना को अपदस्थ किए जाने के तीन महीने से भी कम समय बाद हुआ। दास की गिरफ्तारी बांग्लादेश और भारत के बीच तनाव का एक मुद्दा बना क्योंकि भारत ने उनकी गिरफ्तारी पर चिंता व्यक्त की। हसीना के भारत चले जाने के बाद आठ अगस्त को मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार का पद संभाला। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने 26 नवंबर को नई दिल्ली में कहा, यह घटना बांग्लादेश में चरमपंथी तत्वों द्वारा हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यकों पर किए गए कई हमलों के बाद हुई है। अल्पसंख्यकों के घरों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों में आगजनी और लूटपाट के साथ-साथ चोरी व तोड़फोड़ तथा देवताओं और मंदिरों को अपवित्र करने के कई मामले सामने आए हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि इन घटनाओं के अपराधी अब भी खुलेआम घूम रहे हैं, जबकि शांतिपूर्ण सभाओं के माध्यम से वैध मांग करने वाले धार्मिक नेता के खिलाफ आरोप लगाए जा रहे हैं। भारत ने साथ ही बांग्लादेश के अधिकारियों से हिंदुओं और सभी अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आग्रह किया। इससे पहले, हिंदू समुदाय के नेता के वकील उनकी जमानत हासिल करने में असफल रहे थे क्योंकि चटगांव की निचली अदालत ने उनकी याचिकाओं को खारिज कर दिया था। बांग्लादेश के पूर्व उप अटार्नी जनरल अपूर्व कुमार भट्टाचार्य यहां के उच्चतम न्यायालय के 11 वकीलों की टीम का नेतृत्व कर रहे थे जो दास का मुकदमा लड़ रही थी।

बुजुर्ग से धोखाधड़ी के मामले में दो भारतीय छात्र गिरफ्तार

न्यूयॉर्क। अमेरिका में छात्र वीजा पर रह रहे दो भारतीय नागरिकों को एक बुजुर्ग व्यक्ति से धोखाधड़ी और चोरी करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। एल पासो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने सोमवार को एक बयान में बताया कि महम्मदिलहम वाहोरा और हाजीअली वाहोरा को इस महीने एल पासो काउंटी जेल भेज दिया गया। दोनों आरोपियों की उम्र 24 वर्ष है। बयान के मुताबिक, दोनों से अमेरिका के अलग-अलग हिस्सों में लोगों से धोखाधड़ी की घटनाओं में शामिल होने के लिए पूछताछ की जानी है। दोनों आरोपियों पर उम्र दराज लोगों को निशाना बनाकर अपराध को अंजाम देने का आरोप है। इन आरोपों में डकैती और चोरी के साथ-साथ अवैध निवेश से जुड़े धन शोधन का आरोप भी शामिल है। दोनों भारतीय छात्र शिकागो, इलिनोइस में ईस्ट-वेस्ट यूनिवर्सिटी में पढ़ते हैं। शेरिफ कार्यालय के क्षेत्रीय संचार केंद्र को अक्टूबर 2024 में एक बुजुर्ग नागरिक से सूचना मिली, जिसने बताया कि वे एक धोखाधड़ी वाले फोन कॉल का शिकार हुए हैं। पीड़ित ने कहा कि जालसाजों ने सरकारी एजेंट होने का दावा किया और उन्हें कई बार धमकियां दीं। अक्टूबर 2024 में शेरिफ कार्यालय के क्षेत्रीय संचार केंद्र को एक बुजुर्ग नागरिक से शिकायत मिली थी कि वह फोन कॉल के जरिए धोखाधड़ी का शिकार हुए हैं। पीड़ति ने शिकायत में बताया कि जालसाज ने खुद को सरकारी एजेंट बताया और उन्हें कई बार धमकाया भी। नतीजतन, पीड़ित ने एक क्रिप्टोकरेंसी एटीएम के माध्यम से पैसे भेजे और सोना खरीदा, जिसे संदिग्धों को व्यक्तिगत रूप से दिया गया। अधिकारियों ने घटना की जांच शुरू की और सेलफोन टावर रिकॉर्ड ट्रेसिंग के माध्यम से हाजीअली और महम्मदिलहम की पहचान कर उन्हें धर दबोचा।

घर में गोलीबारी में भारतीय मूल के तीन लोगों की मौत

न्यूयॉर्क। अमेरिका के वाशिंगटन प्रांत में एक घर में गोलीबारी की घटना में भारतीय मूल के तीन लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया में आई खबरों के अनुसार यह घटना 24 अप्रैल को वाशिंगटन प्रांत के न्यूकैसल शहर में घटी। दैनिक समाचार पत्र सिएटल टाइम्स की खबर के मुताबिक मृतकों की पहचान हर्षवर्धन किक्केरी (44), श्वेता पन्याम (41) और ध्रुव किक्केरी(14) के रूप में हुई है। खबर में किंग काउंटी मेडिकल परीक्षक कार्यालय के हवाले से कहा गया है कि पुलिस ने श्वेता और ध्रुव की मौत को हत्या माना है, जबकि हर्षवर्धन की मौत को खुदकुशी बताया है। पड़ोसियों ने कोमो न्यूज को बताया कि जिस घर में गोलीबारी की यह घटना हुई, वहां एक परिवार रहता था। गोलीबारी की रात को 911 पर कॉल आने के बाद अधिकारियों को 129वीं स्ट्रीट पर स्थित टाउनहाउस में बुलाया गया। किंग 5 टेलीविजन स्टेशन ने कहा कि उसके क्रू ने एक बच्चे को घर से बाहर निकलते हुए देखा और जांचकर्ताओं ने उसे सांत्वना दी। अपुष्ट रिपोर्टों के अनुसार हर्षवर्धन और श्वेता कृत्रिम बुद्धिमता (एआई) तकनीक क्षेत्र की कंपनी होलोवर्ल्ड के मालिक थे। कंपनी की वेबसाइट के अनुसार इसकी स्थापना 2018 में दोनों ने मिलकर की थी। इसमें हर्षवर्धन मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी (सीटीओ) के रूप में कार्यरत थे जबकि श्वेता कंपनी की अध्यक्ष थीं।

प्रधानमंत्री मोदी मॉस्को में विक्टरी डे कार्यक्रम में शामिल नही होंगे: रूस

मॉस्को। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी अगले महीने रूस की राजधानी मॉस्को में विक्टरी डे के 80वें वर्षगांठ समारोह में शामिल नहीं होंगे। रूसी राष्ट्रपति कार्यालय क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने बुधवार को यह जानकारी दी। पेसकोव ने कहा, भारत का उच्चतम स्तर पर प्रतिनिधित्व नहीं होगा। स्थानीय मीडिया की खबरों के अनुसार, नौ मई के इस कार्यक्रम में मोदी के स्थान पर भारत के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह भाग ले सकते हैं। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग को यहां इस समारोह में शामिल होने और रेड स्क्वायर पर विक्टरी परेड देखने के लिए आमंत्रित किया था। शी ने पुष्टि की है कि वह इस कार्यक्रम में शामिल होंगे। मॉस्को में लगभग 20 विदेशी नेताओं की मेजबानी की तैयारियां की जा रही हैं। नौ मई, 1945 को मित्र राष्ट्रों की नाजी जर्मनी पर विजय हुई थी।

चीन के निर्यात ऑर्डर में अप्रैल में आई गिरावट, अमेरिकी शुल्क का प्रभाव

हांगकांग। चीन से उत्पादों के अमेरिकी आयात पर उच्च शुल्क का असर अब दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर दिखने लगा है। चीन के लॉजिस्टिक्स एंड परचेजिंग फेडरेशन द्वारा किए गए सर्वेक्षण के अनुसार, अप्रैल में निर्यात ऑर्डर में कमी आई है। अमेरिकी प्रशासन ने चीनी वस्तुओं पर 145 प्रतिशत तक शुल्क लगाने का आदेश दिया है जिसका असर अब उसके निर्यात पर दिखने लगा है। चीन ने भी इसके जवाब में अमेरिकी वस्तुओं 125 प्रतिशत शुल्क लगाया है। आधिकारिक विनिर्माण क्रय प्रबंधक सूचकांक मार्च में 50.5 से फिसलकर 49.0 पर आ गया जो 16 महीने का सबसे निचला स्तर है। 50 से अधिक होने पर विस्तार और 50 से कम होने पर संकुचन दर्शाता है। वित्तीय सूचना समूह कैक्सिन द्वारा किए गए एक निजी सर्वेक्षण में यह 51.2 से गिरकर 50.4 पर आ गया। कैपिटल इकोनॉमिक्स के जिचुन हुआंग ने रिपोर्ट में कहा, पीएमआई में गिरावट संभवत: शुल्क के प्रभाव को बढ़ा-चढ़ाकर दर्शाती है, इससे संकेत मिलता है कि बाहरी मांग कम होने से चीन की अर्थव्यवस्था दबाव में आ रही है। अप्रैल में आपूर्ति और मांग में वृद्धि धीमी रही, निर्यात में कमी आई और रोजगार में थोड़ी कमी आई। विनिर्माताओं ने भंडार कम करने की मांग की, रसद में देरी हुई और कीमतें दबाव में रहीं। बाजार में आशावादी रुख काफी कमजोर हुआ। निजी अर्थशास्त्रियों ने इस वर्ष और अगले वर्ष अर्थव्यवस्था के लिए अपने पूर्वानुमान घटा दिए हैं। कैपिटल इकोनॉमिक्स का अनुमान है कि 2025 में अर्थव्यवस्था केवल 3.5 प्रतिशत बढ़ेगी। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने भी इस और अगले वर्ष अमेरिका तथा वैश्विक अर्थव्यवस्थाओं के लिए परिदृश्य काफी खराब रहने की बात कही थी।

यूक्रेन अमेरिका के साथ बहुप्रतीक्षित खनिज संसाधन समझौते पर हस्ताक्षर करने को तैयार

कीव। यूक्रेन बुधवार को वाशिंगटन में अमेरिका के साथ एक ऐतिहासिक खनिज संसाधन समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए तैयार है। यूक्रेन के दो वरिष्ठ अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अर्थव्यवस्था मंत्री यूलिया स्विरीडेन्को समझौते के तकनीकी विवरण के अंतिम समन्वय के लिए फिलहाल वाशिंगटन में हैं। उम्मीद है कि यूक्रेनी मंत्रिमंडल बुधवार को समझौते की सामग्री को मंजूरी देगा, जिसके बाद एक अधिकृत सरकारी प्रतिनिधि द्वारा उस पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। इस समझौते पर यूक्रेनी संसद की मुहर जरूरी होगी और इसी के बाद यह प्रभावी होगा।

बलूचिस्तान में पाक सुरक्षा बलों ने 10 आतंकवादियों को मार गिराया

भाषा। कराची

पाकिस्तान के सुरक्षा बलों ने देश के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में दो अलग-अलग स्थानों पर 10 आतंकवादियों को मार गिराया है। प्राधिकारियों ने यह जानकारी दी। प्रांत में की गई ताजा कार्वाई के दौरान केच और जियारत जिलों में आतंकवादी मारे गए। इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के अनुसार, जिलों में अलग-अलग खुफिया-आधारित अभियानों (आईबीओ) के दौरान आतंकवादियों को मार गिराया गया।

केच जिले के तुरबत के पास एक अभियान के दौरान तीन आतंकवादी मारे गए। इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी के आधार पर यह अभियान चलाया गया था। आईएसपीआर ने एक बयान में कहा कि सुरक्षा बलों और सशस्त्र आतंकवादियों के बीच गोलीबारी हुई। बयान के अनुसार, मारे गए आतंकवादियों के पास से हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया, जिनके बारे में आईएसपीआर ने कहा कि ए हथियार सुरक्षा बलों के खिलाफ किए गए कई हमलों और नागरिकों की हत्या में शामिल थे। इसके अलावा एक अलग घटना में सुरक्षा बलों ने जियारत जिले के चोटिर इलाके में खुफिया सूचना के आधार पर चलाए गए अभियान के दौरान सात आतंकवादियों को मार गिराया। अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान छोटेर और संजीवी इलाकों के बीच हुआ, जहां इलाके में छिपे हथियारबंद आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षा बलों ने जवाबी कार्वाई की। जियारत के उपायुक्त जकाउल्लाह दुर्रानी ने मौतों की पुष्टि की और कहा कि सुरक्षाकर्मियों द्वारा सात शवों को जिला मुख्यालय अस्पताल, जियारत पहुंचाया गया है।

रूस के लिए लड़ते हुए लगभग 4,700 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं : दक्षिण कोरिया का दावा

सियोल। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी ने बुधवार को सांसदों को बताया कि अनुमान है कि रूस के साथ मिलकर यूक्रेनी सेना के खिलाफ लड़ते हुए उत्तर कोरिया के 4,700 सैनिक मारे गए या घायल हुए हैं। दक्षिण कोरिया की खुफिया एजेंसी के इस आकलन से दो दिन पहले उत्तर कोरिया ने पहली बार पुष्टि की थी कि उसने रूस को कुर्स्क क्षेत्र के कुछ हिस्सों पर फिर से कब्जा करने में मदद करने के लिए अपने लड़ाकू सैनिकों को भेजा था, जिस पर पिछले साल अचानक यूक्रेन के घुसपैठ के कारण रूस का नियंत्रण खत्म हो गया था। बैठक में भाग लेने वाले सांसदों में से एक ली सेओंग क्वेउन के अनुसार, दक्षिण कोरिया की राष्ट्रीय खुफिया सेवा ने बंद कमरे में संसदीय समिति की बैठक में कहा कि रूस-यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर उत्तर कोरिया के 600 सैनिक मारे गए और 4,700 सैनिक हताहत हुए हैं। ली ने संवाददाताओं को बताया कि एनआईएस ने कहा कि जनवरी और मार्च के बीच घायल 2,000 उत्तर कोरियाई सैनिकों को हवाई मार्ग से या ट्रेन से उत्तर कोरिया वापस भेजा गया। उन्होंने एनआईएस का हवाला देते हुए कहा कि युद्ध में मारे गए उत्तर कोरियाई सैनिकों का अंतिम संस्कार रूस में किया गया था, उसके बाद उनके अवशेष वापस घर भेजे गए। एनआईएस ने कहा कि जनवरी में लगभग 300 उत्तर कोरियाई सैनिक मारे गए थे और अन्य 2,700 घायल हुए थे। दक्षिण कोरियाई सेना ने पिछले महीने अनुमानित हताहतों की संख्या बढ़ाकर 4,000 कर दी थी। उत्तर कोरिया ने सोमवार को घोषणा की थी कि उसके नेता किम जोंग उन ने रूसी सशस्त्र बलों के सहयोग से यूक्रेनी नव-नाजी कब्जेदारों को खत्म करने और कुर्स्क क्षेत्र को आजाद कराने के लिए सैनिकों को भेजने का फैसला किया है। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने बाद में उत्तर कोरिया को धन्यवाद देते हुए एक बयान जारी किया और उत्तर कोरियाई सैनिकों के बलिदान को नहीं भूलने का वादा किया।

यमन में हूती विद्रोहियों पर ब्रिटेन-अमेरिका का संयुक्त हवाई हमला

दुबई। ब्रिटेन और अमेरिका ने यमन के हूती विद्रोहियों को निशाना बनाकर हवाई हमले किए। अधिकारियों ने बुधवार को यह जानकारी दी। यह पहली बार है जब अमेरिका के नए अभियान ऑपरेशन रफ राइडर में ब्रिटेन की सेना ने सक्रिय भागीदारी की है। यह अभियान 15 मार्च से जारी है, जिसके तहत अब तक 800 से अधिक हमले किए जा चुके हैं। ब्रिटेन के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, यह हमला यमन की राजधानी सना के दक्षिण में स्थित इमारतों पर किया गया, जहां हूती विद्रोही ड्रोन तैयार करते थे। इन ड्रोन का इस्तेमाल लाल सागर और अदन की खाड़ी में हवाई हमला करने के लिए किया जाता था। मंत्रालय ने बताया कि हमला रात के अंधेरे में किया गया ताकि आम नागरिकों की मौजूदगी की आशंका कम रहे। हालांकि, ब्रिटेन ने अभी तक इस हमले में हुई क्षति या संभावित हताहतों की जानकारी नहीं दी है।

दमिश्क के एक उपनगर में ड्रूज़ समुदाय और सरकार के समर्थकों के बीच झड़प, 10 लोगों की मौत

दमिश्क। सीरिया की राजधानी दमिश्क के एक उपनगर में अल्पसंख्यक ड्रूज समुदाय के स्थानीय बंदूकधारियों और सरकार समर्थक लड़ाकों के बीच हुई झड़प में मंगलवार को कम से कम 10 लोग मारे गए। एक युद्ध निगरानीकर्ता और कार्यकर्ता समूह ने यह जानकारी दी। हाल के सप्ताहों में सीरियाई ड्रूज़ बंदूकधारियों की दक्षिणी दमिश्क के उपनगर जरामाना में सरकारी सुरक्षा बलों और सरकार समर्थक बंदूकधारियों के साथ झड़पें हुई हैं। ताजा झड़पें सोशल मीडिया पर एक ऑडियो क्लिप के वायरल होने के बाद

सोमवार आधी रात के बाद शुरू हुईं। ऑडियो क्लिप में कथित तौर पर इस्लाम के पैगंबर मोहम्मद की आलोचना की गई थी। ऑडियो ड्रूज़ समुदाय के धर्मगुरु का है। धर्मगुरु मारवान किवान ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो जारी कर कहा कि यह ऑडियो उनका नहीं है। साफ किया कि उन्होंने ऐसी कोई बात नहीं कही और यह किसी शरारती व्यक्ति की साजिश है, जिसने समुदायों के बीच तनाव फैलाने की कोशिश की। यह ऑडियो सामने आने के बाद कई सुन्नी मुसलमानों में नाराज़गी फैल गई थी।

जरामाना में प्रसारित और एसोसिएटेड प्रेस द्वारा देखी गई एक प्रति के अनुसार मंगलवार देर रात जारमाना में हिंसा रोकने के लिए सरकार और स्थानीय समुदाय के प्रमुख लोगों के बीच एक समझौता हुआ। इस समझौते के तहत झड़पें खत्म करने, मृतकों के परिवारों को मुआवजा देने और दोषियों के खिलाफ कार्वाई करने पर सहमति बनी है। यह साफ नहीं है कि यह समझौता लंबे समय तक टिकेगा या नहीं, क्योंकि ऐसे कई समझौते टूट चुके हैं। ब्रिटेन स्थित सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स के अनुसार, मारे गए 10 लोगों में चार हमलावर और छह स्थानीय निवासी थे।

मध्य-वामपंथी पार्टी ने जर्मन गठबंधन समझौते को मंजूरी दी, मेर्ज के चांसलर चुने जाने का रास्ता

बर्लिन। जर्मनी के मध्य-वामपंथी दल सोशल डेमोक्रेट्स ने गठबंधन समझौते को मंजूरी देने के पक्ष में मतदान किया है। मतदान के नतीजे बुधवार को घोषित किए गए। इस मतदान से फ्रेडरिक मेर्ज को जर्मनी का नया चांसलर चुनने का रास्ता साफ हो गया है। मेर्ज के यूनियन ब्लॉक ने पहले ही इस समझौते को मंजूरी दे दी थी। संसद छह मई को मेर्ज़ के चुनाव के लिए बैठक करेगी, जिन्हें द्वितीय विश्व युद्ध के बाद जर्मनी के 10वें चांसलर के रूप में चुने जाने और ओलाफ शोल्ज़ का स्थान लेने के लिए निचले सदन के सभी सदस्यों के बहुमत की आवश्यकता होगी। गठबंधन का उद्देश्य आर्थिक विकास को बढ़ावा देना, रक्षा खर्च में वृद्धि करना, प्रवासन के प्रति कठोर दृष्टिकोण अपनाना और लंबे समय से उपेक्षित आधुनिकीकरण को गति देना है।

चहल के बाद अय्यर के कमाल से पंजाब जीता

● चेन्नई को चार रनों से हराया

भाषा। चेन्नई

चेन्नई ने चहल की गेंदबाजी 4 विकेट व अय्यर की उम्दा बल्लेबाजी 72 रन की मदद से पंजाब किंग्स ने बुधवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) को चार विकेट से हराया। इससे पहले सैम करन (88 रन) के चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बनाए गए अर्धशतक के बावजूद चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) की टीम अंत में युजवेंद्र चहल (32 रन देकर चार विकेट) की हैट्रिक से बुधवार को यहां इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में पंजाब किंग्स के खिलाफ 19.2 ओवर में 190 रन पर सिमट गई। करन ने 47 गेंद का सामना करते हुए नौ चौके और चार छक्के लगाकर इस सत्र में पहली अर्धशतकीय पारी खेली तथा टीम को पावरप्ले में तीन विकेट पर 48 रन के स्कोर से अच्छी स्थिति में पहुंचाया। उनके अलावा डेवाल्ड ब्रेविस ने 32 रन का योगदान दिया। करन ने ब्रेविस के साथ चौथे विकेट के लिए 78 रन की मजबूत साझेदारी निभाकर पंजाब किंग्स के गेंदबाजों पर दबाव बनाया। 16वें ओवर तक सीएसके ने लगभग नौ रन प्रति ओवर की दर से अच्छा प्रदर्शन किया, तब इंग्लैंड के ऑलराउंडर करन ने सूर्यांश शेडगे की गेंदों को धुना। उन्होंने पहली दो गेंदों पर लॉन्ग-ऑफ और डीप स्क्वायर लेग पर छक्के लगाए। फिर तीसरी गेंद पर श्रेयस अय्यर ने इसी ओवर का तीसरा छक्का रोकने के लिए डाइविंग करनी पड़ी लेकिन करन ने अपना काम पूरा नहीं किया था और अगली दो गेंदों को गैप से निकालते हुए बाउंड्री लगाई जिससे इस ओवर में सीएसके ने 26 रन बटोरे। करन के आक्रमण ने पंजाब किंग्स मुख्य गेंदबाज अर्शदीप को वाइड फुल टॉस का सहारा लेने के लिए मजबूर किया जिसके परिणामस्वरूप यह ओवर काफी कसा रहा जिसमें चार रन बने लेकिन इसके लिए उन्हें आठ गेंदें फेंकनी पड़ीं क्योंकि दो वाइड रही थीं। करन अंततः 18वें ओवर में आउट हो गए। मार्को यानसेन की बाउंसर के नीचे झुकने की कोशिश करते हुए गेंद पर बल्ला छुआ बैठे। चहल को 19वें ओवर तक विकेट नहीं मिला था। एमएस धोनी (11) ने उनकी गेंद पर छक्का लगाया, लेकिन इस गेंदबाज ने उन्हें दूसरी गेंद पर लॉन्ग ऑफ पर कैच करा दिया। फिर चौथी गेंद पर दीपक हुड्डा (02), पांचवीं गेंद पर अंशुल कंबोज (0) और नूर अहमद (0) के विकेट झटककर हैट्रिक पूरी की। यह इस बाएं हाथ के स्पिनर की आईपीएल में दूसरी हैट्रिक थी। सीएसके के लिए पारी की शुरुआत एक बार फिर धीमी जिसमें उनके सलामी बल्लेबाज शेख रशीद (11) और आयुष म्हात्रे (7) बड़ी पारी खेले बिना आउट हो गए। रशीद ने एक शॉट गलत करने से पहले कुछ आकर्षक शॉट लगाए और तीसरे ओवर में अर्शदीप की गेंद पर शशांक सिंह ने आसान कैच लपका। म्हात्रे मिड-ऑफ को पार करने में विफल रहे जहां श्रेयस ने एक अच्छा कैच लपका और यानसेन को मैच में पहला विकेट मिला। रविंद्र जडेजा (17) ने पहली गेंद से ही आक्रामक इरादे दिखाए लेकिन वह हरप्रीत बरार की गेंद पर कैच आउट हो गए।

स्कोरबोर्ड

चेन्नई सुपर किंग्स : रशीद का शशांक सिंह बो अर्शदीप सिंह 11, म्हात्रे का अय्यर बो यानसेन 07, करन का इंग्लिस बो यानसेन 88, जडेजा का इंग्लिस बो हरप्रीत 17, ब्रेविस बो अजमतुल्लाह उमरजई 32, दुबे का शशांक सिंह बो अर्शदीप सिंह 06, धोनी का वढेरा बो चहल 11, कंबोज बो चहल 00, अहमद का यानसेन बो चहल 00, अहमद नाबाद 00, **अतिरिक्त :** 16, **कुल :** 19.2 ओवर मे 190 रन पर सभी आउट, **विकेट पतन :** I-21, 2-22, 3-48, 4-126, 5-172, 6-184, 7-186, 8-186, 9-186, **गेंदबाजी :** अर्शदीप 3.2-0-25-2, यानसेन 4-0-30-2, उमरजई 4-0-39-I, बरार 2-0-21-I, चहल 3-0-32-4, शेडगे 3-0-40-0

पंजाब किंग्स : आर्य का धोनी बो खलील 23, सिंह का ब्रेविस बो नूर 54, अय्यर बो पाथिराना 72, वढेरा का जडेजा बो पाथिराना 05, शशांक का ब्रेविस बो जडेजा 23, जोश इंग्लिस नाबाद 06, सूर्यांश शेडगे का नूर बो खलील 01, मार्को यानसेन नाबाद 04, अतिरिक्त : 06, कुल : 19.4 ओवर में छह विकेट पर 194 रन, **विकेट पतन :** I-44, 2-116, 3-136, 4-180, 5-188, 6-190, **गेंदबाजी :** अहमद 3.4-0-28-2, कंबोज 2-0-20-0, जडेजा 3-0-32-I, अहमद 4-0-39-I, करन 3-0-27-0, पाथिराना 4-0-45-2

मुंबई का विजय अभियान रोकने की कोशिश करेगा राजस्थान

भाषा। जयपुर

पिछले मैच में 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी की धमाकेदार पारी से जीत दर्ज करने वाली राजस्थान रॉयल्स की टीम गुरुवार को यहां मुंबई इंडियंस के खिलाफ नए जोश के साथ उतरेगी और उसका लक्ष्य इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में पांच बार की चैंपियन का विजय अभियान रोकना होगा। राजस्थान रॉयल्स की अगर मगर की कठिन डगर पर प्लेऑफ में जगह बनाने की धुंधली उम्मीद है। उसे सूर्यवंशी के रूप में आशा की किरण मिल गई है। कप्तान संजू सैमसन के साइड स्ट्रेन के कारण बाहर हो जाने से सूर्यवंशी को पदार्पण का मौका मिला और उन्हें क्रिकेट जगत में चर्चा का विषय बनने में उन्हें केवल तीन पारियां लगीं। सैमसन ने अपना आखिरी मैच 16 अप्रैल को खेला था और उनकी वापसी को लेकर कोई स्पष्टता नहीं है, जिससे सूर्यवंशी और यशस्वी जायसवाल को फिर से पारी की शुरुआत करनी होगी। गुजरात टाइटन्स के खिलाफ इन दोनों के बीच पहले विकेट के लिए 166 रन की साझेदारी से रॉयल्स ने 210 रन का लक्ष्य आसानी से हासिल कर लिया था। अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त गेंदबाजों को चुनौती देने के बाद यह देखना दिलचस्प होगा कि बाएं हाथ के बल्लेबाज सूर्यवंशी दुनिया के सर्वश्रेष्ठ के तेज गेंदबाजों में से एक जसप्रीत बुमराह का सामना किस तरह से करते हैं। राजस्थान के निचले मध्य क्रम में शिमरोन हेटमायर पर दबाव होगा जो इस सत्र में अभी तक अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। उसके तेज गेंदबाजी विभाग में जोफ्रा आर्चर ने सफलता जरूर दिलाई है लेकिन उन्होंने लगभग 10 रन प्रति ओवर की दर से रन दिए हैं। संदीप शर्मा भी थोड़े महंगे साबित हुए हैं। असल में राजस्थान के किसी भी प्रमुख गेंदबाज का इकोनॉमी रेट नौ से कम नहीं है। हार्दिक पंड्या की अगुवाई वाली मुंबई इंडियंस के लिए बुमराह की वापसी सुखद रही है। मुंबई की हमेशा की तरह शुरुआत अच्छी नहीं रही थी लेकिन टीम ने अब पांच मैच जीत लिए हैं और उसके विजय अभियान को रोकना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा।

आडवाणी, रजमी ने सीसीआई बिलियर्ड्स क्लासिक में जीत का सिलसिला जारी रखा

मुंबई। कई बार के विश्व चैंपियन पंकज आडवाणी और शायन रजमी ने बुधवार को यहां सीसीआई बिलियर्ड्स क्लासिक के अपने ग्रुप चरण के मैच में क्रमशः अशोक शांडिल्य और मार्टिन गुडविल पर जीत के साथ जीत का सिलसिला जारी रखा। आडवाणी ने 189 और 109 के ब्रेक का उपयोग करते हुए शांडिल्य पर 777-387 से बड़ी जीत दर्ज की जबकि रजमी ने ब्रिटेन के थ्री-बॉल क्यू स्पोर्ट्स में कई बार के पूर्व चैंपियन और पूर्व पायलट गुडविल को 409-403 से हराया। रजमी ने रफत हबीब को भी 516-380 से हराकर जीत का सिलसिला जारी रखा। तीसरे दिन अन्य विजेताओं में नलिन पटेल शामिल थे जिन्होंने अक्षय गोगरी को 750-278 से हराकर अपनी दूसरी जीत दर्ज की।

जापान में 2026 एशियाई खेलों में क्रिकेट बरकरार रहेगा

नई दिल्ली। एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) ने पुष्टि की है कि क्रिकेट 19 सितंबर से चार अक्टूबर तक जापान में आयोजित होने वाले 2026 ऐची-नागोया एशियाई खेलों का हिस्सा बना रहेगा। क्रिकेट को बरकरार रखने का फैसला इस हफ्ते की शुरुआत मे एशियाई ओलंपिक परिषद (ओसीए) और आयोजन समिति (एआईएनएजीओसी) के बीच हुई बैठक के दौरान लिया गया था। ओसीए ने कहा, खेल कार्यक्रम की सूची में 28 अप्रैल सोमवार को नागोया सिटी हॉल मे एआईएनएजीओसी निदेशक मंडल की 41वीं बैठक मे ताजा फैसला हुआ जिसमे क्रिकेट और मिक्स्ड मार्शल आर्ट दोनों को औपचारिक रूप से मंजूरी दी गई।

कृष्णव चोपड़ा ने बिग वेस्ट एमेच्योर खिताब जीता

ला क्विंटा (कैलिफोर्निया)। भारतीय एमेच्योर गोल्फर कृष्णव चोपड़ा ने दो दौर में बिना बोगी लगाए 63-66 के कार्ड खेले और फिर 71 का कार्ड बनाकर ला क्विंटा कंट्री क्लब मे बिग वेस्ट चैंपियनशिप जीत ली। भारत के पूर्व क्रिकेटर निखिल चोपड़ा के बेटे चोपड़ा भारतीय एमेच्योर टीम के सदस्य रहे है, उन्होने तीन दिन में कुल 16 अंडर 200 का स्कोर बनाया। चोपड़ा का कुल स्कोर 2006 के बाद से चैंपियनशिप मे अब तक के सबसे कम स्कोर के बराबर रहा। लांग बीच स्टेट के लिए खेलते हुए उन्होंने टीम को तीसरी बार खिताब दिलाने मे मदद की।

प्रीमियर लीग मुंबई में अपना कार्यालय खोलेगी

नई दिल्ली। इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) ने बुधवार को स्थानीय खेल प्रेमियो को जोड़ने और भारत मे फुटबॉल को बढ़ावा देने के लिए मुंबई मे अपना कार्यालय खोलने की घोषणा की। प्रीमियर लीग का भारत मे काम करने का लंबा इतिहास रहा है। लीग 2007 से सामुदायिक फुटबॉल कार्यबल के विकास का समर्थन करने के लिए ब्रिटिश काउंसिल के साथ साझेदारी में अपना प्रीमियर स्किल्स कार्यक्रम चला रही है। प्रीमियर लीग 2014 से इंडियन सुपर लीग के साथ मिलकर काम कर रही है। प्रीमियर लीग के मुख्य कार्यकारी रिचर्ड मास्टर्स ने कहा, हमारे क्लबो के पास भारत मे एक शानदार फैनबेस है और हम जानते है कि फुटबॉल की लोकप्रियता लगातार बढ़ रही है।

एआईएफएफ संविधान पर उच्चतम न्यायालय ने अपना फैसला सुरक्षित रखा

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने बुधवार को पूर्व न्यायाधीश एल नागेश्वर राव द्वारा तैयार अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) के संविधान के मसौदे को अंतिम रूप देने के मुद्दे पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायमूर्ति पी एस नरसिम्हा और जॉयमाल्या बागची ने रंजीत कुमार, राहुल मेहरा और न्यायमित्र गोपाल शंकरनारायणन की दलीलें सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रखा। पीठ ने विभिन्न राज्य फुटबॉल संघो और पूर्व खिलाड़ियों द्वारा संविधान के मसौदे पर उठाई गई आपत्तियों पर कई दिनों तक सुनवाई की। शीर्ष अदालत के निर्देश पर न्यायमूर्ति राव द्वारा तैयार संविधान के मसौदे में कुछ अहम बदलावों का प्रस्ताव रखा गया है, जिसमें किसी व्यक्ति को अपने जीवनकाल में अधिकतम 12 वर्ष तक पद पर बने रहने की अनुमति देना शामिल है बशर्ते वह अधिकतम चार वर्ष के दो लगातार कार्यकाल तक ही पद पर बना रहे।

थाईलैंड से चार जून को मैत्री मैच खेलेगा भारत

नई दिल्ली। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ ने घोषणा की कि भारतीय पुरुष फुटबॉल टीम चार जून को अपने से अधिक रैंकिंग वाले थाईलैंड के खिलाफ उसकी धरती पर अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच खेलेगी। भारतीय टीम अभी एएफसी एशियाई कप 2027 के क्वालीफायर के फाइनल राउंड का हिस्सा है तथा थाईलैंड के खिलाफ थम्मासैट स्टेडियम में होने वाला अंतरराष्ट्रीय मैत्री मैच 10 जून को हांगकांग के खिलाफ क्वालिफिकेशन मैच के लिए टीम की तैयारी का हिस्सा होगा। फीफा रैंकिंग मे भारत 127वे जबकि थाईलैंड 99वे स्थान पर है।

सूर्यवंशी पर लगातार फोकस गैर जरूरी, लेकिन क्या कर सकते हैंः द्रविड़

नई दिल्ली। भाषा चौदह वर्ष के वैभव सूर्यवंशी पर जरूरत से ज्यादा फोकस राहुल द्रविड़ नहीं चाहते लेकिन राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच को बखूबी पता है कि इसे रोकना उनके बस में नहीं है। स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम में सूर्यवंशी पर सवालों की बौछार से साबित हो गया कि क्रिकेट जगत कुछ समय तक इस प्रतिभाशाली क्रिकेटर को अकेले नहीं छोड़ने वाला। उन्होंने कहा कि बिहार के इस युवा खिलाड़ी को रातोंरात मिली स्टारडम से निपटने का तरीका खुद तलाशना होगा। भारत के पूर्व मुख्य कोच द्रविड़ ने कहा, मुझे लगता है कि अभी कुछ समय उस पर ऐसे ही फोकस रहेगा। लोग उसके बारे में बात कर रहे हैं जिसे मैं रोक नहीं सकता। मैं यहां बातचीत के लिए आया हूं और मुझसे सिर्फ वैभव के बारे में सवाल पूछे जा रहे हैं। उन्होंने कहा, उसके लिए यह चुनौतीपूर्ण होगा लेकिन रोमांचक भी। मैं कहना चाहता हूं कि इतना ज्यादा फोकस उस पर नहीं करें लेकिन मुझे पता है कि ऐसा होगा नहीं। उन्होंने कहा, हमें पता है कि ऐसा होगा और इसलिए इससे निपटने में उसकी मदद कर रहे हैं। भारत में क्रिकेटर होने का यह हिस्सा है। इससे बच नहीं सकते। ऋषभ पंत, शुभमन गिल, पृथ्वी साव, यशस्वी जायसवाल जैसे कई युवा खिलाड़ी तैयार कर चुके भारत के पूर्व अंडर 19 कोच ने बताया कि सूर्यवंशी क्यों खास है। उन्होंने कहा, इस तरह निर्भीक होकर खेलना और हालात का दबाव नहीं लेना खास है। इतनी कम उम्र में ऐसा देखने को नहीं मिलता। उसके पास इतने बेहतरीन शॉट्स भी हैं। वह अभी और निखरेगा। अब टीमें उसके खिलाफ तैयारी के साथ उतरेंगी। बातचीत के दौरान सूर्यवंशी की एक वीडियो क्लिप भी दिखाई गई जिसमें उसने द्रविड़ की तारीफ की है लेकिन द्रविड़ ने उसकी कामयाबी का श्रेय लेने से इनकार किया।

सैमसन की मांसपेशियों में खिंचाव पर रोजाना नजर रखी जा रही है

नई दिल्ली। राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच राहुल द्रविड़ ने बुधवार को कहा कि नियमित कप्तान संजू सैमसन की मांसपेशियों मे खिंचाव के कारण बाहर होने के बाद से उनकी रोजाना निगरानी रखी जा रही है। सैमसन इस चोट के कारण अब तक लखनऊ सुपर जायंट्स, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और गुजरात टाइटन्स के खिलाफ तीन मैच नही खेल पाए है। वह बृहस्पतिवार को मुंबई इंडियंस के खिलाफ टीम के अगले मैच में भी नही खेल पाएंगे। द्रविड़ ने कहा कि सैमसन की मांसपेशियों में खिंचाव ठीक हो रहा है लेकिन फ्रेंचाइजी जल्दबाजी नही करना चाहती। द्रविड़ ने स्टार स्पोर्ट्स प्रेस रूम पीटीआई के सवाल का जवाब देते हुए कहा, संजू अच्छी तरह से उबर रहे है लेकिन हमें इसे दिन-प्रतिदिन देखना होगा। यह मांसपेशियों में खिंचाव है और कभी कभार यह थोड़ा पेचीदा भी हो सकता है। हम लंबे समय मे उन्हें नुकसान नही पहुंचाना चाहते है। उन्होने कहा, हम रोज उन पर इसकी निगरानी कर रहे है और देखेंगे कि यह कैसे ठीक होता है। हर दिन हमें रिपोर्ट मिलती है कि वह उपलब्ध है या नही, इसलिए हम इसे हर दिन देखेंगे कि वह कैसे आगे बढ़ता है। फरवरी मे इंग्लैंड के खिलाफ टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के दौरान चोट लगने के बाद सैमसन उंगली की सर्जरी से उबर चुके थे। इसके कारण उन्हे आईपीएल के शुरुआती कुछ मैच में विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में खेलना पड़ा था।

भारत एशियाई अंडर-15 मुक्केबाजी चैंपियनशिप में शीर्ष पर

भाषा। अम्मान (जॉर्डन)

भारत ने दमदार प्रदर्शन करते हुए अंडर-15 एवं अंडर-17 एशियाई मुक्केबाजी चैंपियनशिप में अंडर-15 वर्ग में शीर्ष स्थान हासिल किया जिसमें महिला मुक्केबाजों ने 10 स्वर्ण सहित 25 पदक जीते। महिला मुक्केबाजों ने 15 भार वर्गों में 10 स्वर्ण और चार कांस्य पदक हासिल किए। मंगलवार को अंडर-15 वर्ग में जो भी फाइनल खेला गया उसमें स्वर्ण पदक जीता। अंडर-15 वर्ग में शुरुआत कोमल (30-33 किग्रा) ने कजाकिस्तान की ऐरू ओंगरबेक को 3-2 के विभाजित फैसले से हराकर की। खुशी अहलावत (35 किग्रा) ने 4-। से जीत दर्ज की जबकि तमन्ना (37 किग्रा) ने रैफरी द्वारा मुकाबला रोकने (आरएससी) से स्वर्ण पदक पक्का किया। स्वी (40 किग्रा), मिल्की मेनाम (43 किग्रा), प्रिंसी (52 किग्रा), नव्या (58 किग्रा), सुनैना (61 किग्रा), त्रुशाना मोहिते (67 किग्रा) और वंशिका (70 किग्रा से अधिक) ने सर्वसम्मति से अपने मुकाबले जीते जिससे लड़कियों की अंडर-15 टीम ने फाइनल में क्लीन स्वीप किया। भारत के चार लड़के फाइनल में पहुंचे जिसमें संस्कार विनोद (35 किग्रा) ने स्वर्ण जबकि तीन ने रजत पदक जीते। इससे पहले लड़कों के वर्ग में सात कांस्य पदक मिले थे। भारतीय मुक्केबाजी की अंतरिम समिति के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा, भारतीय मुक्केबाजी के लिए यह शानदार शाम थी।

महिला हॉकीः ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सही संयोजन तैयार करने उतरेगा भारत

पर्थ। भारतीय महिला हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू हो रही तीन मैचों की टेस्ट श्रृंखला में अपना सर्वश्रेष्ठ संयोजन उतारेगी और रक्षण से जुड़ी कुछ कमजोरियों को ठीक करने की कोशिश करेगी। यह श्रृंखला जून में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है और भारत के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह इसके लिए अपने कोर ग्रुप की पहचान करने की उम्मीद कर रहे हैं। ऑस्ट्रेलिया ए टीम से लगातार दो हार के साथ दौरे की शुरुआत करने के बाद भारत दमदार प्रदर्शन के साथ वापसी करने के लिए बेताब होगा। हॉकी इंडिया की विज्ञप्ति के अनुसार हरेंद्र सिंह ने कहा, पहले दो मैच में अधिकतर खिलाड़ियों को खेलने का मौका मिला है और अब हम खिलाड़ियों के बीच सर्वश्रेष्ठ संयोजन आजमाएंगे। मैं इसका इंतजार कर रहा हूं क्योंकि इसी तरह हम उन खिलाड़ियों की पहचान करेंगे जो यूरोप में आगामी प्रो लीग मैचों में खेल सकते हैं। उन्होंने कहा, अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले नई खिलाड़ियों को कम से कम 35 मैच खेलने चाहिए। ऐसे टूर्नामेंटों की तैयारी करते समय हम यही लक्ष्य ध्यान में रखते हैं। ऑस्ट्रेलिया ए के खिलाफ भारत शुरुआती मैच में 3-5 से और दूसरे मैच में 2-3 से हार गया था। इन नतीजों के बावजूद हरेंद्र टीम के प्रयासों से खुश दिखे। कोच ने कहा, दोनों मैचों में हमने कुछ आसान गोल खाए हैं जो निराशाजनक थे, लेकिन इसके अलावा हमने कडी चुनौती पेश की।

मुक्केबाजी महासंघ चुनाव के लिए अधिकारी की नियुक्ति की मांग पर अदालत ने केंद्र से जवाब मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने बुधवार को भारतीय मुक्केबाजी महासंघ और केंद्र से उस याचिका पर जवाब मांगा जिसमें महासंघ के चुनाव कराने के लिए निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति मिनी पुष्करना ने महासंघ और केंद्र को दिल्ली अमैच्योर मुक्केबाजी संघ की याचिका पर नोटिस जारी किए। मामले की सुनवाई अब अगस्त में होगी। यह आवेदन दिल्ली अमैच्योर मुक्केबाजी संघ की उस याचिका का हिस्सा है जिसमें महासंघ के उस निर्णय को चुनौती दी गई है जिसके तहत केवल उसकी संबद्ध राज्य इकाइयों के निर्वाचित सदस्यों को ही चुनावों में अपने-अपने राज्यों का प्रतिनिधित्व करने का अधिकार होगा। याचिका में यह भी कहा गया कि पूर्व निर्वाचन अधिकारी सेवानिवृत्त न्यायाधीश आर के गॉबा ने 14 अप्रैल को पद से इस्तीफा दे दिया था। इसमें आगे कहा गया कि खुद चुनाव लड़ रहे भारतीय मुक्केबाजी महासंघ के पूर्व अध्यक्ष चुनाव में विलंब का प्रयास कर रहे हैं और अपनी जी हूजूरी करने वाले निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति की कोशिश में हैं।

बिल जमा नहीं करने से टॉप्स खिलाड़ियों को दी गई आठ करोड़ की अग्रिम राशि अभी तक अनिश्चित

नई दिल्ली। खेल मंत्रालय की प्रमुख टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के तहत खिलाड़ियों को दी गई आठ करोड़ रुपए तक की अग्रिम राशि अभी तक अनिश्चित बनी हुई है क्योंकि लाभार्थी बार-बार याद दिलाने के बावजूद बिल या वसूली राशि जमा करने में विफल रहे हैं। भारतीय खेल प्राधिकरण (साइ) के भीतरी आकलन में इसका खुलासा हुआ है। रकम और उन खिलाड़ियों के बारे में खुलासा नहीं किया गया है। हाल ही में प्रदर्शन आडिट के दौरान इस पर आपत्ति जताई गई जिसके कारण करीब 30 खिलाड़ी (कोर और डेवलपमेंटल ग्रुप दोनों में) सवालों के घेरे में है। साइ और खेल मंत्रालय के विश्वस्त सूत्रों ने बताया कि संबंधित टॉप्स खिलाड़ियों ने विलंब का उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया जबकि उन्हें बारंबार याद दिलाया गया था।

लॉस एंजिलिस ओलंपिक के मद्देनजर सात कंपाउंड तीरंदाज टॉप्स कोर ग्रुप में शामिल

नई दिल्ली। लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में तीरंदाजी को शामिल किए जाने के बाद एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेता अभिषेक वर्मा और उदीयमान परनीत कौर समेत सात कंपाउंड तीरंदाजों को खेल मंत्रालय की टारगेट ओलंपिक पोडियम योजना (टॉप्स) के कोर समूह में शामिल किया गया है। यह फैसला मिशन ओलंपिक सेल (एमओसी) की 155वीं बैठक में लिया गया जिसमें पुलेला गोपीचंद, वीरेन रासकिन्हा, प्रशांति सिंह, कमलेश मेहता, एम एम सोमैया और रिलायंस फाउंडेशन के सिद्धार्थ शंकर ने भाग लिया। भारतीय खेल प्राधिकरण की विज्ञप्ति के अनुसार, एमओसी ने लॉस एंजिलिस ओलंपिक 2028 में तीरंदाजी को शामिल करने के अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के हाल ही में लिए गए फैसले को ध्यान में रखकर यह तय किया। टॉप्स में शामिल होने वाले अन्य तीरंदाजों में ओजस प्रवीण देवताले, ज्योति सुरेखा वेन्नम, अदिति गोपीचंद स्वामी, प्रियांश और प्रथमेश जावकर हैं। एमओसी ने टॉप्स, टीम्स और टीएजीजी (टारगेट एशियन गेम्स ग्रुप) से जुड़े 56 प्रस्तावों को भी मंजूरी दी। ओलंपिक में 1972 के बाद पहली बार तीरंदाजी को शामिल किया गया है। हाल ही में फ्लोरिडा में हुए तीरंदाजी विश्व कप में भारत की ज्योति सुरेखा वेन्नम ने तीन स्वर्ण पदक जीते थे। महिला टीम वर्ग में उन्होंने अदिति स्वामी और परनीत के साथ स्वर्ण जीता। इसके अलावा अभिषेक के साथ मिश्रित युगल में और व्यक्तिगत स्पर्धा का भी स्वर्ण अपने नाम किया। एमओसी ने लंबी कूद की खिलाड़ी शैली सिंह को नौ मई को यूएई ग्रां प्री और 11 मई को यूएई एथलेटिक्स वुमैंस गाला में भाग लेने के लिए वित्तीय सहायता को भी मंजूरी दी। इसके अलावा ताशकंद में आठ से 23 मई तक उजबेकिस्तान की टीम के साथ 17 दिन के अभ्यास का मुक्केबाज निकहत जरीन का अनुरोध भी मान लिया गया। टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और श्रीजा अकुला को भी दोहा में 17 से 25 मई तक आईटीटीएफ विश्व चैम्पियनशिप में भाग लेने के लिए अग्रिम अनुदान को मंजूरी दे दी गई। स्पेन के मालोरका में रफा नडाल अकादमी में अभ्यास और 22 अंतरराष्ट्रीय स्पर्धाओं में भाग लेने के 15 वर्ष की टेनिस खिलाड़ी माया राजेश्वरन के प्रस्ताव को भी मंजूरी दे दी गई।

क्विक न्यूज

गाबा पर संन्यास का फैसला इसलिए लिया क्योंकि यह सर्कल दोहराना नहीं चाहता था : अश्विन

नई दिल्ली। भारत के पूर्व आफ स्पिनर आर अश्विन ने अपने सौवें टेस्ट के बाद संन्यास लेने का सोचा था लेकिन आस्ट्रेलिया दौरे के बीच मे यह फैसला इसलिए लिया ताकि अंतिम एकादश मे उनकी जगह को लेकर पूरा सर्कल फिर से नही दोहराया जाए। चेन्नई सुपर किंग्स के नए पॉडकास्ट में अश्विन ने चेन्नई टीम के साथी खिलाड़ी माइक हस्सी से कहा कि उन्होंने आस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ टेस्ट मे टीम मे जगह नही मिलने के बाद संन्यास का फैसला कर लिया था। उस मैच में अश्विन की जगह वॉशिंगटन सुंदर को खेलने का मौका मिला। अश्विन ने एडीलेड में दूसरा टेस्ट खेला लेकिन गाबा पर तीसरे टेस्ट में उन्हे मौका नही दिया गया जिसके बाद उन्होंने संन्यास का ऐलान किया। अश्विन ने कहा, ईमानदारी से कहूं तो मै अपने सौवें टेस्ट (मार्च 2024 में धर्मशाला मे) के बाद संन्यास लेना चाहता था। फिर मैने सोचा कि घरेलू सत्र में एक मौका और लेते है क्योंकि मै अच्छा खेल रहा था, विकेट ले रहा था, रन बना रहा था। उन्होंने कहा, मैने सोचा कि चेन्नई टेस्ट (बांग्लादेश के खिलाफ) के बाद संन्यास लूंगा लेकिन फिर मैने छह विकेट लिए और शतक बनाया। अच्छा प्रदर्शन करते हुए छोड़ना बहुत मुश्किल होता है। अश्विन ने कहा, मै फिर खेलता गया और फिर हम न्यूजीलैंड से हार गए। फिर मैने सोचा कि चलो आस्ट्रेलिया दौरे पर देखते है कि प्रदर्शन कैसा रहता है। पिछली बार आस्ट्रेलिया दौरे पर मेरा प्रदर्शन अच्छा रहा था।

14 साल के बच्चे को गेंदबाजी करने को लेकर चिंतित नहीं हूं, रोमांचक होगा : बोल्ट

जयपुर। मुंबई इंडियंस के तेज गेंदबाज ट्रेंट बोल्ट ने कहा कि सवाई मानसिंह स्टेडियम की सपाट पिच पर राजस्थान रॉयल्स के 14 वर्षीय खिलाड़ी वैभव सूर्यवंशी का सामना करना रोमांचकारी होगा और वह इसे लेकर चिंतित नही है। सूर्यवंशी ने गुजरात टाइटन्स के खिलाफ 38 गेंद मे 101 रन बनाकर इतिहास में अपना नाम दर्ज कराया, जिससे वह आईपीएल और पुरुष टी20 क्रिकेट में शतक बनाने वाले सबसे कम उम्र के खिलाड़ी बन गए। उनकी 35 गेंद की पारी टूर्नामेंट में दूसरा सबसे तेज शतक भी था। बोल्ट ने यहां राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुंबई इंडियंस के मैच की पूर्व संध्या पर मीडिया से कहा, मैने दुनिया भर के कुछ बेहतरीन बल्लेबाजों को गेंदबाजी की है जिसमें क्रिस गेल, एबी डिविलियर्स शामिल है। मुझे लगता है कि मै यह नही कह सकता कि मै 14 साल के बच्चे के बारे में चिंतित हूं। उन्होंने कहा, लेकिन एक ऐसे खिलाड़ी के खिलाफ खेलना रोमांचक चुनौती होगी जो निडर है और इस समय शानदार फॉर्म में है इसलिए यही इसकी खासियत है। बोल्ट ने कहा, पूरी दुनिया ने उस रात उसका प्रदर्शन देखा। इतनी कम उम्र के बच्चे की यह बेहतरीन पारी थी। यह इस टूर्नामेंट की खूबसूरती है, सभी खिलाड़ी मैदान पर उतरते है और किसी भी मौके को दोनो हाथों से भुनाते है और मुझे लगता है कि उन्होंने यह बहुत बढ़िया तरीके से किया।

गिल को कप्तान के तौर पर आगे बढ़ने में मदद करना चाहती है गुजरात टाइटन्स

अहमदाबाद। गुजरात टाइटन्स के मुख्य परिचालन अधिकारी (सीओओ) कर्नल अरविंदर सिंह ने कहा कि उनके पास शुभमन गिल को कप्तान के तौर पर आगे बढ़ने मे मदद करने के लिए तंत्र और प्रक्रिया मौजूद है और उन्होंने इस भारतीय बल्लेबाज को लंबे समय तक जिम्मेदारी निभाने के लिए नियुक्त किया है। गुजरात टाइटन्स के आईपीएल 2022 मे अपने पहले ही सत्र मे खिताब जीतने के अभियान मे अहम रहे गिल को फ्रेंचाइजी ने तब कप्तान नियुक्त किया था जब हार्दिक पंड्या 2024 चरण से पहले मुंबई इंडियंस मे वापस चले गए थे। कप्तान के तौर पर पहले साल गिल को बहुत सफलता नही मिली और टीम आठवे स्थान पर रही थी। पर इस साल नौ मैच मे छह जीत और तीन हार के साथ तीसरे स्थान पर है। सिंह ने एक बयान मे कहा, गुजरात टाइटन्स में हम जो कुछ भी करते है, हम उसे एक या दो सत्र के लिए नही करते है। हम लंबे समय तक के बारे मे सोचते है। जब हार्दिक चले गए तो कई लोगो की राय थी कि हमारे पास ऐसे खिलाड़ी मौजूद है जो कप्तान की भूमिका निभा सकते है। लेकिन हमने शुभमन मे निवेश करना चुना। इस फैसले से साफ पता चलता है कि हम शुभमन मे सिर्फ एक सत्र के लिए नही बल्कि लंबे समय के लिए निवेश कर रहे थे। उस निवेश के नतीजे अब सामने आ रहे है।

पूर्व राष्ट्रीय निशानेबाजी कोच सनी थॉमस का निधन

कोच्चि,। भारत को निशानेबाजी मे ओलंपिक सहित प्रमुख प्रतियोगिताओ मे पदक दिलाने मे अहम भूमिका निभाने वाले पूर्व राष्ट्रीय कोच सनी थॉमस का बुधवार को दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 84 वर्ष के थे और उन्होंने कोट्टायम मे अपनी अंतिम सांस ली। थॉमस के परिवार मे उनकी पत्नी केजे जोसम्मा, बेटे मनोज सनी, सानिल सनी और बेटी सोनिया सनी है। इस पूर्व निशानेबाज ने 1993 से 2012 तक भारतीय निशानेबाजो का मार्गदर्शन किया। वह खेल के इतिहास में कई महत्वपूर्ण अवसरो के प्रत्यक्ष गवाह रहे थे। उन्हें 2001 मे द्रोणाचार्य पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। वह 2004 मे एथेंस ओलंपिक के दौरान कोचिंग स्टाफ का हिस्सा थे, जहां राज्यवर्धन सिंह राठौड़ पुरुषों की डबल ट्रैप मे रजत के साथ निशानेबाजी मे ओलंपिक पदक जीतने वाले पहले भारतीय बने थे। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश नारायण सिंह देव ने थॉमस के निधन पर शोक व्यक्त किया। देव ने कहा, उनके निधन से भारतीय निशानेबाजी मे बहुत बड़ा शून्य पैदा हो गया है जिसे भरना बहुत मुश्किल होगा।

सुपरबेट रैपिड और ब्लिट्ज शतरंजः दूसरे स्थान पर पहुंचे प्रज्ञानानंद

वारसॉ (पोलैंड)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंद ने खराब शुरुआत से वापसी करते हुए ग्रैंड शतरंज टूर की प्रतियोगिता सुपरबेट रैपिड एंड ब्लिट्ज टूर्नामेंट में ब्लिट्ज वर्ग के पहले हाफ के आखिर मे ओवरऑल तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया। प्रज्ञानानंद के प्रयासो ने उन्हें लगातार दूसरे दिन अच्छी स्थिति में रखा। इस भारतीय खिलाड़ी ने रैपिड शतरंज के पहले दो दिनो मे अच्छा प्रदर्शन नही किया था, लेकिन विशेष रूप से ब्लिट्ज वर्ग मे अपनी विशेषज्ञता दिखाते हुए जोरदार वापसी की। उन्होंने रोमानिया के डेक बोगडान डैनियल और अमेरिका के लेवोन एरोनियन से हार के साथ शुरुआत की थी, लेकिन फिर फ्रांस के फ़िरोज़ा अलीरेज़ा और मैक्सिम वाचियर लाग्रेव को हराकर वापसी की। प्रज्ञानानंद ने अंतिम तीन राउंड मे पूर्व विश्व चैंपियन बुल्गारिया के वेसेलिन टोपालोव, हम वतन अरविंद चिदंबरम और रोमानिया के डेविड गैवरिलेस्कु को हराकर नौ मैच मे 5.5 अंक जुटाए।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. देवेन्द्र सिंह द्वारा द इंडियन एक्सप्रेस प्रा.लि. सी-26 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ (फोनः 0522-4036600) से प्रकाशित। प्रधान सम्पादकः शोबोरी गाँगुली, स्थानीय सम्पादकः विजय प्रकाश सिंह। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।